हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

21 जनवरी, 1998

(द्वितीय बैठक)

खण्ड 1, अंक 5

अधिकृत विवरण

विषय सूची

बुधवार, 21 जनवरी, 1998

	पृष्ठ संख्या
सदन के कार्यक्रम में परिवर्तन	(5) (1)
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(5) (1)
वैयक्तिक स्पष्टीकरण—	
परिवहन मंत्री द्वारा	(5) (10)
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(5) (11)
वाक आउट	(5) (13)
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(5) (13)
वैयक्तिक स्पष्टीकरण—	
खेल राज्य मंत्री द्वारा	(5) (29)
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(5) (30)
वैयक्तिक स्पष्टीकरण—	
कृषि मंत्री द्वारा	(5) (49)

मूल्य 275 00

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(5) (49)
बैठक का समय बढ़ाना	(5) (57)
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(5) (57)
बैठक का समय बढ़ाना	(5) (65)
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(5) (65)
वाक आउट	(5) (71)
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(5) (71)
बैठक का समय बढ़ाना	(5) (75)
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(5) (75)

हरियाणा विधान सभा

बुधवार, 21 जनवरी, 1998

(द्वितीय बैठक)

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर 1, चण्डीगढ़ में 14.30 बजे हुई । अध्यक्ष (प्रो0 छतर सिंह चौहान) ने अध्यक्षता की ।

सदन के कार्यक्रम में परिवर्तन

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I am to announce, with the sense of the House, that there will be no sitting of this august House on 23rd January, 1998 and there will be two sittings on 22nd January, 1998. The business which was to be transacted on 23rd January, 1998 will now be taken up in the second sitting of the House tomorrow, the 22nd January, 1998.

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now the discussion on Governor's Address will be resumed. Capt. Ajay Singh was on his legs when the House adjourned today at 1.00 p.m. and he may resume his speech. कैप्टन साहब, जहां तक पार्टी वाइज बोलने के समय की बात है, वह समय तो आपका पूरा हो गया । (शोर) चाहे रात के दस बजे तक सैशन चलाना पड़ जाए लेकिन सभी को दस दस मिनट बोलने के लिए जरूर दिए जाएंगे । (थपिंग) कैप्टन साहब, आपसे प्रार्थना है कि आप अपनी बात 5 मिनट में पूरी करें ।

कैप्टन अजय सिंह यादव (रिवाड़ी) : अध्यक्ष महोदय, जिस इलाके में नहरें हैं, वहां पर किसानों से 6 महीने में 25 रुपए और साल में 50 रुपए प्रति एकड़ के हिसाब से आबियाना के रूप में लिया जाता है । मैं जिस इलाके से संबंध रखता हूं, उसी इलाके से भाई जगदीश और श्री जसवंत सिंह जी भी हैं । उस इलाके में किसान ट्यूबवैल्ज पर निर्भर करते हैं और हमारे किसानों के लिए बिजली का स्लैब सिस्टम रियायत के रूप में बनाया गया था, वह बन्द कर दिया गया है । (विघ्न) आखिर उन किसानों का क्या दोष था ? श्री

[कैप्टन अजय सिंह यादव]

श्री राम बिलास जी भी जब विपक्ष में बैठा करते थे, तो स्लैब-सिस्टम के बारे में लंबी-लंबी बातें किया करते थे। शायद वह इस समय हाऊस में उपस्थित नहीं हैं। पुलिस ने उन निर्दोष किसानों पर बगैर वार्निंग दिए ही गोलियां चलाईं। शायद इतिहास में ऐसी घटना पहले कभी नहीं घटी हो।

कृषि मन्त्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) : अध्यक्ष महोदय, आन ए प्वाएंट आफ आर्डर। इन्होंने अपने समय में किसानों के लिए कितनी परवाह की थी ये ऐसी बातें कह कर सदन को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। यह ठीक बात नहीं है कि ये आवेश में आकर के कुछ भी कह जाएं। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने स्वयं और सामने वाले भाईयों ने मिलकर किसानों के नाम पर आंदोलन चलवाया था। आज सुबह खुद भजन लाल जी भी बोल रहे थे। इनसे कोई पूछे कि इनके राज में क्या कुछ नहीं हुआ है? इनके राज में तो किसानों को मौत के घाट उतार दिया गया था। कम से कम आज की सरकार किसान विरोधी सरकार तो नहीं है। हम तो कानून व्यवस्था कायम रखना चाहते हैं। लेकिन अगर आप जैसे लोग कानून व्यवस्था कायम होने में बाधक बनेंगे तो हमें इलाज भी करना आता है। (शोर)

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मुझे अफसोस है कि पुलिस ने मंडियाली गांव के किसानों के आंदोलन के समय में एक व्यक्ति के घर में घुसकर बड़ी बेरहमी से महिलाओं को पीटा। वह व्यक्ति उस समय पशुओं को पानी पिला रहा था। वहां पर महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार किया गया, उनका सामान उठाकर के कुएं में फैंक दिया गया। एक महिला की दो बेटियां जिनमें एक गर्भवती भी थी, की भी बड़ी बेरहमी से पीटा गया। (सैम-सैम की आवाजें) अगर यह बात सच नहीं हो तो मैं हाऊस की सदस्यता से इस्तीफा दे दूंगा अन्यथा दलाल साहब इस्तीफा दे दें। (शोर)

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, आप कहां की बात कर रहे हैं? क्या आपने कभी मंडियाली देखा भी है अथवा नहीं?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं रिवाड़ी हल्के से तीन बार चुनकर आया हूं। ऐसी बात नहीं है कि मैं वहां पर नहीं गया हूं और क्या मैं आपको ऐसे ही बता रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी इज्जत करता हूं लेकिन आप यह कहें कि मैं मंडियाली के बारे में जानता नहीं तो यह गलत बात है। मैं यह कहना चाहता हूं कि जिस तरीके से किसानों के साथ ज्यादती हुई है वह पहले कभी नहीं हुई। सबसे बड़ी बात तो यह हुई कि शेर सिंह नाम के व्यक्ति के ऊपर कम से कम 20 दरख्त आ गिरे। इसके अलावा दान सिंह जो हमारी पार्टी के कार्यकर्ता हैं महेन्द्रगढ़ में उनको पकड़कर बेरहमी से पीटा गया। (शोर)

श्री कर्ण सिंह दलाल : आज भाई अजय सिंह ने अपने भाषण में यह बात स्वीकार की है कि इनकी पार्टी के लोगों ने वहां गड़बड़ करवाई। जिनका नाम ये ले रहे हैं आप

जानते हैं कि वे कौन लोग थे ? इनकी पार्टी के लोगों ने और सामने बैठे हुए पार्टी के लोगों ने प्रदेश के शिक्षा मन्त्री श्री राम बिलास शर्मा के घर में घुसकर उनके बूढ़े माता-पिता को अगवा करने की कोशिश की और रेलवे लाइनें उखड़वाने का काम किया। उन्होंने स्वयं माना है कि उनकी पार्टी के ही कार्यकर्त्ता थे जो महेन्द्रगढ़ में गड़बड़ी करवा रहे थे। (शोर)

कैप्टन अजय सिंह यादव : इन्होंने जो आरोप लगाया है वह निराधार है।

श्री अध्यक्ष : श्री वीरपाल 5.1 मिनट तक बोले हैं उनको बोलते हुए किसी ने नहीं टोका आप कोई कंट्रोवर्शियल बात न करें और अपनी बात करें।

श्री वीर पाल सिंह : शर्मा जी के माता-पिता के साथ ऐसा व्यवहार जिसने भी किया उसकी मैं व्यक्तिगत रूप से निन्दा करता हूं और हाऊस में फिर कहता हूं कि हमारी पार्टी का कोई भी साथी माननीय शिक्षा मन्त्री के घर में नहीं गया। आज भी हम उनकी माता का सम्मान करते हैं। यह काम विकास पार्टी के लोगों ने किया होगा।

श्री कर्ण सिंह दलाल : 18 महीने में जितना निष्पक्ष प्रशासन हमारी इन दोनों पार्टियों ने प्रदेश को दिया है, ऐसी मिसाल कहीं नहीं मिल सकती और हमारी पार्टी के किसी भी आदमी ने यह काम नहीं किया है। (शोर)

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं भी कहता हूं कि राम बिलास के साथ जो बात हुई है उसकी हमने निन्दा की है चाहे यह बात किसी के साथ भी हो। बहुत गलत बात है लेकिन यह कहना कि ये हमारी पार्टी के लोग थे। यह गलत है। हो सकता है कि ऐसा काम दलाल साहब ने करवा दिया हो।

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, अभी कैप्टन अजय सिंह ने उनका नाम लिया था और कहा कि उनकी पार्टी के कार्यकर्त्ताओं की वहां पर पुलिस ने पिटाई की। इनको खुद को उस इलाके के किसानों ने रास्ते से वापिस भगा दिया और कहा कि हमें आपकी जरूरत नहीं है। आप हम लोगों को काफी भड़का चुके हो। आप वापिस अपने घर जाओ। ये रास्ते से वापिस आए थे।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, ये तो ऐसे ही गलत बातें करते रहते हैं। मेरा तो यह कहना है कि अगर ये सही मायने में टिके हुए हों तो क्यों नहीं ये जुडिशयल इन्क्वायरी करवाते। उससे दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा और सही बात का पता चल जाएगा। जो किसान मारे गए उनको इन्होंने कोई कम्पनसेशन नहीं दिया और उन किसानों से कोई वार्तालाप भी नहीं की। प्रदेश के इतिहास में बहुत सारी सरकारें आई, लोगों ने हमेशा कोशिश की कि किसानों की भलाई की बात हो सके लेकिन मुझे इस बात का बड़ा आश्चर्य है कि इस सरकार के मुख्य मंत्री या किसी मंत्री ने उन किसानों को बुला कर उनके साथ बात तक नहीं की। मैं कहता हूं कि ये

[कैप्टन अजय सिंह यादव]

किसानों को बुला कर उनके साथ बात करते और उनकी जायज मांगों को मानते। मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि किसानों के साथ जो ज्यादती हुई है उसके बारे में जुडिशियल इन्क्वायरी करवाई जाए। किसानों द्वारा किए गए एजीटेशन के समय जिन लोगों ने महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया है और छोटी छोटी बच्चियों की पिटाई की है उनके खिलाफ मुकदमें दर्ज किए जाएं और जिन लोगों ने उस समय किसानों पर गोलियां चलाई उनके खिलाफ भी मुकदमें दर्ज किए जाएं। बिजली के निजीकरण या सुधारीकरण के नाम पर केवल हमारे चार जिलों के अन्दर किसानों ने एजीटेशन करने का कदम उठाया था। क्या यह सरकार किसानों के हकों को काट कर बिजली का निजीकरण करवा लेगी? अगले महीने 7 तारीख को चुनाव होगा उसके बाद इनको पता लग जाएगा कि ये कितने पानी में हैं इनको उस बात का खामयाजा भुगतना पड़ेगा। इसी चुनाव में लोग इनको बता देंगे कि बिजली का निजीकरण कैसे किया जाता है? बिजली के निजीकरण के लिए इस सरकार ने चार कम्पनियां बनाई हैं। बिजली का ट्रांसमिशन अलग दूसरा डिस्ट्रीब्यूशन अलग, मेरा कहना यह है कि पावर रैगुलेटरी कमिशन जब बनेगा तो एच0एस0ई0बी0 का नाम रहेगा या नहीं रहेगा उसका नाम कहां जाएगा? जब ज्वायंट वैंचर बीच में आ जाएगा तो फारेन कम्पनीज भी बीच में आ जाएंगी। आप लगभग 13 परसैंट के रेट आफ इंट्रस्ट पर 6900 करोड़ रुपए लोन लेंगे।

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब आप बिजली मंत्री जी की बात सुनें।

जन सम्पर्क राज्य मन्त्री (श्री अतर सिंह सैनी) : स्पीकर साहब, माननीय सदस्य चार कम्पनीज की बात कह कर सदन को गुमराह कर रहे हैं। जिनको, ट्रांस्को और डिस्काम तीन कम्पनीज बनेंगी और रैगुलेटरी कमिशन इनडिपैंडैंट होगा।

कैप्टन अजय सिंह यादव : जो पावर रैगुलेटरी कमिशन बनेगा, गवर्नमैंट उसके सामने पार्टी बन कर खड़ी होगी क्योंकि गवर्नमैंट का उस पर कोई अधिकार नहीं होगा। जो आप उनसे पैसा लेंगे वह डालर्ज में लेंगे और रुपए की वैल्यू हमेशा डाउन होगी। आप 6900 करोड़ रुपए लोन लेंगे, उसका आप कम से कम एक हजार करोड़ रुपया ब्याज देंगे तो मेरा यह कहना है कि बिजली बोर्ड के अपने असैट्स चाहे वह ट्रांसफारमर्ज हों चाहे वह बिजली की लाइनें हों उनका क्या होगा? इसके अलावा मैं यह भी कहना चाहूंगा कि आपने हरियाणा के लोगों की खून पसीने की कमाई को टैक्स के रूप में वसूल किया है क्या वह पैसा आप उनको वापिस सौंप देंगे। ऐसा करके आप बिजली बोर्ड को एक तरह से बेच रहे हैं।

श्री अतर सिंह सैनी : स्पीकर साहब, माननीय सदस्य बिजली बोर्ड को बेचने की बात कर रहे हैं यह निराधार और बेबुनियाद बात है और ऐसी बात कह कर ये हाउस को गुमराह कर रहे हैं। बिजली बोर्ड के सारे असैट्स कम्पनीज को ट्रांसफर हो जाएंगे और वे कम्पनीज ओंड कम्पनीज होंगी।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, जहां तक एजुकेशन की बात है। दक्षिणी हरियाणा के चार जिलों महेन्द्रगढ़, रिवाड़ी, गुड़गांव और फरीदाबाद इनके अन्दर कोई यूनिवर्सिटी नहीं है। एक रीजनल सैंटर मीरपुर गांव के अन्दर है उसका 100 एकड़ भूमि के अन्दर काम चालू हो गया है। हमारे शिक्षा मंत्री राम विलास शर्मा जी इस समय हाउस में नहीं बैठे हैं मैं यह कहना चाहता हूं कि 1995-96 में उस रीजनल सैंटर पर 50 लाख रुपए खर्च किए गए थे उस समय हमारी पार्टी का राज था। इस सरकार ने आने के बाद वहां पर 2 लाख 50 हजार रुपए खर्च किए हैं। अध्यक्ष महोदय, हमारे इलाके के मंत्री महोदय हाउस में बैठे हैं आप इनसे पूछ लें और वे अपनी छाती पर हाथ रख कर बताएं कि क्या हमारे उन जिलों के बच्चे जयपुर, कुरुक्षेत्र और रोहतक तक पढ़ने नहीं जाते हैं। उस रीजनल सैंटर में सड़कें बन गई हैं और उसकी चारदीवारी का काम शुरु हो गया है। मैं कहना चाहता हूं कि वहां पर यूनिवर्सिटी बननी चाहिए।

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, 1986 से पहले वहां के बच्चे पढ़ने के लिए कहां पर जाते थे ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : मैंने वहां पर इसकी आधारशिला रखवा दी थी। उसकी चार दीवारी बनवा दी गई थी और सड़कें बनने लग गई थी लेकिन अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि उसे बीच में ही बन्द कर दिया गया है। इसी प्रकार से भाई जसवंत सिंह जो मन्त्री है इनके हल्के में भी पौलीटैक्निक कालेज की आधारशिला रखवा दी थी। पता नहीं बाद में किन कारणों से वह काम बन्द कर दिया गया जबकि वहां पर काम के लिए पैसा भी ईयर मार्क करवा दिया गया था। अब इस सरकार ने भी वहां पर इसकी कोई व्यवस्था नहीं की है।

श्री जसवन्त सिंह : अध्यक्ष महोदय मुझे बड़े दुःख के साथ कहना पड़ता है कि इन्होंने वहां पत्थर तो रखवा दिया था लेकिन वहां पर एक पैसा भी खर्च नहीं किया गया। इन्होंने वहां पर झूठी आधारशिला रखवा दी थी। लेकिन हमारी सरकार के शिक्षा मंत्री श्री राम विलास शर्मा जी ने आश्वासन दिया है कि वहां पर पोलीटैक्निक कालेज अवश्य खोल देंगे।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी जानकारी के लिए सदन को बताना चाहूंगा कि आज हरियाणा में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं रह गई है। आज दिन-दिहाड़े डकैतियां डाली जा रही हैं। अभी दो दिन पहले ही रिवाड़ी शहर में शटर तोड़कर डाका डाला गया, लेकिन वे चोर आज तक पकड़े नहीं गए। (शोर)

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, आप बैठिए, आपका समय हो गया है।

कैप्टन अजय सिंह यादव : वहां पर कानून व्यवस्था की स्थिति खराब है इसलिये वहां पर पुलिस की स्ट्रेन्थ बढ़ाई जाए। ****(शोर)

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री अध्यक्ष : आप बैठिए। जो ये कह रहे हैं वह रिकार्ड न करें।

श्री रामजी लाल (सढ़ौरा, अनुसूचित जाति) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, उसके लिए आपका धन्यवाद। अध्यक्ष महोदय, इस समय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बहस चल रही है। इस में खासकर बिजली के मुद्दे को उठाया गया है। बिजली के निजीकरण के मुद्दे को लेकर सरकार ने यह कहा है कि हम इसका निजीकरण नहीं बल्कि सुधारीकरण करने जा रहे हैं। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से जानना चाहूंगा कि सरकार इसमें क्या सुधारीकरण करने जा रही है। बिजली के मामले में आज सारे हरियाणा में त्राहि-त्राहि मची हुई है। बारिश के कारण किसान को तो अबकी बार ज्यादा बिजली की आवश्यकता महसूस नहीं हुई लेकिन खाना पकाने के लिए या दूसरे कामों के लिए सरकार को बिजली सप्लाई करनी चाहिए। सरकार रूरल और अर्बन एरियाज को बीच में रखकर किसानों को बिजली दे रही है। सरकार गांवों में बिजली शाम छः बजे से रात नौ बजे तक देती है लेकिन उसमें भी 10 मिनट के लिए टिमटिम करके आती है और चली जाती है, वह भी पूरे समय के लिए नहीं आती।

अध्यक्ष महोदय आदरणीय चौधरी बीरपाल जी ने कहा कि रोहतक जिले में ज्यादातर खेतों में आज भी पानी खड़ा है। मैं बताना चाहूंगा कि मेरे यहां अम्बाला और यमुनानगर में भी काफी एरिया में पानी खड़ा है। आज यमुना नदी के साथ-साथ जो खेत हैं उनमें काफी मात्रा में पानी खड़ा है। वहां पर कई किसानों ने कनक बीजी ही नहीं और जिन्होंने बोई उनकी जमी नहीं। फिर बारिश होने से वे दुबारा उस जमीन की बिजाई भी नहीं कर पाये। ज्यादा बरसात की वजह से वहां पर ज्यादा नुकसान हुआ है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहूंगा कि यमुना नगर-अम्बाला के ऐरिया में सर्वेक्षण करवाया जाए और जो किसान गेहूं की फसल से वंचित रह गया है, जैसे कि पिछली बार दर्शाया गया है, उस किसान को मुआवजा दिया जाए। मुख्य मंत्री जी ने कहा है कि वहां पर सन-पलावर की बिजाई के लिए बीज उपलब्ध करवाया जाएगा इसलिये मेरा अनुरोध है कि हमारे ऐरिया में इस बारे सरकार प्रभावी पग उठाए। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं एक और अहम मुद्दे की ओर सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं। जैसे कि चौधरी बीरपाल सिंह जी ने भी अपनी स्पीच में यह कहा था कि एक जानवर जिसे नीलगाय कहा जाता है वह वास्तव में नील गाए नहीं है बल्कि यह पशु रोझ है लेकिन इसको नील गाय की संज्ञा दी जाती है। इस रोझ ने तकरीबन अम्बाला के पूरे हिल्ली ऐरिया में ताजेवाला तक किसान की फसल नहीं छोड़ी है गाह, ज्वार, बाजरा, मकई, मसरी आदि फसलों का यह पक्का दुश्मन है और इन फसलों को छोड़ता नहीं है। यह जानवर अम्बाला डिस्ट्रिक्ट का दुश्मन है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करूंगा कि इस जानवर का कोई न कोई प्रबन्ध किया जाए तथा इसके द्वारा फसलों को तबाह करने के एवज में जिन किसानों की फसलें इसने खराब की हैं उनको मुआवजा दिया जाए। अध्यक्ष महोदय, तीसरी बात मैं यहां पर ओल्ड अम्बाला के बारे में कहना चाहूंगा। मैं मुख्य मन्त्री जी के नोटिस में लाना चाहूंगा कि ओल्ड

अम्बाला जिला में कण्डी प्रोजैक्ट और शिवालिक बोर्ड के नाम पर दो संस्थाओं द्वारा वर्ल्ड बैंक से वहां के लोगों के उथान के लिए पैसा लिया जाता है। कण्डी प्रोजैक्ट और शिवालिक बोर्ड केवल कागजों तक ही हैं। अध्यक्ष महोदय, वर्ल्ड बैंक का पैसा उन लोगों के उत्थान के लिए, उनकी शिक्षा के लिए उन लोगों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए और सिंचाई के साधनों के लिए तथा पीने के पानी की ठीक व्यवस्था करने के लिए और सड़कों तथा पुलियों के लिए मिलता है। पूरे ओल्ड डिस्ट्रिक्ट अम्बाला में शिवालिक बोर्ड द्वारा कोई काम नहीं किया जा रहा है लगभग 200 गांवों में टूटी-फूटी सड़कें हैं और पुलियों के नाम पर कुछ नहीं है न ही पीने के पानी की ठीक व्यवस्था है। ऐसे ट्यूबवैल्ज हैं जो कि बहुत नीचे ठिकानों पर लगाए गए हैं जबकि करीब 200 गांव ऐसे हैं जो कि काफी ऊंचाई पर हैं और इन ट्यूबवैल्ज का पानी वहां तक नहीं पहुंचता है। वहां पर पानी पाईप के द्वारा भी नहीं ले जाया जा सकता है क्योंकि पाईप लगाते हैं तो वे पाईप रास्ते में टूट जाते हैं। इस ऐरिया में ताजेवाला तक का ऐरिया आता है जहां पर लोग अपनी रेहड़ियों में ड्राम रख कर पानी नीचे से ऊपर ले कर जाते हैं और उनको काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है इसलिये मैं सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि इन एरियाज में ट्यूब-वैल्ज ऊंचे लगाए जाएं ताकि पीने का पानी उन लोगों को मुहैया करवाया जा सके। अध्यक्ष महोदय, जहां तक वन विभाग का सम्बन्ध है, मैं आपके माध्यम से सरकार को बताना चाहूंगा कि जहां किसानों की अपनी जमीनें हैं जो उन्होंने वन विभाग को लीज पर दे रखी हैं, 10 साल या 15 साल तक के लिए पट्टे पर दी हुई हैं वहां पर सरकार की पालिसी थी कि पपलर और सफैदा लगा कर उसे काम में लाया जाए। आज तक किसान उसका यूज करता रहा है। सरकार की ओर से या महकमें की ओर से 1983 में ऐसा फैसला किया गया है जो कि जम्मू-कश्मीर में लागू है कि उसका आधा हिस्सा किसान रखेगा और आधा हिस्सा सरकार के पास रहेगा। 1990 में हिमाचल के एक केस में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला किया है कि जिस जमीन पर पेड़ लगाया गया है उस पेड़ का मालिक भी किसान होगा और जमीन का मालिक भी वही किसान होगा जिसकी वह जमीन है। यह फैसला सुप्रीम कोर्ट में दायर हुए एक केस में सुप्रीम कोर्ट ने दिया है इसलिए इसका सारा खर्च सरकार किसान को दे। मैं आपको यह कहना चाहूंगा कि हरियाणा में भी इस तरह के बहुत से केसिज हैं। आज भी कोर्ट में केसिज चल रहे हैं। उनकी जमीनें फोरैस्ट डिपार्टमैंट ने पट्टे पर ली थीं। अब फारैस्ट डिपार्टमैंट वाले जिनकी जमीनें थीं उनको पेड़ काटने नहीं देते हैं वे कहते हैं कि आधे पेड़ तुम्हारे हैं और आधे फारैस्ट डिपार्टमैंट के हैं। मेरी आपसे प्रार्थना है कि वे पेड़ तो किसानों के हैं और उनको ही काटने दिए जाएं। (बंटी) अध्यक्ष महोदय, मैं थोड़ी सी और बातें कहना चाहता हूं। आज इस सरकार ने दर्शाया है कि 9.5 प्रतिशत शराब-बंदी हो गई है। लेकिन मैं आपको यह बताना चाहता हूं कि आज ऐसी स्थिति हो गई है कि अगर कोई आदमी शराब बेचने वाले के बारे में पुलिस को बताता है तो उस आदमी की पिटाई की जाती है क्योंकि शराब बेचने वाले और शराब पीने वाले पुलिस पर हावी हो गए हैं। मैं आपके माध्यम से बताना चाहता हूं कि एक आदमी जिसका नाम अशोक है, वह गांव मसरोली, थाना

[श्री रामजी लाल]

विलासपुर डिस्ट्रिक्ट यमुना नगर का रहने वाला है। उसने शराब बेचने वालों के बारे में पुलिस को बताया लेकिन उसकी बहुत ही बुरी तरह से पिटाई की गई जिसके परिणाम स्वरूप उसको चण्डीगढ़ में पी० जी० आई० में ऐडमिट करवाना पड़ा। उसका वहां पर कोई हाल भी पूछने नहीं गया। ऐसे तो हालात आज हरियाणा प्रदेश में हो रहे हैं। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से मैं आपके माध्यम से शिक्षा मंत्री जी को बताना चाहता हूं कि आज तक डिस्ट्रिक्ट यमुना नगर में कोई गवर्नमैंट कालेज नहीं खोला गया है। इसके साथ ही सढौरा कांस्टीचुएंसी में कोई हाई स्कूल नहीं है। जहां तक स्कूलों को अपग्रेड करने का सवाल है तो मंत्री जी अपने अपग्रेडेशन के लिये अपने क्षेत्र को ही महत्व देते हैं। आज तक डिस्ट्रिक्ट यमुना नगर में सिर्फ पांच स्कूल ही अपग्रेड किए गए हैं।

श्री राज कुमार सैनी : अध्यक्ष महोदय, मसरौली में एक स्कूल अपग्रेड किया गया है।

श्री रामजी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं डिस्ट्रिक्ट यमुना नगर की बात कर रहा हूं।

श्री अध्यक्ष : आपका समय खत्म हो गया है आप बैठ जाएं।

श्री रामजी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं थोड़ी सी बात सड़कों के बारे में भी कहना चाहूंगा। आज डिस्ट्रिक्ट यमुना नगर की सड़कों का भी बुरा हाल है। सभी सड़कें टूटी पड़ी हैं। सढ़ौरा से कोटला, सढौरा से विलासपुर, विलासपुर से छछरौली और छछरौली से जगाधरी तक की सड़कों का बहुत ही बुरा हाल है। ये जगह-जगह से टूटी पड़ी हैं इनको भी ठीक करवाने के लिए मंत्री जी कुछ करें। (घंटी)

श्री अध्यक्ष : रामजी लाल जी आप बैठ जाएं। अब श्री जय सिंह राणा जी बोलेंगे।

15.00 बजे **श्री जय सिंह राणा (नीलोखेड़ी) :** स्पीकर साहब, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए आपका धन्यवाद। सर, कल से राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा हो रही है और इस सदन में बहुत से सदस्यों ने इस चर्चा में भाग लिया है और भाग लेते हुए उन्होंने अपने अपने विचार व्यक्त किए हैं। जहां विपक्ष के सदस्यों ने सरकार की कमियां, कमजोरी और असफलताओं का यहां पर जिक्र किया वहीं दूसरी ओर सत्ता पक्ष के हमारे भाईयों ने उससे तकलीफ महसूस की लेकिन इसकी यह कोई अच्छी बात नहीं है। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, जब हमारे विपक्ष के भाई ठीक बात कहते हैं तो हम उनका आदर करते हैं और उनकी बातों को नोट भी करते हैं लेकिन अगर कोई सदस्य यहां पर गलत बयानी करता है और सदन को गुमराह करता है तो हम उसकी इस बात का विरोध करते हैं इसलिये इसमें इनकी बुरा नहीं मानना चाहिए।

श्री जय सिंह राणा : अध्यक्ष महोदय, बड़े हौंसले और धैर्य के साथ सत्ता पक्ष के मंत्रियों और एम0एल0एज0 को विपक्षी सदस्यों की बातें सुननी चाहिएं और सीखना चाहिए तथा देखना चाहिए कि हमारी कमियां क्या हैं और उन कमियों को कैसे दूर किया जा सकता है ? अगर ऐसा होगा तो समस्या का असली समाधान हो जाएगा। इनको बीच में टोका-टोकी नहीं करनी चाहिए। स्पीकर साहब, आज से लगभग डेढ़ साल पहले हरियाणा विकास पार्टी और बी0जे0पी0 की यह सरकार सत्ता में आई। चुनाव से पहले इन्होंने जनता के साथ बहुत से वायदे किए थे और लोगों ने इनको बहुमत देकर इनमें विश्वास भी व्यक्त किया था। उसके बाद ही यह सरकार बनी थी। परन्तु इस डेढ़ साल के समय में लोगों को इस सरकार से नाउम्मीद ही हाथ लगी क्योंकि यह सरकार उनसे किया हुआ कोई भी वायदा पूरा नहीं कर सकी और न ही करने की आशा है। अध्यक्ष महोदय, जैसे चौधरी बंसी लाल जी ने शराब बन्दी का लोगों से वायदा किया था। शराब तो इन्होंने बंद की परन्तु वह पूरी तरह से कामयाब नहीं हो सकी। इसी प्रकार से बी0जे0पी0 ने अलग से उस समय लोगों से चुंगी खत्म करने का वायदा किया था। कल जब यहां पर चर्चा हो रही थी बस परमिटों के रूट के बारे में तो पता चला कि बस परमिटों के रूट्स का बंटवारा तो बी0जे0पी0 ने कर लिया परन्तु इन्होंने हरियाणा में चुंगी खत्म करने का जो वायदा किया था उसको ये पूरा नहीं करवा पाए।

परिवहन मंत्री (श्री कृष्ण पाल गुर्जर) : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। सर, मेरे साथी ने रूट परमिटों के बारे में कहा। कल भी मैंने इसी सदन में चौटाला साहब को इस बारे में बताया था और चौटाला साहब को मानना पड़ा था कि इनमें कोई भी अनियमितता, कोई भी गैर कानूनी काम नहीं किया गया। इन्होंने कहा कि हमने बस परमिटों का बंटवारा कर लिया। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा सरकार ने कोई भी परमिट नहीं दिया है बल्कि सारे बस परमिट राजस्थान सरकार ने दिए हैं और उनके बदले में हरियाणा रोडवेज की बसिज उनके इलाके में चलेंगी। चौधरी भजन लाल ने कांग्रेस के लोगों को कितने बस परमिट या दूसरे फायदे दिए हैं उनका भी रिकार्ड मेरे पास है अगर आप कहेंगे तो मैं इस बारे में सारे कांग्रेस कार्यकर्त्ताओं की लिस्ट सदन में बंटवा सकता हूं। साथ ही चौटाला की पार्टी के सम्बंधियों का भी इस बारे में रिकार्ड मेरे पास है उसको भी अगर आप कहें तो मैं माननीय सदस्यों को बंटवा सकता हूं। मेरे पास इस बारे में लिस्ट है। ये तो बेनामों से परमिट लेते हैं जबकि हमने कोई गुनाह नहीं किया। हमारे भाई और रिश्तेदार पहले से ही ट्रांसपोर्टर का काम करते हैं और उन्होंने हरियाणा सरकार से कोई बस परमिट नहीं लिए हैं। अगर हरियाणा सरकार ने उनको परमिट दिए होते तो बात थी। विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि इस सरकार ने भ्रष्टाचार को समाप्त किया है। ये भजनलाल की सरकार की बात कर रहे हैं जिसने हरियाणा की भूमि पर भ्रष्टाचार को पनपाया है। अध्यक्ष महोदय, हमने राजस्थान सरकार से परमिट लिए हैं और कानून के दायरे में लिए हैं। भजनलाल जी ने तो कौड़ियों के भाव हुडा के प्लाट्स अपने लोगों को दिए हैं जो कि हरियाणा की जनता की खूनपसीने की कमाई के थे। हम आपको बताएंगे कि कितने प्लाट्स उन्होंने दिए हैं।

श्री रणदीप सिंह सूर्जेवाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे निवेदन है कि * *

श्री अध्यक्ष : मेरी परमिशन के बगैर जो कुछ सुर्जेवाला जी कह रहे हैं उसे रिकार्ड न किया जाए।

श्री जय सिंह राणा : अध्यक्ष महोदय, मैं यह कह रहा था कि यह जो रूट परमिटों का बंटवारा हुआ है उसमें अगर चौधरी बंसी लाल जी के भाई, राम विलास जी के भाई, भाभी और परिवहन मन्त्री जी रूट परमिट ले सकते हैं तो बी0जे0पी0 के भाईयों को दबाव डालकर चुंगी माफी का काम भी करवाना चाहिए। क्योंकि यह वायदा इन्होंने अपने चुनाव घोषणा पत्र में किया था (विघ्न) जहां तक मंत्री जी ने प्लाट की बात कही है इस बारे में हाउस में मैं बड़े खुले तौर से कहता हूं कि यदि जय सिंह राणा के नाम चौधरी भजन लाल जी ने कोई प्लाट दे रखा है तो इंक्वायरी करवा लें और अगर मुझे कोई प्लाट दिया गया होगा तो मैं कृष्ण पाल गुर्जर जी को दे दूंगा।

गृह मन्त्री (श्री मनी राम गोदारा) : कैप्टन अजय सिंह ने मुझे कहा था कि भजन लाल ने उनको दो प्लाट दिए हैं।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैंने कभी यह बात नहीं कही (शोर एवं विघ्न) प्लाट लिए थे लेकिन हाई कोर्ट के आर्डर से कैंसिल हो गए।

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, आप बैठ जाइए। मेरी सत्तापक्ष के माननीय सदस्यों से प्रार्थना है कि वे यहां प्लाट और माइंज का कोई नाम न लें और जय सिंह राणा को बोलने दें।

श्री जय सिंह राणा : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने कहा है कि राजस्थान सरकार ने परमिट दिए हैं तो जब ये मन्त्री नहीं थे तब क्यों नहीं दिए, आज क्यों इन्हें राजस्थान सरकार परमिट दे रही है। यह मन्त्री पद का लाभ है। (शेम शेम)

वैयक्तिक स्पष्टीकरण

परिवहन मन्त्री द्वारा

श्री कृष्ण पाल गुर्जर : आन ए प्वायंट आफ पर्सनल ऐक्सप्लेनेशन सर, अभी जय सिंह राणा ने कहा कि जब ये मन्त्री नहीं थे तब परमिट क्यों नहीं मिला था तो मैं बताना चाहता हूं कि हरियाणा राज्य का समझौता 1968, 1971,

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

1975 और 1981 में हुआ। 1968 के बाद जितने समझौते हुए सभी गैर कानूनी हुए, कोई समझौता नोटीफाई नहीं हुआ। 1996 में जो समझौता हुआ है उस समझौते के तहत राजस्थान सरकार ने परमिट दिए हैं और एक नहीं सैकड़ों परमिट राजस्थान सरकार ने दिए हैं जिसने भी ऐप्लाई किया उसे मिला है। अभय चौटाला ने भी लिया है। सब ने राजस्थान से लिए हैं। (विघ्न) जो भी परमिट लिए हैं वे रिकार्ड में है। जैसे राणा साहब ने बेईमानी से लिये हैं और अभय सिंह चौटाला ने लिये हैं वैसे नहीं लिए।

श्री अध्यक्ष : मेरा ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर और दूसरे सत्ता पक्ष के माननीय सदस्यों से बार बार निवेदन है कि वे माईन्स और बस परमिट का नाम लेकर जयसिंह राणा जी को बोलने से रोकने की कोशिश न करें। (विघ्न)

श्री जयसिंह राणा : स्पीकर सर, मेरा इस बात से कोई मतलब नहीं है कि इन्होंने परमिट लिये हैं। मेरे कहने का मतलब तो यह है कि इन्होंने जो परमिट लिए हैं वे मुख्यमन्त्री जी पर दबाव डालकर लिए हैं तो फिर ये मुख्यमन्त्री जी पर दबाव डालकर चुंगी को भी समाप्त करवायें। मेरा परमिट वाली बात से कोई लेना देना नहीं है। (विघ्न)

श्री कृष्ण पाल गुर्जर : अभी तक फैसला नहीं हुआ है, दबाव डालकर भी हो सकता है।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्ष : गड़बड़ दोनों में हैं। राणा जी परमिट की बात छोड़कर आगे चलें।

श्री जय सिंह राणा : स्पीकर सर, किसानों के हित की बात से इस सदन में सत्ता पक्ष के सदस्यों ने और विपक्ष के सदस्यों ने दोनों ने की है। जब कोई भी सदस्य किसानों के हित की बात कहने के लिये खड़ा होता है तो सत्ता पक्ष के लोग उसे किसानों का ठेकेदार बताते हैं। इसमें ठेकेदारी की क्या बात है। लोगों ने हमें चुनकर भेजा है, किसान की बात, मजदूर की बात, व्यापारियों की बात, दुकानदार की बात और दलितों की बात को कोई भी सदस्य कह सकता है। जैसे आज कृषि की बात की जाती है। कृषि के क्षेत्र में दवाई और खाद के बिना फसल नहीं हो सकती है। कृषि मंत्री जी यहां बैठे हुए हैं, दवाई और खाद में बहुत डुप्लीकेसी हैं। जो नकली दवाई और खाद आज बिक रही है उससे किसानों का बड़ा भारी नुकसान हो रहा है। इस बात की तरफ सरकार का कोई ध्यान नहीं है इस बारे में कोई दुकानदार ही किसी दूसरे दुकानदार की शिकायत कर देता है परन्तु एग्रीकल्चर अधिकारी इस बात को देखने के लिये नहीं जाते, न ही कोई जांच करने के लिये जाता है क्योंकि आज डी० डी० ए०, कृषि इंस्पैक्टर, एस० डी० ओ० की बोलियां लगती हैं।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है । जयसिंह राणा जी तीसरी बार विधायक बन कर आये हैं। उन्हें हर बात को जिम्मेवारी से कहना चाहिये । कृषि के बारे में इन्होंने दवाई और खाद के बारे में जिक्र किया है । आज कृषि विभाग के हमारे अधिकारी सारे हरियाणा में जिला, ब्लाक व गांव स्तर पर जा जाकर चैकिंग करते हैं कि नकली दवाईयां या नकली खाद तो नहीं बिक रहा है और इस क्षेत्र में समय समय पर कारवाई भी करते हैं ? फिर इन्होंने कहा कि कमिश्नर के पदों को डायरैक्टर के पदों की, व अधिकारियों के पदों की बोलियां लगाई जाती हैं। ये यह कितनी गैर जिम्मेदाराना बात कह रहे हैं । आज चौधरी बंसी लाल जी के राज में चाहे कृषि विभाग हो या कोई और विभाग हो, अगर नियुक्तियों में या किसी और कार्य में बोलियां लगती हैं तो आप हमें बताएं ? ये कांग्रेस के शासन काल की ऐसी बातें हमारे ऊपर थोप रहे हैं। हमारे शासनकाल में ऐसे काम नहीं हुआ करते हैं।

श्री अध्यक्ष : मैं सदन को बताना चाहता हूं कि चौधरी धीरपाल जी मुझे मेरे चैम्बर में मिले और इन्होंने एक बहुत ही अच्छा सुझाव दिया कि हर विधायक को कम से कम दस मिनट बोलने का समय मिल जाना चाहिये ताकि वह अपने हल्के की बात कह सके । उनका यह सुझाव बहुत अच्छा है । मैंने भी उनको कहा कि बिल्कुल ठीक बात आपने कही है । जहां तक समय की बात है, 12 घंटे का समय निश्चित किया गया था और कहा गया था कि हर एम0 एल0 ए0 को 8 मिनट बोलने के लिये मिलेंगे । इस हिसाब से कांग्रेस पार्टी 130 मिनट से भी ज्यादा समय के लिये बोल चुकी है । अगर समय को देखा जाए तो कांग्रेस पार्टी का समय तो पूरा हो गया । फिर भी चाहे कांग्रेस पार्टी हो या कोई दूसरी पार्टी हो या आजाद विधायक हों, मेरी इच्छा यह है कि सभी को बोलने के लिये दस दस मिनट अवश्य मिल जाने चाहिएं । इस प्रकार से चौधरी भजन लाल जी सरकार की नीतियों पर पूरी तरह से खुलकर 71 मिनट बोले और श्री ओम प्रकाश चौटाला जी 115 मिनट बोले हैं । अगर आप इस कंट्रोवर्सी में पड़ेंगे तो I will have to withdraw my words फिर तो आपका समय पूरा हो गया है । अगर आपको अपनी कांस्टीच्युएंसी की बात कहनी है तो आपका स्वागत है । Otherwise time proposed and agreed to has come to an end.

श्री जय सिंह राणा : अध्यक्ष महोदय, मैं अपने हल्के की ही बात करूंगा । हम तो आपके आदेशों से इधर या उधर भी नहीं होते हैं । आपके आदेशों को पूरे तौर पर पालना की जाएगी । मैं अपने भाई कृषि मन्त्री श्री दलाल जी की कोई बुराई करने नहीं जा रहा हूं । इन्होंने अधिकारियों को डिफैंड करने की कोशिश की है । मेरा अनुरोध तो इनसे यह है कि जो बात मैंने कही है उस तरफ भी ध्यान दिया जाना चाहिए । स्पीकर सर, जहां तक कानून व्यवस्था और

भ्रष्टाचार की बात है, वह शायद आपको कड़वी भी लगेगी। लेकिन यह बात ध्यान से सुनने की है। अगर इनके पास कोई उसका समाधान हो तो कर दें अन्यथा उस बात को सुन तो लें। मैं बताना चाहता हूं कि अमीन गांव जिला कुरुक्षेत्र में पड़ता है और इसका थाना पिपली लगता है। यह दलितों पर हो रहे अत्याचार की बात है। माननीय गृहमन्त्री महोदय भी इस समय सदन में उपस्थित हैं। मैं इनको बताना चाहता हूं कि एक दलित महिला के साथ खेत के अन्दर एक व्यक्ति ने बलात्कार किया। (घंटी)

वाक-आउट

Shri Randeep Singh Surjewala : Speaker Sir * * * *

Mr. Speaker : Surjewala Sahib, this is not High Court. Please take your seat.

Shri Randeep Singh Surjewala : * * * * *

Mr. Speaker : You should not plead the case of others. Whatever Mr. Surjewala has said, that should not be recorded.

श्री जय सिंह राणा : अगर आप दलितों पर हो रहे अत्याचार की बात भी नहीं सुनना चाहते हैं तो हम एज ए प्रोटैस्ट सदन से वाक-आउट करते हैं।

(इस समय इंडियन नेशनल कांग्रेस पार्टी के सदन में उपस्थित सभी सदस्य सदन से वाक-आउट कर गए)

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री रिजाल सिंह (मुलाना, अनुसूचित जाति) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिये मैं आपका धन्यवाद करता हूं। हाउस में गवर्नर एड्रैस पर विस्तृत रूप से चर्चा हुई है और उसमें बहुत से मुद्दे आए हैं। चाहे वह बिजली का मुद्दा है या एग्रीकल्चर का मुद्दा है उन पर चर्चा हुई और आरोप-प्रत्यारोप एक दूसरे पर लगते रहे हैं। अब हाउस में दो प्रकार की पोजीशन है कि जैसे एक गिलास आधा पानी से भरा हुआ है और आधा खाली है सत्तिंग पार्टी वाले कहेंगे कि गिलास पूरा भरा हुआ नहीं है और अपोजीशन वाले कहेंगे कि गिलास आधा खाली है। बात दोनों की सच है लेकिन कोई मानने के लिये तैयार नहीं है कि गिलास आधा खाली है या आधा भरा हुआ है। इस तरह की पोजीशन हाउस में है। मैं ज्यादा डिटेल में न जाते हुए अपने हल्के मुलाना के बारे में 1—2 बातें करूंगा। गवर्नर एड्रैस में बताया गया है कि

**Not recorded as ordered by the Chair.

[श्री रिसाल सिंह]

बिजली का उदारीकरण या सुधारीकरण जो हो रहा है इसका बहुत लाभ होगा लेकिन मेरे हल्के में भी जैसा रामजी लाल ने बताया है, डिम लाईट रहती है। कल परसों मुझे किसी ने बताया था कि 33 के0वी0 के या 66 के0वी0 के सब-स्टेशन लगाने जा रहे हैं। मेरे हल्के मुलाना में एक सब-स्टेशन स्थापित करने के लिये उस की बुनियाद 4 साल पहले रखी गई थी लेकिन उसके बारे में गवर्नर एड्रैस में कहीं भी मैंनशन नहीं किया गया। आज प्रदेश में बिजली की मांग बढ़ रही है और सरकार की तरफ से कहा जा रहा है कि आने वाले समय में बहुत ज्यादा बिजली पैदा होगी। मेरे हल्के मुलाना, कुरुक्षेत्र अम्बाला और यमुनानगर का कहीं भी गवर्नर एड्रैस में मैंनशन नहीं है कि इन जिलों में अतिरिक्त बिजली दी जाएगी। इसके साथ ही एक अहम मुद्दा मेरे हल्के में यह है वहां सरकार की तरफ से डीप ट्यूबवैल लगाये हुए हैं वे सालों साल से चल रहे हैं। माईनर्ज के जरिए उनका पानी नहरों में डाला जाता है। मेरे हल्के में जो वाटर लैवल है वह 20 फुट से कम होते हुए 80 फुट तक पहुंच गया है। अध्यक्ष महोदय, आपने एक रिपोर्ट अखबारों में पढ़ी होगी वह बहुत सनसनीखेज रिपोर्ट है उस रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने यह कहा है कि 20 साल के बाद हरियाणा प्रदेश की सारी जमीन बंजर हो जाएगी और यहां की सारी पैदावार खत्म हो जाएगी। उसका कारण यह बताया है कि एक तरफ तो हरियाणा में डीप ट्यूबवैल्ज लगा कर पानी निकाला जा रहा है जिसके कारण वाटर लैवल नीचे जा रहा है और दूसरी तरफ हरियाणा को नहरों का 73 परसैंट पानी दक्षिणी हरियाणा को दिया जा रहा है जिसके कारण वहां की जमीन दलदल हो जाएगी और सारी जमीन वैरानी हो जाएगी। एक बात मैं यह कहना चाहूंगा कि इलैक्शन होने के बाद जिस पार्टी की सरकार बनती है वह यही कहती है कि दादुपुर नलवी नहर बनवा दी जाएगी। उस नहर को बनाने के बारे में मौजूदा सरकार के मैनीफैस्टो में भी कहा हुआ है। जब 1967 में भगवतदयाल शर्मा हरियाणा प्रदेश के चीफ मिनिस्टर थ उस समय उन्होंने कहा था कि दादूपुर नलवी नहर को बनाएंगे हर इलैक्शन में यह वायदा किया जाता है कि वह नहर बनाई जाएगी लेकिन उसका आज तक कहीं नामोनिशान नहीं है। मैं यह प्रार्थना करना चाहूंगा कि मौजूदा सरकार उस नहर को बनाने की तरफ ध्यान दे ताकि उस एरिया के किसानों की परेशानी दूर हो सके। हमारे एरिया का वाटर लैवल बहुत नीचे चला गया है यदि उस नहर को बनवा दिया जाता है तो वहां का वाटर लैवल ऊपर आ जाएगा। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि सरकार उसको टेकअप करे। इसके अलावा मैं कहना चाहूंगा कि मेरे हल्के में सड़कों की बहुत खस्ता हालत है। अध्यक्ष महोदय, मैं एक दिन नरवाना गया था तो मैंने देखा कि वहां की सड़कों की हालत मेरे क्षेत्र की सड़कों की हालत से बुरी है। अध्यक्ष महोदय, मैं एस0 सी0 एंड एस0 टी0 कमेटी का मैम्बर रहा हूं। उस कमेटी का मैम्बर होने के नाते मझे देखने में आया है कि हरियाणा के सभी विभागों में फोर्थ क्लास की पोस्ट से

ले कर बड़ी पोस्टों में एस0 सीज0 की रिजर्वेशन का कोटा पूरा नहीं है । रिजर्व कैटेगरी की जितनी पोस्टें खाली होती हैं उनको भरने की बजाय अगले साल के लिये कैरीफारवर्ड कर दिया जाता है जबकि उन पोस्टों को मियार के कंडीडेटस अवेलेबल होते हैं । चपरासी की पोस्ट के लिये क्या क्वालिफिकेशन की मियार होती है फिर भी रिजर्व कैटेगरी की चपरासी की पोस्टें खाली पड़ी हैं । यह मैं मानता हूं कि कुछ पोस्टें ऐसी हैं जिनके लिये स्पैशल क्वालिफिकेशन की जरूरत है जैसे एम0 बी0 बी0 एस0 के लिये हाई क्वालिफिकेशन चाहिए लेकिन क्लर्क स्टीनोटाईपिस्ट असिस्टैन्ट और चपरासी की पोस्टों के लिये स्पैशल क्वालिफिकेशन की जरूरत नहीं है फिर भी उनकी पोस्टों को नहीं भरा जाता है हर साल वे पोस्टें कैरीफारवर्ड होती रहती हैं । मैं निवेदन करूंगा कि नौजूदा सरकार इस ओर ध्यान दे । इसके अलावा मेरे हल्के में वाटर पोल्यूशन की खास समस्या है । हमारे इलाके काला अम्ब के अन्दर हिमाचल सरकार ने फैक्ट्रीज लगा रखी हैं उनका पानी बहुत ही प्रदूषित है। उन फैक्ट्रीज के प्रदूषित पानी के कारण मारकण्डा नदी से ले कर काला अम्ब से शाहबाद तक सारे आस पास के गांवों का पानी प्रदूषित हो गया है। मैं भाई राज कुमार सैनी जी के गांव छोटी रसोल गया था, मैंने वहां पर देखा कि उस गांव के नलकों का पानी काला था और वहां के ट्यूबवैल्ज से भी काला पानी निकलता है। उस पानी को यदि पशु पीते हैं तो वे बीमार हो जाते हैं। मेरी प्रार्थना है कि सरकार इस तरफ ध्यान दे और सरकार उसका कोई इलाज करें। वहां पर हिमाचल सरकार की फैक्ट्रीज हैं। उनका हिमाचल प्रदेश को बैनिफिट है तो उनके प्रदूषित पानी की बीमारी हमारे ऊपर क्यों डाली जाती है ? इसके अलावा रामजी लाल जी ने एक बात नील गायों के बारे में कही और चौधरी बीर पाल जी ने भी कही। मैं भी कहता हूं कि नील गायों की बहुत भारी समस्या है। राजस्थान सरकार ने नील गायों को मारने की इजाजत दे रखी है या उनको पकड़ने की इजाजत दे रखी है । वे नील गायें हमारी खेती को दिन रात तबाह करती हैं अगर उनको खेतों से निकाला जाता है तो वे मारने को आती हैं । नील गायों की बहुत ज्यादा बढ़ोत्री हो रही है । हमारा कल्चर ऐसा है कि उनको मारने की इजाजत नहीं दी जा सकती तो आप कम से कम जैसे आदमी की आबादी को कन्ट्रोल करने के लिये स्टर लाईजेशन कराया जाता है उसी तरह से उनका भी करा दिया जाए ताकि उनकी बढ़ौत्री न हो । एक बात मैं यह कहना चाहूंगा कि सरकार ने पे कमीशन की रिपोर्ट आने से पहले अखबारों में बहुत कुछ कहा गया कि पे कमीशन की रिपोर्ट जो सैन्टर की आयेगी उसको ज्यों का त्यों लागू कर देंगे । रिपोर्ट आ गई लागू कर दी गई। फिर वापस ले कर उसमें संशोधन कर दिया गया, फिर वापस ले ली गई। मेरे कहने का मतलब यह है कि आज इस रिपोर्ट से सारे कर्मचारी नाराज हैं । उनके वेतन उनकी सेवा को ध्यान में रखकर निर्धारित नहीं किए जा रहे । पहले पुलिस विभाग में 50 परसैन्ट पोस्टें प्रमोशन की रिजर्व होती थी, अब वे खत्म कर दी गई है। आज कांस्टेबल्ज की प्रमोशन करने की बजाय डायरेक्ट रिक्रूटमैंट

[श्री रिसाल सिंह]

करके पोस्टें भरी जा रही है । आज एक कांस्टेबल 20–20 और 25–25 साल तक कांस्टेबल ही बना रहता है उसको प्रमोशन का चांस नहीं मिल पाता । मैं समझता हूं कि यह हरिजनों के साथ बड़ा अन्याय है, इसे दूर किया जाना चाहिए । पिछली सरकार ने एच0 सी0 एस0 की स्पैशल रिक्रूटमैन्ट के तहत 20 पोस्टें भरी लेकिन उनमें रिजर्वेशन के हिसाब से कोई नहीं भरी । उसमें रिजर्व कैटेगरी का कोई कैन्डीडेट नहीं था । केवल एक कैन्डीडेट की उस वक्त के एक मन्त्री के रिश्तेदार होने के कारण उसमें उसकी सिलेक्शन हो पाई थी । अब भी सरकार 15 पोस्टें एच0 सी0 एस0 की भरने जा रही है लेकिन लगता है कि सरकार इस बार भी स्पैशल रिक्रूटमैन्ट में कोई रिजर्वेशन का कोटा फिक्स नहीं करना चाहती । मैं चाहता हूं कि डी0 आर0 ओ0 या तहसीलदार से जो एच0 सी0 एस0 में भर्ती किए जाते हैं उनमें रिजर्व कैटेगरी का कोटा अवश्य रखा जाना चाहिए । पिछले 15–20 साल से इन पोस्टों में से रिजर्व कैटेगरी का कोई कैन्डीडेट एच0 सी0 एस0 में भर्ती नहीं किया गया ।

श्री मनी राम गोदारा : अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने पुलिस भर्ती के मामले में हरिजनों को आयु में, पढ़ाई और छाती में विशेष छूट दी है जो कि किसी सरकार ने आज तक नहीं दी । (विघ्न)

श्री रिसाल सिंह मैं प्रमोशन में रिजर्वेशन देने की बात कर रहा हूं । मेरी सरकार से मांग है कि इनको इस तरफ ध्यान देना चाहिए । (विघ्न)

Mr. Speaker : He is speaking upto the mark. New and old members should learn from him. (Interruptions)

Shri Risal Singh : It should apply to each post and each grade separately as in the case of Central Government employees. But in Haryana no reservation is given. I would request you that it should be considered.

अध्यक्ष महोदय, मैं एक निवेदन और करना चाहता हूं कि पिछली सरकार के वक्त में प्रत्येक एम0 एल0 ए0 को अपने हल्के में विकास करने के लिये 50–50 लाख रुपये दिये जाते थे लेकिन इस सरकार ने वे बन्द कर दिये हैं । जिस कारण हम न तो कोई नाली या गली पक्की करवा सकते हैं और न ही कुछ और काम करवा सकते हैं । बाद में इस सरकार ने भी कहा कि हरेक एम0 एल0 ए0 अपने हल्के में 50–50 लाख रुपये का काम करवा सकेगा लेकिन आज 50 लाख रुपये के काम तो क्या 50 रुपये का भी कोई काम एम0 एल0 ए0 नहीं करवा सकता । (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने कभी भी यह नहीं कहा है कि एम0 एल0 एज0 को 50-50 लाख रुपये विकास कार्यों के लिए दिए जाएंगे । (विघ्न) यह फैसला पिछली सरकार ने किया था । हमारी सरकार तो वैसे ही करोड़ों रुपये के विकास कार्य प्रदेश में कर रही है इसलिए यह 50-50 लाख रुपये देने का मामला ही खत्म कर दिया था । (विघ्न एवं शोर)

श्री रिसाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, अभी दलाल साहब ने कहा है कि हमने ऐसा कोई फैसला नहीं किया है करोड़ों रुपये हमारी सरकार वैसे ही खर्च कर रही है, इस बारे में मैं कहना चाहूंगा कि देहात में कुछ ज्यादा काम नहीं हो रहे हैं । इसके अलावा मैं एक और बात कहना चाहूंगा वह यह है कि आज से करीब 3 साल पहले पंचायती राज का बहुत ढिंढोरा पीटा गया था कि पंचायती राज आपका अपना राज होगा, पंचायती राज में पंचों तक पॉवर पहुंचेगी और लोग अपने फैसले खुद कर सकेंगे और लोग अपनी तरक्की खुद कर सकेंगे लेकिन आज तीन साल गुजरने के बाद भी इस बारे में कुछ नहीं हुआ है । मैं खुद जिला परिषद का चेयरमैन रहा हूं । आज जिला परिषद को मात्र 55 हजार रुपये मिलते हैं । इस राशि को वह अपने गांवों में कहां-कहां इस्तेमाल कर सकती है । अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि जब इस प्रकार की संस्थाओं से लोगों को कोई लाभ नहीं है तो फिर इस प्रकार की संस्थाएं बनाने का क्या फायदा है ? यह केवल एक के ऊपर एक और बिठाने वाली बात है इसके अलावा कुछ नहीं है । जो चेयरमैन हैं उनको 3 हजार रुपये मिलते हैं और कुछ दूसरी सुविधाएं भी उनको मिल जाती हैं परन्तु उससे पब्लिक को क्या फायदा है ? मेरा सुझाव है कि जिला परिषदों को कुछ काम दिया जाए, उनको कुछ पॉवर दी जाए और उनको कुछ राइट दिए जाएं । कुछ समय पहले गोदारा साहब ने अपनी एक मीटिंग बुलाई थी तो हमें यह महसूस हुआ था कि हम अपने मन की बात वहां पर गोदारा साहब से कह सकेंगे क्योंकि वे समझदार आदमी हैं इसलिए इस बारे में सोच विचार करके कोई सही फैसला कर पाएंगे लेकिन वह मीटिंग भी कैंसिल हो गई थी । मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि इस बारे में कोई प्रभावी कार्यवाही की जाए । स्पीकर सर, इसके साथ ही मैं अपने हल्के के बराड़ा कस्बे की ओर भी सरकार का ध्यान दिलाना चाहूंगा । यह कस्बा 30 हजार की आबादी वाला है और वर्ष 1972 में वहां पर एक डिस्पैंसरी बनी थी जिसमें दो डॉक्टर्ज तो जरूर हैं लेकिन उस डिस्पैंसरी के लिए कोई बिल्डिंग नहीं है और वह डिसपैंसरी एक धर्मशाला के दो कमरों में चल रही है । (घण्टी) 30 हजार की अबादी वाला कस्बा होते हुए भी वहां पर डिसपैंसरी की बिल्डिंग नहीं है । तीन साल पहले वहां पर डिसपैंसरी की बिल्डिंग के लिए नींव पत्थर रखा गया था । (विघ्न) वहां पर फाउंडेशन स्टोन रखे हुए तीन साल हो गए हैं लेकिन अभी तक वहां पर कोई काम नहीं हुआ है । (घण्टी) इसी प्रकार से बराड़ा में सब्जी मण्डी का भी मामला है । उसका नींव पत्थर रखा गया था लेकिन कोई काम उस पर भी नहीं हुआ है । सब्जी मण्डी बाजार में लगती है वहां पर बहुत भीड़ रहती है और लांघने

[श्री रिसाल सिंह]

तक को जगह नहीं मिलती है और लोग तंग होते रहते हैं। गर्मी के दिनों में किसान वहां पर सारा दिन धूप तपते हैं क्योंकि वहां पर एक भी शैड नहीं लगा है, मैं एग्री-कल्चर मिनिस्टर से कहूंगा कि वे इस ओर ध्यान दें। इन शब्दों के साथ मैं आपका आभार व्यक्त करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूं। धन्यवाद।

श्री सूरज मल (राई) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, कल से यहां पर जो-जो बातें हो रही हैं, मैं उनको सुन रहा हूं। सत्ता पक्ष के मंत्री कह रहे हैं कि हर हल्के में सड़कों का काम पूरा हो रहा है, लोगों को बिजली ठीक मिल रही है और शराब बंदी हो गई है। इस बारे में सत्ता-पक्ष के सदस्य गारन्टी दे रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं ज्यादा बहस में नहीं पड़ना चाहता हूं लेकिन मैं इनको आपके माध्यम से यह बताना चाहता हूं कि मेरे हल्के में न तो सड़कों की रिपेयर हुई है और न ही वहां पर कोई सड़क बनी है। कहीं पर कोई काम नहीं हुआ है। हां, एक बात जरूर है कि वहां जो रेत की खानें हैं, वहां पर बदमाश बन्दूकें लेकर खड़े हुए हैं और वहां पर शराब की पेटियां हैं। अगर आपको विश्वास नहीं है तो आप मेरे हल्के राई में आइए, मैं आपको यह सब दिखा दूंगा। अध्यक्ष महोदय, कर्ण सिंह जी कह रहे थे कि एक, एक हल्के में एक-एक करोड़ का काम किया है। मैं इनसे यह कहना चाहूंगा कि आप वहां पर आकर मुझे 50 हजार रुपए का काम हुआ हो तो बता दें। ये सत्ता पक्ष में हैं ये कह सकते हैं अगर ये गांव की पंचायत में हों तो ये कुछ बोल ही नहीं सकते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं बिल्कुल सच्ची बात कहता हूं।

श्री अत्तर सिंह सैनी : अध्यक्ष महोदय, जो माननीय मंत्री जी ने एक-एक हल्के में एक-एक करोड़ रुपए की बात कही है उस बारे में मैं कहना चाहता हूं कि इनके जितने भी पार्टी के मैम्बर यहां पर हैं उनसे ज्यादा पैसा हमने मेहम ड्रेन पर खर्च किया हुआ है। मेहम ड्रेन पर लगभग 27 करोड़ रुपया खर्च किया है।

श्री सूरजमल : अध्यक्ष महोदय, मैं इनसे यह कहना चाहता हूं कि मैं एक हल्के की बात नहीं कर रहा हूं। मेरे हल्के राई में ये चलें और वहां पर दिखाएं कि आपने वहां पर कितना पैसा खर्च किया है। अगर वहां पर ये एक करोड़ रुपए का काम हुआ दिखा देंगे तो मैं यहां पर दोबारा कभी नहीं आऊंगा।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सूरजमल जी को यह बताना चाहूंगा कि इनके हल्के में हम करोड़ों रुपए की होर्टिकल्चर की मंडी बना रहे हैं। इसके साथ ही कुंडली में एच0 एस0 आई0 डी0-सी0 की एक बहुत बड़ी सम्पदा बनाने जा रहे हैं।

श्री सूरजमल : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी को इतनी असत्य बात नहीं कहनी चाहिए। वहां पर आज तक कोई काम नहीं हुआ है। वहां पर न तो कोई मंडी है और न ही उसका कोई काम हुआ है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, हमने वहां पर हॉर्टिकल्चर का काम शुरू कर दिया है और कुंडली में हम हजारों रुपए की सम्पदा बनाने जा रहे हैं।

Mr. Speaker : I would request the Agriculture Minister to tell to Chaudhry Suraj Mal, as to how much amount has been spent on these two projects and since when they have been spending this amount ?

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं जो बता रहा हूं उसको ये मानने के लिए तैयार ही नहीं हैं। (विघ्न)

श्री सूरजमल : अध्यक्ष महोदय, दलाल साहब, मेरे गांव मुरथल में गए थे और इन्होंने वहां पर लोगों को विश्वास दिलाया था कि मार्केटिंग कमेटी की जितनी भी सड़कें हैं मैं उनको बनवा दूंगा और आप इनके ऐस्टीमेट्स बनवाकर भिजवा दो। हमने तो ऐस्टीमेट्स बनवाकर भिजवा दिए, लेकिन क्या आज तक भी वहां कोई पैसा लगा है ? अध्यक्ष महोदय, ये बता दें कि वहां पर क्या कोई पैसा लगा है ? वहां पर लाख दो लाख का भी कोई काम हुआ है क्या ?

श्री सतविन्द्र सिंह राणा (राजौंद) : अध्यक्ष महोदय, आपका धन्यवाद कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। अध्यक्ष महोदय, मुझसे पहले कई सदस्यों ने यहां पर बड़े विस्तार से अपनी बातें रखीं। यहां पर बिजली की बातें भी हुईं। बिजली के बारे में काफी कुछ कहा गया। 1996 में इस सरकार के बनने से पहले जो लुभावने नारे दिए गए थे कि हम लोगों को 24 घंटे बिजली देंगे और 24 घंटे के अंदर-अंदर कनैक्शन देंगे और पता नहीं कैसे कैसे नारे इन्होंने उस समय दिये थे। अध्यक्ष महोदय, आज इस प्रदेश में और खासतौर से मेरे हल्के में यह स्थिति है कि बीस-बीस घंटे बिजली गुल रहती है जबकि ये बिजली के सुधारीकरण की बात कर रहे हैं। इस बारे में ये बिल भी पहले यहां पर लाए थे लेकिन जिस तरह से इन्होंने वह बिल पास करवाया उसके बारे में सभी सदस्य जानते हैं। अपोजीशन के सदस्यों को बाहर निकलवाकर इन्होंने वह बिल पास करवाया था। आज हमने बिजली के सुधारीकरण की बात राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में भी पढ़ी है। इसमें 2400 करोड़ रुपये विश्व बैंक से लोन मिलने की बात कही गयी है लेकिन आज पता लगा कि यह फिगर 2400 करोड़ रुपये की बजाय 240 करोड़ रुपये है। इससे प्रदर्शित होता है कि इस सरकार ने जो बिजली के मामले में पहले लुभावने नारे लगाए थे, उनके बारे में अब यह सरकार फेल हुई है। इसी तरह से इरीगेशन की बात है। इरीगेशन के एम0 आई0 टी0 सी0 के खाले पक्के करवाने की बात थी, वह भी इन्होंने रद्द कर दी है और नाबार्ड का पैसा भी ज्यादातर भिवानी जिले में लगाया है और दूसरे हल्कों से ये भेदभाव कर रहे हैं। लोग इस सरकार से यह आशा लगाए बैठे थे कि यह सरकार कुछ काम करेगी क्योंकि बंसीलाल जी ने कभी कांग्रेस के राज में काफी काम किया था।

श्री अतर सिंह सैनी : अध्यक्ष महोदय, माननीय सभी कह रहे हैं कि नाबार्ड का पैसा केवल भिवानी जिले में ही लगाया जा रहा है लेकिन मैं इनको बताना चाहूंगा कि भिवानी का इनको फोबिया हो गया है । नाबार्ड का पैसा सारे हरियाणा में लगा है। डब्ल्यू0 जे0 सी0 के 33 माईनरों पर नये सिरे से काम शुरु किया गया है और यह माईनर्ज सारे हरियाणा में हैं ।

श्री सतबिन्द्र सिंह राणा : स्पीकर साहब, मंत्री जी यह भी बता दें कि भिवानी जिले में कितना पैसा लगा है ।

श्री अतर सिंह सैनी : बता देंगे ।

श्री सतबिन्द्र सिंह राणा : अभी बता दो । अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से कृषि की बात है आज सारे प्रदेश में किसान त्राहि-2 कर रहे हैं क्योंकि आज किसानों के ऊपर बहुत अत्याचार हो रहे हैं । चाहे आज किसानों के ऊपर परमात्मा की वजह से ओले पड़े हों और चाहे ट्रांसफार्मर बदलवाने के लिए या बिजली की मांग करने पर उन पर गोलियां चली हों और चाहे मेरे जिले में खासतौर पर मेरे हल्के में उन किसानों के ऊपर यह कहकर कि उन्होंने बिजली भी चोरी की है, उनके ऊपर हर्जाना लगाया और उन्होंने भर दिया और हर्जाना भरने के बाद भी उन पर केस बने ।

मुख्य मन्त्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, एक आदमी चोरी कर ले और चोरी का माल बरामद हो जाए तो क्या उस पर मुकदमा करके सजा नहीं होगी ?

श्री सतबिन्द्र सिंह राणा : एक किसान जो अपनी मोटर को गेहूं निकालने के लिए लगा लेता है उसका कसूर सिर्फ यह है कि उसके लिए दखास्त देनी पड़ती है जिसका उन्हें पता नहीं है । इस बारे में आप उन्हें जानकारी दें ।

श्री बंसी लाल : तो क्या यह कानून उन्हें बताने के लिए हम जाएंगे । आप अपने हल्के में लोगों को पढ़ाओ कि यह कानून है ।

श्री अध्यक्ष : राणा जी, आप स्वयं ऐडवोकेट हैं आप उन्हें इस बारे में बताएं ।

श्री सतबिन्द्र सिंह राणा : अध्यक्ष महोदय, या तो उन्हें यह कहें कि आपका मुकदमा वापस नहीं लिया जाएगा । डबल मार तो नहीं होनी चाहिए ।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, आई0 पी0 सी0 के हर सैक्शन में यह है कि इतने दिन की सजा या इतना जुर्माना हो सकता है यह तो एक ही चीज है इसको डबल कौन कहेगा ।

श्री सतबिन्द्र सिंह राणा : स्पीकर साहब मेरे राजौंद एरिया के आसपास के जो गांव हैं वह पैडी का एरिया है और वहां पर ओलों व बारिश की वजह से किसान

की गेहूं की फसल की बिजाई नहीं हो पाई । मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से निवेदन करूंगा कि उन किसानों को 5 हजार रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा दिया जाए । मेरा हल्का राजौंद जो काफी बड़ा कस्बा भी है वहां पर आज तक पैडी खरीदने का कोई प्रावधान नहीं है लोगों को वहां से 30 किलो मीटर दूर कैथल जाकर अपनी जीरी बेचनी पड़ती है । मैं मुख्यमंत्री जी से यह भी निवेदन करूंगा कि वहां पर ऐसा कोई तरीका बनाएं या मंडी बनाएं ताकि वह पैडी वहीं बेची जा सके और किसान को परेशानी न हो । इसके बाद पंचायत डिवैल्पमैंट की जो बात है अभी माननीय मुख्यमंत्री जी कैथल गए थे और हमारे ब्लॉक राजौंद में जो बी0 डी0 ओ0 हैं उसने उन सरपंचों को पैसा दिया, उन आदमियों को पैसा दिया । (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : आप कौन से गांव के लिए मंडी का जिक्र कर रहे हैं क्या वहां मंडी नहीं है ?

श्री सतबिन्द्र सिंह राणा : मैं राजौंद का जिक्र कर रहा हूं और वहां मंडी नहीं है ।

खाद्य तथा पूर्ति मन्त्री (श्री गणेशी लाल) : अध्यक्ष महोदय, हमारी इन्फर्मेशन के मुताबिक हरियाणा में किसी भी किसान को अपनी फसल बेचने के लिए दस किलो-मीटर से ज्यादा दूरी पर नहीं जाना पड़ता है । आपके यहां अगर ऐसा है तो आप मुझे पर्टिकुलर प्लेस बता दीजिए ।

श्री सतबिन्द्र सिंह राणा : मैं तो बता रहा हूं राजौंद में मंडी नहीं है और वहां से कैथल 30 किलोमीटर की दूरी पर है । किसानों को बड़ी परेशानी होती है । (घंटी) माननीय मंत्री जी ने बताया कि हम हर हल्के में 1-1 करोड़ रुपया पंचायतों के विकास के लिए लगा रहे हैं मैं इन्हीं से पूछना चाहता हूं कि राजौंद ब्लॉक के अंदर कुछ पैसा अमी सैन्टर गवर्नमैंट से आया और वह पैसा मुख्यमंत्री जी की नीलेज में भी है । मैंने इस बारे में मंत्री जी से शिकायत भी की थी कि वहां पर ऑफिसर्ज की मिलीभगत से उनकी सांठ-गांठ से उन सरपंचों और पंचायतों को पैसे दिये जिनके साथ उन ऑफिसर्ज की सांठ-गांठ थी । उनमें पांच-सात गांव तो ऐसे हैं जिनमें सत्ता पक्ष की पार्टी के सरपंच हैं उनको भी पैसे नहीं दिये गये ? जहां बी0 डी0 ओ0 का जिस ब्लाक में लेना-देना था वहीं पर पैसे दिये गये । जहां तक सड़कों की बात है । (घण्टी)

श्री अध्यक्ष : आप कंक्लूड करें । आपका समय समाप्त हो गया है ।

श्री सतबिन्द्र सिंह राणा : सड़कों का इतना बुरा हाल है । इस बारे में मैंने कई बार प्रशासन को लिखा भी, पी0 डब्ल्यू0 डी0 को भी लिखा । वे कह देते हैं कि इतने दिन में काम शुरु हो जायेगा लेकिन होता कुछ नहीं है । जहां तक रोजगार

[श्री सतविन्द्र सिंह राणा]

की बात है । जो भी सरकार आती है वह एक ही बात का नारा हमारे नौजवानों को देती है कि अगर हम सत्ता में आये तो सब नौजवानों को विश्वास दिलाते हैं कि उनको नौकरियां देंगे । इसी तरह से 1996 में हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने भी यही नारा नौजवानों को दिया था कि उनको गैस एजैंसी, पैट्रोल पम्प और बस के परमिट दिए जायेंगे । (घण्टी) * * * * * * *

श्री अध्यक्ष : आपका समय समाप्त हो गया है ।

श्री सतविन्द्र सिंह राणा : मुझे बड़ा अफसोस है कि मैं कई देर से सुन रहा हूं कि * * * * * * *

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, इस परमिट वाली बात को कार्यवाही से निकाल दिया जाय । हमने किसी को कोई परमिट नहीं दिये । ये तो वैसे ही कहानी घड़ रहे हैं ।

श्री अध्यक्ष : सतविन्द्र राणा जी ने जो परमिट के बारे बात कही है वह कार्यवाही से निकाल दी जाये । मनीराम जी आप बोलिये ।

श्री मनी राम (डबवाली, अनुसूचित जाति) : स्पीकर सर, आज जो यह गवर्नर ऐड्रैस पर बहस हो रही है उसमें सत्ता पक्ष की उपलब्धियों के बारे में विस्तार से वर्णन किया गया है । राज्यपाल महोदय ने जो गवर्नर ऐड्रैस सदन के सामने पढ़कर सुनाया वह गवर्नर साहब की मजबूरी थी । चौधरी बंसी लाल जी तीन-चार बार मुख्यमंत्री बन चुके हैं सैद्धान्तिक आदमी हैं । उनमें नैतिकता भी है । जो काम ये नहीं कर सकते थे उनके बारे में भी बड़े लम्बे-चौड़े वायदे करते आये हैं । जो काम भारत सरकार कर सकती है उसके बारे में भी इन्होंने लोगों के सामने वायदे किये हैं ।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, इनके असली लीडर तो भजन लाल जी हैं । कांग्रेस पार्टी और स0 ज0 पा0 दोनों के लीडर वे ही हैं और वे ही इनको सिखाकर गये हैं । चौटाला साहब तो इनके सब-लीडर हैं । भजन लाल जी इनको यही बात सिखाकर गये हैं कि एक ही बात की रट लगाते रहो कि वायदे पूरे नहीं हुये । ये बस अब भागने वाले ही हैं । जब मैं कल पूरे किये गये वायदों के बारे में गिनाने लगूंगा तो ये यहां पर बैठे नहीं रहेंगे बल्कि वाक आउट करके जायेंगे । मैं अगर 16.00 बजे एक-एक वायदा गिनवाने लग जाऊंगा तो आपको पता लगेगा ।

श्री मनी राम : अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी ने सारी जिंदगी में कोई सीधा काम नहीं किया है । मैं इनसे आपके माध्यम से पूछना चाहता हूं कि जब ये 1986 में प्रदेश के मुख्यमंत्री थे तब ये प्रदेश के सरपंचों व पंचों को बहला-फुसला

*चेयर के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाल दिया गया ।

कर के ले गए थे कि चलो तुम्हें एस0 वाई0 एल0 नहर दिखाऊंगा, हलुवा खिलाऊंगा। (हंसी)

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, एस0 वाई0 एल0 नहर का कार्य 95 प्रतिशत मैंने करवाया था जिसको चौधरी देवी लाल ने आकर के बंद कर दिया था।

श्री अध्यक्ष : श्री मनी राम जी, क्या आप भी वहां पर नहर देखने के लिए गए थे ?

श्री मनी राम : मैं वहां पर क्यों जाता ? (हंसी) अध्यक्ष महोदय, मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि नहर हैड से बननी चाहिए थी या टेल से ? लेकिन इन्होंने ऐसे कांटे बो दिए हैं कि आने वाली सारी पीढ़ियां इसका खामियाजा भुगतेंगी जिसका कोई हल नहीं हो सकेगा।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, कांटे बोने का काम हमारा नहीं है, यह तो चौधरी देवी लाल व श्री ओम प्रकाश चौटाला का काम है।

श्री मनी राम : चौधरी देवी लाल जी की वजह से ही आप आज यहां पर विराजमान हैं।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं तो चौधरी देवी लाल की मुखालफत में यहां पर उनकी छाती पर बैठा हूं। यहां मैं उनकी मेहरबानी से नहीं बैठा हूं। मैं सदन को बताना चाहता हूं कि चौधरी देवी लाल जी तो मुझसे नौकरी मांग कर ले गए थे। उन्होंने मुझ से खादी ग्रामोद्योग बोर्ड का चेयरमैन पद लिया था। यह रिकार्ड की बात है।

श्री मनी राम : अध्यक्ष महोदय, चौधरी देवी लाल जी ने खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के चेयरमैन पद को ठोकर मारी थी। (शोर)

श्री अध्यक्ष। मनी राम जी, जिस प्रकार से चौधरी रिसाल सिंह जी बोले हैं और किसी ने भी उनको बीच में नहीं टोका। इसी प्रकार से आप भी अपने हल्के के बारे में ही बोलिए। (शोर)

श्री मनी राम : अध्यक्ष महोदय, पैट्रोल पम्पस व गैस एजैंसियां देने का वायदा भी किया गया था। जो चीज इनके अधिकार क्षेत्र में न होकर भारत सरकार के अधिकार क्षेत्र में हो, उसके लिए ये वायदा करें तो बात जंचती नहीं है। इन्होंने एस0 वाई0 एल0 नहर के बारे में कहा था कि उसको दो महीने के अंदर मुकम्मल करवा दूंगा। भीमगोडा के बारे में भी कहा था। हम तो वहां पर कभी गए नहीं। गंगा के पानी के बारे में भी कहा था कि उसका पानी हरियाणा में ला दूंगा। यह भी कहा था कि कन्याकुमारी से बिजली ला दूंगा। (हंसी) अध्यक्ष महोदय, अब ये

[श्री मनी राम]

बिजली का निजी-करण करने जा रहे हैं । इसके लिए वर्तमान सरकार के ही वजीर ने मुखालफत की थी । पता नहीं, आज उनमें इस मुद्दे पर चुप रहने की हिम्मत कहां से आ गई है ? शायद उनकी मशीन ही बदल दी गई है । (शोर)

श्री मनी राम गोदारा अध्यक्ष महोदय, जब राजस्थान से चौधरी देवी लाल जी मुख्यमंत्री बन सकते हैं तो कन्याकुमारी से बिजली क्यों नहीं आ सकती है ? (हंसी)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं प्वाएंट आफ आर्डर पर बोलना चाहता हूं । श्री मनी राम जी को बहुत जिम्मेवारी से सदन में बोलना चाहिए । सरकार 5 वर्ष के लिए बनाई जाती है और अभी तो हमारी सरकार को बने हुए केवल 18 महीने ही हुए हैं । इनके समय में क्या होता था कि चौधरी देवी लाल चुनाव लड़ने के लिए राजस्थान चले गए और वहां पर जाकर के कहा कि हम ने हरियाणा में बुजुर्गों के लिए 500 रुपए पैंशन कर दी है । चूंकि राजस्थान में ऊंट बहुत थे, इसलिए उन्होंने कहा कि मैं ऊंटों के लिए भी सौ-सौ रुपए पैंशन कर दूंगा । इस प्रकार के काम तो इनकी पार्टी के हैं ।

श्री मनी राम : अध्यक्ष महोदय, कल का तो छोकरा है । अगर कुछ कह दूंगा तो कहेंगे कि ऐसी बात कह दी है । (हंसी) स्पीकर साहब, चौधरी देवी लाल जी ऐसे पहले व्यक्ति हैं जिन्होंने बुढ़ापा पैंशन दी और किसानों को उनकी फसल खराब होने का मुआवजा दिया ।

श्री बंसी लाल : बुढ़ापा पैंशन सबसे पहले मैंने 1969 में 50 रुपये महीना दी थी ।

श्री मनी राम : स्पीकर साहब, चौधरी बंसी लाल जी की यह बड्डिंग थी । आप चाहे उसका रिकार्ड निकलवा कर देख लें । इन्होंने कहा था कि चौधरी देवी लाल बुढ़ापा पैंशन कैसे दे देंगे और वे किसानों का कर्जा माफ कैसे कर देंगे लेकिन चौधरी देवी लाल बोले कि भाई मैं लिख दूंगा कर्जा माफ और नीचे दस्तखत कर दूंगा देवीलाल। मैं कहता हूं कि अगली सरकार हमारी बन गई तो किसानों को पानी-बिजली मुफ्त नीचे दस्तखत होंगे ओम प्रकाश चौटाला । आप देखते रह जाएंगे । स्पीकर साहब, चौधरी बंसी लाल सारे उल्टे काम करते हैं । चौधरी बंसी लाल बजुर्ग आदमी हैं हम इनकी इज्जत करते हैं लेकिन बंसी लाल जी उल्टे काम करने की ऐसी-ऐसी एग्जैम्पल कायम कर देते हैं जिसकी कहीं भी मिसाल नहीं मिलती । मैं आपको बताना चाहूंगा कि आप बल्ड में कहीं पर जाकर देख लें और हमारे भारतवर्ष में कहीं पर जाकर देख लें जो विपक्ष का नेता होता है उसको सरकारी गाड़ी मिलती है लेकिन इस सरकार ने हमारे विपक्ष के नेता श्री ओम प्रकाश चौटाला की गाड़ी खोस ली है । यह बात नहीं है कि आपने उनसे सरकारी गाड़ी खोस ली

तो चौटाला साहब अपने घर में बैठ जाएंगे । प्रदेश के लोगों ने उनको हजारों गाड़ियां दी हैं । उनको जो सरकारी गाड़ी दी हुई थी क्या वह ज्यादा चलती थी । स्पीकर साहब, चौटाला साहब को इस सरकार में बैठे लोगों की जांच पड़ताल करनी पड़ती है कि वह क्या-क्या काम कर रहे हैं इसलिए वह गाड़ी ज्यादा चलेगी । इस सरकार ने उनसे सरकारी गाड़ी खींचने का गलत काम किया है । (घंटी) स्पीकर साहब, मुझे दो मिनट का समय और दे दें ।

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, इनके पास इनके अपने हल्के के बारे में कोई सुझाव हो तो वह हमें बताएं । ये सवेरे से वैसे ही फिजूल की बातों में लगे हुए हैं । (शोर)

श्री अध्यक्ष : चौधरी मनीराम जी आप बैठिए । अब आपका समय हो गया है । (शोर)

श्री भागी राम (एलनाबाद, अनुसूचित जाति) : स्पीकर साहब, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद । आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया ।

श्री अध्यक्ष : भागी राम जी, चौधरी धीरपाल के सामने यह फैसला हुआ था कि आपको बोलने के लिए 10 मिनट का समय दिया जाएगा इसलिए आप 10 मिनट बोल लें ।

श्री भागी राम : ठीक है जी । अध्यक्ष महोदय, इस हाउस में राज्यपाल महोदय ने अभिभाषण दिया । उनके हाथ में हरियाणा सरकार के अधिकारियों द्वारा लिखी हुई एक किताब दे दी गई और राज्यपाल महोदय को वह किताब पढ़ने के लिए मजबूर किया गया । अध्यक्ष महोदय, इस अभिभाषण के जरिए हरियाणा सरकार की उपलब्धियों का जिक्र किया गया है । हरियाणा में चौधरी बंसी लाल की सरकार बनने के बाद पिछले सैशन से आज तक जो डिवैल्पमैंट के काम किए गए हैं, उनको दर्शाया गया है । अध्यक्ष महोदय, जहां तक बिजली की बात है मेरे से पूर्व हमारी पार्टी के नेता ओम प्रकाश चौटाला, धीरपाल और बहुत से दूसरे साथियों ने तफसील से चर्चा की है । आज हरियाणा का हर वर्ग चाहे वह किसान है, मजदूर है, माली है चाहे कर्मचारी है बिजली की बात को लेकर बहुत दुखी है । नाजायज बिलों की बहुत ज्यादा भरमार है । खर्च इतना कम होते हुए भी बिल बहुत ज्यादा आ रहे हैं । अध्यक्ष महोदय, शायद मुख्य मंत्री जी ने यह कहा था कि यदि कोई आदमी बिजली की चोरी करेगा तो उस पर केस बनेगा । इस बारे में मैं कहना चाहता हूं कि बिजली बोर्ड वाले लोगों से जा कर कहते हैं कि आपके बिजली के मीटर का शीशा टूटा हुआ है आपने इस पर यहां पेचकस लगा रखा है और आपने इसके ऊपर तार लगाई हुई इसलिए आपके ऊपर दो हजार रुपये जुर्माना किया जाता है । अगर आप जुर्माना नहीं भरोगे तो आपके खिलाफ केस रजिस्टर कराया जाएगा । अध्यक्ष महोदय, बिजली बोर्ड वालों ने जिन लोगों पर जुर्माना लगाया था उनको जुर्माना भरे हुए

[श्री भागी राम]

दो-दो और तीन-तीन महीने हो गए फिर भी उनके खिलाफ केस रजिस्टर किए गए हैं। मुख्य मंत्री जी इस बात की इन्कवायरी कराएं। उन लोगों ने कोर्ट में जा कर अपनी जमानतें कराई हैं। सिरसा जिले में एक ममेरा गांव है उस गांव के एक आदमी की चक्की के बिजली का बिल 93 हजार रुपये आया है। वह चक्की का मालिक सरकार को दुहाई देता है कि आप मेरी चक्की ले लो, जगह ले लो और मेरा पीछा छोड़ो। अध्यक्ष महोदय, आप भी शायद अन्दर से इस बात को सही मान रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, आज प्रदेश में जो बिजली की हालत है वह आपसे छिपी हुई नहीं है। बिजली के मामले में सारे प्रदेश के लोग परेशान हैं। अध्यक्ष महोदय, अब मैं कृषि के बारे में अपने विचार प्रकट करना चाहूंगा। वैसे तो सारे हरियाणा प्रदेश की हालत कुछ एरियाज को छोड़ कर बहुत खराब है। हरियाणा प्रदेश के कुछ एरिया को छोड़ कर कहीं पर भी गेहूं की बिजाई नहीं हुई है चाहे वह अधिक बरसात की वजह से नहीं हुई, चाहे वह खेतों में पानी खड़ा रहने के कारण नहीं हुई और चाहे उसको पानी न मिलने के कारण बिजाई नहीं हुई। इसके अलावा सिरसा जिले के 15-20 गांव ऐसे हैं जिनमें सेम आ गई है। एलनाबाद हल्के में धोबला और धोलवालिया गांवों के लोग गांव छोड़ने के लिए मजबूर हो गए हैं। उन गांवों के जो बड़े-बड़े जमींदार हैं वे गांव छोड़ने के लिए मजबूर हो गए हैं यदि उन गांवों के बड़े-बड़े जमींदार गांव छोड़ने के लिए मजबूर हो गए हैं तो फिर बेचारे गरीब हरिजनों की क्या हालत हो रही होगी यह आप समझते होंगे? अध्यक्ष महोदय, जब से यहां सरकार बनी है तब से ले कर आज तक जैसे चौधरी मनी राम जी ने कहा था, जितने काम किए हैं वे सारे उल्टे काम किये हैं। अगर मैं उन उल्टे कामों के बारे में कुछ कहूंगा तो फिर आप घंटी बजा देंगे और कह देंगे कि आप बैठ जाएं आपका टाईम हो गया। अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार के समय और इस सरकार के बनने के बाद मेरे हल्के में जो जो काम शुरु किए गए उनके बारे में मैं आपको बताना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, 1989 में एलनाबाद के अन्दर एक 132 के0 वी0 सब-स्टेशन स्थापित करने के लिए आधारशिला रखी गई थी लेकिन आज तक उस पर कोई पैसा खर्च नहीं किया गया है। मुझे पता लगा है कि सरकार उसे कैंसिल करने जा रही है। एक दिन मेरी बिजली बोर्ड के चेयरमैन के साथ बात हुई थी तो उन्होंने मुझ से कहा था कि उस सब स्टेशन के लिए वह जगह सूटेबल नहीं है इसलिए उसको कैंसिल करेंगे। अध्यक्ष महोदय, वहां पर बिजली का सब-स्टेशन स्थापित करने के लिए पत्थर रखा गया अब उसको कैंसिल करने जा रहे हैं।

श्री अध्यक्ष : उसके लिए पत्थर कौन से साल में रखा गया था।

श्री भागी राम : अध्यक्ष महोदय, उस समय हमारी सरकार थी उसने वहां पर 132 के0 वी0 का सब-स्टेशन स्थापित करने के लिए मंजूरी दी थी, उसके बाद चौधरी

भजन लाल जी पांच साल तक मुख्य मंत्री रहे, वे पत्थर हो गए, उसके बाद आप आए, आप भी उन्हीं की तरह पत्थर हो जाओगे । अध्यक्ष महोदय, एलनाबाद पी0 डब्ल्यू0 डी0 रैस्ट हाउस का काम शुरु हो गया था, उसकी चार दीवारी बन चुकी थी, टैंडर काल हो चुके थे । हमारी सरकार के समय में जहां पर उसका काम छोड़ा गया था आज सात साल हो गए, इन सात सालों में उसका काम वहीं पर रुका हुआ है । उसकी सात साल पहले जो हालत थी उसी हालत में पड़ा है । अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से ऐलनाबाद में सीवरेज का काम शुरु किया गया था, वह भी रोक दिया गया ।

श्री कर्ण सिंह दलाल : भागी राम जी आप बताएंगे कि यह पी0 डब्ल्यू0 डी0 रैस्ट हाउस बनाने की शुरुआत 5 साल पहले हुई थी तो पिछले 5 सालों में आपके चचेरे भाईयों का राज रहा, उस वक्त यह काम क्यों नहीं करवाया ?

श्री भागी राम : हम तो उन 5 सालों में भी कहते रहे कि इसे बनाओ लेकिन उन्होंने नहीं बनाया । उन्होंने काम नहीं किये, चले गए । यदि आप भी काम नहीं करेंगे तो आप भी चले जाएंगे ।

लोक निर्माण मंत्री (श्री धर्मवीर यादव) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताना चाहूंगा कि चौधरी भागी राम जी मुझे बहुत बार बड़े प्यार से मिलते रहते हैं लेकिन इन्होंने कभी भी इस बात का जिक्र नहीं किया ।

श्री भागी राम : अध्यक्ष महोदय, अब ये असत्य बात कर रहे हैं । (विघ्न) मैंने इनसे इस बारे में कम से कम 10 बार जिक्र किया । ये कहने लगे कि यह मेरे बस की बात नहीं है । (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर साहब, ये कायदे कानून को तो मानते नहीं । इन्होंने वहां पर जबरदस्ती पी0 डब्ल्यू0 डी0 रैस्ट हाऊस बनाना शुरु करवा दिया होगा और ईंटें डलवा दी होंगी । जबकि सरकार की तरफ से वहां पर कुछ भी कार्यवाही नहीं हुई ।

श्री अध्यक्ष : ये तो कह रहे हैं कि इसका टेन्डर भी हो गया था ।

श्री भागी राम : स्पीकर साहब, वहां पर चारदीवारी भी बन गई थी और जिस व्यक्ति की जमीन एक्वायर की गई थी उसको उसका मुआवजा भी मिल गया था और उसके लिए इसका टैण्डर भी हो चुका था ।

श्री धर्मवीर यादव : अध्यक्ष महोदय, कल सुबह मैं सदन के अन्दर इस बारे में सारे तथ्य पेश कर दूंगा ।

श्री अध्यक्ष : भागी राम जी, आप बैठिये । आपका समय हो चुका है ।

श्री भागी राम : मैं दो मिनट में खत्म कर दूंगा । मैं ज्यादा समय नहीं लूंगा । मैं मुख्यमंत्री महोदय से एक बात कहना चाहता हूं कि जब पीछे विधान सभा के चुनाव हुए तो ये ओटू पुल से गुजरे थे । उस पुल की हालत को देखकर इनकी आंखों में आंसू आ गए थे । अब डेढ़ साल का समय गुजर चुका है । मैं जानना चाहूंगा कि क्या इनकी आंखों में आंसू अब भी हैं और क्या उस पुल का निर्माण करवायेंगे ?

श्री बंसी लाल : उस पुल को देख कर मुझ आंसू तो नहीं आये थे लेकिन उस पुल की अजीब हालत देखकर मैं हैरान जरूर हो गया था। मैं इनसे जानना चाहूंगा कि उस ओटू लेक की जमीन पर मिट्टी डाल कर वहां पर किसने फसल लगाई है । वह भी ये बता दें । इन लोगों का तो जमीनों पर और प्लाटों पर कब्जा करने का काम रहता है । इन्होंने तो ओटू झील को भी नहीं बख्शा । इसी प्रकार से मैं जानना चाहूंगा कि ऐलनाबाद में 100-200 एकड़ सरकारी जमीन पर कब्जा किसने किया हुआ है ?

श्री अध्यक्ष : भागी राम जी आप बैठिये ।

श्री भागी राम : अध्यक्ष महोदय, आज इस प्रदेश के मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल रहे हैं । मैं भी हरिजन हूं । आज के दिन हरिजनों की हालत बहुत खराब है । मैं इनकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि तथूवाला गांव में एक गुरुदेव बाल्मीकि है । उसके साथ वहां पर ज्यादती हुई जिसके विरोध में सिरसा के अन्दर 1,000 बाल्मीकियों ने 9 तारीख को जुलूस निकाला । उसके बाद पर्चा दर्ज किया गया लेकिन आज तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई ।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, यदि उस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई है तो वह कार्यवाही करवायेंगे और पता लगाएंगे कि क्यों नहीं कार्यवाही हुई । अब ये यह भी बता दें कि इनके समय में लाम्बी गांव में हरिजनों के साथ और इनके साथ क्या हुआ था ?

श्री भागी राम : अध्यक्ष महोदय, मेरे साथ क्या हुआ, वह भी मैं यहां पर बता देता हूं । मेरे साथी जो चौधरी बंसी लाल जी की कैबिनेट के वजीर हैं उनके साथ क्या हुआ था, उसका सारा किस्सा अखबार में छपा है, वह भी मैं यहां पर बता देता हूं । उस मन्त्री ने अखबार में बयान दिया था कि मैं अपने घर में सोया हुआ था और रात के समय में पड़ौस में कुछ रौला सा मचा । मेरे भाई का घर भी साईड में है । मैं और मेरा लड़का छत पर गए । छत पर जा कर हमने देखा कि पुलिस मेरे भाई को घसीट कर ले जा रही है । उसके बाद उसको थाने में ले जा कर उससे 700 बोरी पोस्त बरामद होने का केस बना दिया । वजीर महोदय बड़ी परेशानी में थे, उनके भाई के खिलाफ केस दर्ज हो गया और उनके गनमैन के

खिलाफ भी केस दर्ज हो गया। (विघ्न) इनका बयान था कि हरिजन होने के नाते ये केस बनाए गए हैं। (विघ्न) हरिजन होने के नाते वजीर के भाई पर मुकद्दमा चौधरी बंसी लाल जी के राज में बना है। हरिजन होने के नाते उन पर ज्यादती हुई है। अगर ज्यादती नहीं हुई तो क्या हुआ ? अगर यह केस झूठा दर्ज किया गया है तो इस केस को वापिस लिया जाना चाहिए। (विघ्न एवं शोर)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, भागी राम जी से मैं यह कहूंगा कि चौधरी श्रीम प्रकाश चौटाला जी ने हरिजनों के साथ जो किया था वह भी इनको याद है या नहीं। (विघ्न)

वैयक्तिक स्पष्टीकरण

खेल राज्य मन्त्री द्वारा—

खेल राज्य मन्त्री (श्री राम सरूप रामा) : अध्यक्ष महोदय, चौधरी भागी राम जी ने जो बात कही है वह तथ्यों पर आधारित नहीं है। मुझे इस बारे में कुछ भी मालूम नहीं है। मैं इस बात की सच्चाई को मानने के लिए तैयार नहीं हूं और न ही मैंने यह कहा था कि मेरे भाई को घसीटा गया न ही मैंने कोई किसी की सिफारिश की थी। जहां तक भुक्कीवाली बात का संबंध है इस बारे में मुझे यह कहना है कि वह मेरे घर से डेढ़ दो किलोमीटर दूर की बात है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात यह है कि मैं किसी की सिफारिश नहीं करता। चाहे कोई मंत्री हो या मंत्री का भाई हो, हरियाणा में चौधरी बंसी लाल की सरकार है और यहां पर जो गैर-कानूनी काम करेगा उस पर कानूनी कार्यवाही होगी चाहे वह कोई भी हो। (विघ्न एवं शोर)

श्री अशोक कुमार : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने कहा था और इनका बयान अखबारों में छपा था।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं चौधरी भागी राम जी से कहूंगा कि लाम्बी गांव में जो घटना हुई थी उसका भी जिक्र कर दें। (विघ्न एवं शोर)

श्री भागी राम : अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार के वक्त में किसी ने भी हरिजनों की जमीनों पर कभी कब्जा नहीं किया। चौधरी देवी लाल ऐसे नेता रहे हैं जिसकी वजह से सिरसा जिले के अन्दर हरिजनों के पास अपनी जमीनें हैं और वे उन जमीनों के मालिक हैं। चौधरी मन्नी राम जी, उनके गांव के हैं इसलिए उनको भी पता है। अध्यक्ष महोदय, * * * * * *

श्री अध्यक्ष : "तेरी तरह से" वाली जो बात कही गई है उसको रिकार्ड न किया जाए। (विघ्न)

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

डॉ0 बीरेन्द्र पाल अहलावत (बेरी) : अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। अध्यक्ष महोदय, मैं राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के खिलाफ बोलते हुए बिजली की आपूर्ति के बारे में कहूंगा। इस प्रस्ताव में कहा गया है कि पिछले साल बिजली की आपूर्ति संतोषजनक रही है। अगर ऐसी बात है तो किसानों पर क्यों गोलियां चलाई गई ? अध्यक्ष महोदय, मेरे पास सरकार का जवाब है और इस जवाब में सरकार ने खुद माना है कि विभिन्न महकमें 99 करोड़ रुपए के डिफॉल्टर हैं। सरकार के विभिन्न महकमों के अर्नेस्ट 99 करोड़ रुपए के बिजली के बिल पैंडिंग हैं। प्राईवेट महकमों के अर्नेस्ट 381 करोड़ रुपए के बिल पैन्डिंग हैं और किसानों के 90 करोड़ रुपये के पैन्डिंग हैं मैं यह पूछना चाहता हूं कि 90 करोड़ रुपये के पैन्डिंग बिलों के लिए किसानों पर गोलियां क्यों चलाई गई ? अध्यक्ष महोदय, सरकार के बिल भी पेन्डिंग हैं, तो इन पर भी गोलियां चलाई जानी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, 12 तारीख को कनीना के पास कुछ लोग जले हुए ट्रांसफार्मर को बदलने की मांग को लेकर एस0 डी0 ओ0 के पास गए तो ए0 डी0 ओ0 ने कहा कि जब तक पेंडिंग बिल नहीं भरेंगे तब तक मैं ट्रांसफार्मर नहीं बदलूंगा। क्या यह सरकार बिल भरने वालों के लिए है या बिल न भरने वालों के लिए है। जिन लोगों ने अपने बिल भर रखे हैं उनके ट्रांसफार्मर क्यों नहीं बदले गए तथा वहां पर एस0 डी0 ओ0 की कैसे हिम्मत हो गयी कि जो उसने कह दिया कि जब तक दूसरे लोग बिल नहीं भरेंगे तब तक तुम्हारे को भी ट्रांसफार्मर नहीं देंगे। अध्यक्ष महोदय, इसी के साथ-साथ मैं सिंचाई की भी बात करूंगा।

वन राज्य मंत्री (श्री जगदीश यादव) : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। सर, मैं आपके द्वारा माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि इनकी यह बात बिल्कुल असत्य है। मैंने इस बारे में पता किया था। वहां पर सब ट्रांसफार्मर बदले जा चुके हैं और अब कोई भी ट्रांसफार्मर पेंडिंग नहीं है।

डॉ बीरेन्द्र पाल अहलावत : लेकिन अखबार में इस बारे में आया था।

श्री जगदीश यादव : हां, अखबार में जरूर आया था।

डॉ बीरेन्द्र पाल अहलावत : लेकिन उस ऑफिसर को मना करने की हिम्मत कैसे हो गयी ? (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, आज प्रदेश में सरकार नाम की कोई चीज ही नहीं है। मेरे पास उस अखबार की कटिंग है।

श्री जगदीश यादव : अध्यक्ष महोदय, वह स्टेटमैंट गलत है।

डॉ बीरेन्द्र पाल अहलावत : अध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने चुनाव से पहले

यमुना जल समझौते, एस0 वाई0 एल0 के बनाने और गंगा के पानी को हरियाणा में लाने की बात कही थी लेकिन अगर आज इन तीनों बातों के बारे में जब सरकार से पूछा जाता है तो इनको तकलीफ होती है । सरकार आज एक बात का जरूर क्लेम करती है और वह है आगरा कैनाल का एडमिनिस्ट्रेटिव कंट्रोल । इस बारे में यहां पर पहले भी चर्चा हो चुकी है कि अगर इस बारे में इस प्रदेश का उत्तर प्रदेश के साथ कोई झगड़ा रहा है तो वह ताजेवाला हैड वर्क्स के नियंत्रण के बारे में रहा है । अध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने चैनल्ज और डिस्ट्रीब्यूटरीज की गाद निकालने का काम तो किया है जबकि वहां के चैनल की गाद निकालने की जिम्मेदारी यू0 पी0 सरकार की बनती थी क्योंकि उसका आबियाना यू0 पी0 सरकार लेती है । परन्तु जब यह सरकार ही यह काम करेगी तो इस ढंग से तो यू0 पी0 की सारी नहरों की सफाई भी ये करवा दें । इनको कौन रोकता है ? लेकिन अध्यक्ष महोदय, इस तरह से इस सरकार ने हरियाणा की जनता के साथ खिलवाड़ किया है ।

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्ष कुमार) : अध्यक्ष महोदय, अभी हमारे साथी वीरेन्द्र जी ने बहुत अच्छी बात कही, लेकिन इनको इस बारे में सही जानकारी नहीं है । शायद इन्होंने भी भजन लाल जी की नकल की तर्ज पर अपनी बात रखी । जहां तक आगरा कैनाल के कंट्रोल की बात है । अगर वह किसान उत्तर प्रदेश के हैं और अगर हमारी सरकार उनके लिए सिंचाई की व्यवस्था करे तब तो गलत बात है । यह हम भी मानते हैं लेकिन वे हरियाणा के वासी हैं हरियाणा के किसान हैं और सरकार की जिम्मेदारी है कि उनके खेत के लिए पानी उपलब्ध करवाए । अगर उनको पानी मिलेगा तो इससे हरियाणा के किसान ही खुशहाल होंगे । जहां तक आबियाना की बात है । हरियाणा के किसान आठ साल से उत्तर प्रदेश की सरकार को कोई आबियाना नहीं देते हैं और न ही वहां की सरकार ने उनसे कोई आबियाना लिया है । अध्यक्ष महोदय, उन चैनल की गाद के बारे में उत्तर प्रदेश की सरकार के साथ एक समझौता हुआ था : पहले वहां पौपुलर गवर्नमैंट नहीं थी लेकिन जब बाद में वहां सरकार आयी तो ऐसी सरकार आयी जिसकी कोई विचारधारा नहीं थी । इसी विचारधारा की पार्टी से अब आपने भी समझौता किया है । उनकी कोई राजनैतिक सोच नहीं थी । उनकी सोच केवल इतनी ही थी कि कैसे समाज को जाति के आधार पर बांट दिया जाए । लेकिन सर, अब वहां एक अच्छी सोच वाली बी0 जे0 पी0 की सरकार आयी है अब जैसे ही किसान के हित की यह बात हमने उठानी चाही तो इलैक्शन कमीशन की आचार संहिता लागू हो गयी वरना आगरा कैनाल के कंट्रोल का मामला उनके साथ हमने टेकअप कर लिया होता । यह तो रही आगरा कैनाल की बात लेकिन जहां तक गंगा नहर के पानी की बात है ।

डा वीरेन्द्र पाल अहलावत : मंत्री जी हमने तो इस बारे में चर्चा ही नहीं की है । आपको इस बारे में बात करना भी अच्छा नहीं लगता ।

श्री वीरपाल सिंह : मंत्री महोदय यह आपके अधिकार से बाहर की बात है । मुख्यमंत्री जी ने पीछे रिप्लाई दिया था कि वहां पानी नहीं मिला । (विघ्न)

श्री हर्ष कुमार : आगरा कैनाल के बारे में जितना काम बंसी लाल जी ने किया है उससे वहां के लोग संतुष्ट हैं आपके हल्के की सिंचाई की कोई समस्या है तो आप बताएं ?

श्री अध्यक्ष : डॉ0 वीरेन्द्र पाल जी, आपको 5 मिनट का समय और दिया जाता है ।

डॉ वीरेन्द्र पाल अहलावत : अध्यक्ष महोदय, आप कहें तो मैं बैठ जाता हूं । आपकी परमीशन से बोलने के लिए खड़े हुए हैं आप कहेंगे तो बोलेंगे । अध्यक्ष महोदय, मैं बता देना चाहता हूं कि जैसे आबियाना का पैसा 8-9 साल से किसी को नहीं दे रहे, इस ढंग से हमारे किसान भी बिल नहीं दे रहे उनका भी माफ ही समझा जाए । दूसरी बात यह है कि सरकार इस बात में असफल रही है कोई भी आबियाना नहीं दे रहा है उसको भी माफ नहीं करा रहे । उसकी भी चर्चा कर लेते । बात तो हैड वर्क्स के नियंत्रण की थी जिसके नजदीक भी नहीं गए । रही मेरे अपने हल्के की बात तो उसके बारे में मैं यह बताना चाहता हूं कि सिंचाई के मामले में हमारी जो जे0 एल0 एन0 कैनाल है उसके साथ ही साथ डिच-ड्रेन खोदी गई है, बाकरा गांव के पास उसकी बुर्जी नं0 230 के साथ लगती हुई जो पुलिया बेरी कलानौर की है वहां जो मोगा है वह इसलिए बंद पड़ा है क्योंकि वहां न तो कोई पाइप लगाई गई है न पुलिया बनाई गई है । वहां लोगों के लिए अब गेहूं में पानी देने के लिए कोई व्यवस्था नहीं है जबकि उसमें दो गांवों बेरी और बाकरा की जमीन लगती है । वहां के लोग कई बार दफ्तरों में जा-जा कर प्रार्थना कर चुके हैं लेकिन उसको आज तक नहीं खोला गया है ।

श्री हर्ष कुमार : अध्यक्ष महोदय, वीरेन्द्र पाल जी इससे पूर्व इस तरह की कोई जानकारी हमारे समक्ष नहीं लाए । आज इस बात को बता रहे हैं, हम इसे चैक करा लेंगे ।

डॉ वीरेन्द्र पाल अहलावत : दूसरी, उस गांव के लोगों की एक मेन समस्या है । वह यह है कि जहां से उस गांव की सीमा शुरू होती है वहां समाप्ति होने के बाद फिर डिच ड्रेन खोदी गई है लेकिन पूरी नहीं खोदी गई है । उसकी पूरी खुदाई करवाने का कष्ट करें । इसके अलावा जहां तक बाढ़ की बात है । आप लोग इस बारे में बड़े ऊंचे क्लेम कर रहे हैं कि हमारी सरकार ने बाढ़ नियंत्रण करने के लिए बहुत उपलब्धियां हासिल की हैं । लेकिन मैं इस बारे में कहना चाहूंगा कि मेरे हल्के में 15-20 गांव जैसे सैरिया, गोच्छी, डीघल, धांधलान, लकड़िया, मदाना, कैलो, चिमनपुर, दुजाना, बेरी, बागपुर, वजीरपुर, धौड़, जहांजगढ़, एम0 पी0 माजरी, खातीवास,

पहाड़ीपुर, विसाग और अछेज ये ऐसे गांव हैं जिनमें मामूली सी बरसात होने के कारण पिछली फसल भी बर्बाद हो गई और आज वहां पर कोई फसल नहीं खड़ी है। बाढ़ का पानी कई जगह आज भी खड़ा हुआ है। मैंने पिछले सत्र के दौरान भी इस बारे में चर्चा की थी कि वहां बाढ़ का पानी खड़ा है और उस पानी की निकासी के बारे में कदम उठाये जायें लेकिन आज तक इस बारे में कोई कदम नहीं उठाये गये हैं।

श्री अध्यक्ष : डा० साहब वह पानी बाढ़ का है या सेम का है ?

डॉ बीरेन्द्र पाल अहलावत : यह बरसात का पानी है। आप माने या न मानें इस बात का मेरे पास कोई हल नहीं है।

श्री अध्यक्ष : डा० साहब, मेरे, आपके और सतपाल सांगवान जी के इलाके में सेम का पानी आज भी कुछ गांवों में खड़ा है।

डॉ बीरेन्द्र पाल अहलावत : गोच्छी, सेरिया और दुआना गांव में तो अध्यक्ष महोदय, कई सालों से फसल नहीं हुई है।

श्री हर्ष कुमार : अध्यक्ष महोदय, जहां तक मेरे साथी बीरेन्द्रपाल के हल्के की बात है इन गांवों को हम चैक करा लेंगे। लेकिन इसके लिए एक परेशानी और है कि इनके हल्के में से जो नहर की डिस्ट्रीब्यूटरी निकलती है वहां पर लोगों की मनोवृत्ति यह है कि वे उस से आगे के किसानों का हिस्से का पानी भी खुद ले लेते हैं। जिसके कारण मामूली सी बरसात होते ही वहां पर सेम का पानी भर जाता है। इसलिये वहां पानी की परेशानी हो जाती है।

डा० बीरेन्द्र पाल अहलावत : मैंने यह बात आपके नोटिस में ला दी है और मेरे कहने से आप अपनी मनोवृत्ति बनाकर इस काम को कर दें। एक बात मैं आपको और कहना चाहता हूं कि जब रोहतक जिले में बाढ़ आई तो कृषि मन्त्री जी रोहतक गये थे और उन्होंने किसानों को कहा था कि जहां जहां फसल खराब हुई है हम उसका 400 रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा देंगे। तत्कालीन प्रधानमन्त्री श्री देवगौड़ा जी ने भी किसानों को डी० ए० पी० खाद पर सबसिडी दी थी जिससे 490 रुपये कीमत वाला डी० ए० पी० खाद 390 रुपये में किसानों को सबसिडी पर देना था, लेकिन हरियाणा प्रदेश की सरकार ने इस खाद की कीमत को 455 रुपये कर दिया। अगर 390 रुपये डी० ए० पी० खाद सबसिडी पर दे दिया जाता तो किसानों को कम से कम एक कट्टा खाद का और ज्यादा मिल सकता था या एक कट्टे के पैसे बच सकते थे। इससे किसान ने जो खर्चा बिजाई पर किया था जुताई पर, सिंचाई पर खाद बीज पर किया था उसकी भरपाई तो नहीं हो सकती थी, लेकिन किसान को कुछ राहत तो मिल ही सकती थी। इस बात को भी स्पष्ट करने का कष्ट करें।

[डा० वीरेन्द्र पाल अहलावत]

(घंटी) राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के बाद के बारे में चर्चा की गई है कि हम बाढ़ की रोक-थाम के लिये एक मास्टर प्लान बनाने जा रहे हैं। वर्तमान सरकार के आने के 20 महीने बाद मास्टर प्लान बाढ़ के बारे में बन रही है वह मास्टर प्लान कब बन पायेगी और कब बाढ़ राहत के लिये कार्य किये जायेंगे। क्या अब तक जो बाढ़ राहत के लिये कार्य किये गये हैं वे सब अन-प्लान्ड-वे में किये गये हैं और उनकी कोई प्लानिंग नहीं की गई। सरकार इस बात का जवाब देने का कष्ट करे। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, मैं अपने हल्के की एक छोटी सी बात कहकर कंक्लूड करूंगा। अध्यक्ष महोदय, मेरे बेरी हल्के के अन्दर कम से कम 25 केन क्रशर हैं जहां पर गन्ने का अम्बार लगा हुआ है। इस हल्के से रोहतक शुगर मिल में गन्ना सप्लाई किया जाता है। बेरी में शुगर मिल होने की वाएबिलिटी है, इस बारे में सरकार पता कर सकती है इसलिये मेरी आपके माध्यम से प्रार्थना यह है कि वहां पर एक शुगर मिल की स्थापना करने की कृपा करें। (शोर)

श्री सोमवीर सिंह (लोहारू) : अध्यक्ष महोदय, मैं राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में सरकार की नीतियों का जिक्र किया है। जैसे सिंचाई के विभाग के बारे में कहा गया है कि जहां पर भी नहरें और माईनर्ज हैं, उनकी सफाई करवाकर के टेल एंड तक पानी पहुंचाया गया है। पीने के पानी का प्रबन्ध किया गया है। पैंशन के बारे में जहां तक जिक्र किया गया मैं बताना चाहता हूं कि चौधरी भजन लाल और चौधरी ओम प्रकाश चौटाला के समय में पैंशन 6—6, 8—8 महीने मिलती ही नहीं थीं। लेकिन वर्तमान सरकार ने हर महीने की 7 तारीख को बुढ़ापा विधवा तथा विकलांग पैंशन देने का कार्य किया है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि जो चौकीदार गांव में होते हैं जिनकी कोई तनख्वाह ही नहीं होती थी तथा उसके लिए चन्दा या चूल्हा टैक्स वगैरह इकट्ठा किया जाता था, उन के लिये हमारी सरकार ने 400 रुपये प्रति महीना तनख्वाह निर्धारित की है। शिक्षा के क्षेत्र में भी विशेष उपलब्धि हुई है। जे० बी० टी० व दूसरे अध्यापकों की कमी थी जिस को हम ने 89 दिन के आधार पर भर्ती कर के पूरा कर दिया है। इसके अलावा, एक सबसे बड़ी बात जिसका राणा साहब ने भी जिक्र किया है, वह नौकरियों के बारे में थी। चुनाव के दौरान सभी वायदा करते हैं कि हम नौजवानों को नौकरियां देंगे। हमने भी ऐसा कहा है लेकिन हम ने यह कभी नहीं कहा कि हम सभी को नौकरियां दे देंगे। हां, हम ने यह जरूर कहा था कि हम नौकरियों में रिश्वतखोरी व भ्रष्टाचार नहीं चलने देंगे। स्थिति सभी के सामने बिल्कुल स्पष्ट है कि इस सरकार को बने हुए डेढ़ साल हो गया है और किसी भी सत्ता पक्ष या विपक्ष के साथी ने अभी तक यह बात नहीं कही है कि मैरिट की वजह से उनका कोई आदमी नियुक्तियों में इग्नोर किया गया हो

क्योंकि हमारी सरकार के समय में नौकरियों में कोई भी हेराफेरी नहीं होती है। पहले क्या होता था कि रिश्वत के आधार पर नौकरियां दी जाती थी और दो तीन साल तक नौकरी में आने के बाद भी हाई कोर्ट व सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार उनको नौकरी से हटा दिया जाता था। अभी ए0 एस0 आई0 पद के लिए फिजीकल टैस्ट हुआ था जिसके लिये किसी ने भी ऐतराज नहीं किया है कि उस टैस्ट में कोई हेराफेरी हुई है। अध्यक्ष महोदय, मैं बिजली के बारे में भी कहना चाहता हूं क्योंकि मेरा क्षेत्र भी बिजली पर निर्भर करता है। वहां पर ज्यादातर ट्यूबवैल्ज हैं, जहां किसान संघर्ष समिति का झगड़ा हुआ था अब जिस प्रकार से कैप्टन साहब ने बताया हम वैसे बात नहीं करते हैं। इन्होंने तो अखबार में कहीं नाम पढ़ लिया होगा और उस बात को कहा होगा। लेकिन मैं तो एक-एक गांव एक-एक गली को जानता हूं तथा बिल्कुल सही स्थिति बता सकता हूं। बिजली के कनैक्शन देने के बारे में मैं बताना चाहता हूं। (विघ्न) वह बात भी आएगी। (विघ्न) मैं लोहारू हल्के में रहता हूं। (विघ्न) जिस तरह से आपने माईनर्ज की बात की है। 1986-87 में एक साल के लिए बंसीलाल की सरकार आई थी उस समय हमारी कांस्टीच्यूएंसी के अन्दर माईनर्ज बनाने की कुछ स्कीमें बनाई गई थीं। सरकार बदली और श्रीम प्रकाश चौटाला की सरकार आई, देवीलाल की सरकार आई, हिन्दुस्तान के अन्दर और हरियाणा के अन्दर भी। । (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) जिन माईनर्ज की हमने शुरूआत की वे वहीं की वहीं पड़ी रही और हमारे आने के बाद हमने दोबारा से उन माईनर्ज का काम शुरू किया है लेकिन इनकी सरकार ने कभी उन कागजों को खोलकर भी नहीं देखा और कहा फर्टिया माईनर नहीं बन सकती। फर्टिया के लोग लोहारू हल्के के और हरियाणा के बाशिन्दे हैं। आपको इस बात की तकलीफ क्यों हो रही है जैसे चौधरी भागी राम ने अपने हल्के की बात की थी कि उनकी पार्टी की सरकार ने उनके हल्के में एक रैस्ट हाऊस बनाने का 1989 में पत्थर रखा था आपकी सरकार 3 साल रही लेकिन आपने कुछ नहीं किया दूसरी कोई सरकार कुछ करती है तो आपको तकलीफ होती है। हमने चुनावों में पब्लिक से वायदे किये थे कि हम बिजली के कनैक्शन देंगे बिजली की सप्लाई देंगे। यह ठीक है कि आज उतनी बात पूरी नहीं हुई है हमें डेढ़ साल पहले जो बिजली बोर्ड की हालत मिली थी वह आज आपके सामने है और हरियाणा की जनता भी अच्छी तरह से जानती है। 1987 में बंसी लाल ही थे जो सारे ट्यूबवैल के कनैक्शन देकर गए थे और पानीपत के थर्मल प्लांट को ठीक करवा कर गए थे। बाद में आपकी सरकार आई उसने थोड़े समय के लिये बिजली जरूर दी लेकिन 1987 में देवीलाल जी के समय में जितने कनैक्शन दिए जाने चाहिए थे वे सारे पैंडिंग पड़े हैं। आज हमारी सरकार ने इतने थोड़े समय में बिजली बोर्ड के ऊपर इतना कर्जा होते हुए भी हमने हरियाणा के अन्दर थर्मल प्लांट शुरू करवाया। (घंटी) (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्ष : विपक्ष को जितना समय सुबह से दिया गया है । उतना समय सत्ता पक्ष को भी मिलना चाहिए । (शोर) आपके खड़े होने से कोई फायदा नहीं है मेरे सामने घंटा है । इनको बोलते हुए अभी 5 मिनट हुए हैं और ये अभी 5 मिनट और बोलेंगे । उन्होंने आपकी बात सुनी है । अब आप उनकी बात सुनिए । (शोर)

श्री सोमवीर सिंह : अभिभाषण के अन्दर इस बात की चर्चा आई है और हरियाणा की पब्लिक अच्छी तरह से जानती है कि हमने पैसे की समस्या होते हुए भी हरियाणा के अन्दर करीब 1180 मैगावाट के थर्मल प्लांट शुरू किए हैं । पिछले 8—9 सालों में कांग्रेस की सरकार रही, चौटाला की सरकार रही, उन्होंने बिजली का उत्पादन करने का कोई भी नया यूनिट शुरू नहीं किया जहां तक ऐजीटेशन की बात है उसके ऊपर मैं जिक्र करूंगा लोहारु सतनाली का एरिया में मेरी कांस्टीच्युएंसी के अन्दर लगता है । विपक्ष के सभी लोग बोले कि किन-किन हालात में क्या क्या हुआ आप सुनने का थोड़ा सब्र करें । ऐजीटेशन कहां से हुआ था, यह जो ऐजीटेशन किसान संघर्ष समिति के नाम से चल रहा था। मेरे से पहले बोलने वाले भाई नृपेन्द्र सिंह ने बताया था कि आपकी पार्टी का बाढ़ड़ा से चुनाव के समय जो उम्मीदवार था उस भाई को चुनाव में कामयाबी न मिलने की वजह से इनकी अपनी पार्टी के कुछेक साथियों ने बाढ़ड़ा के अन्दर लोगों को भड़काने की कोशिश की और कादमा के अन्दर लोगों को इन्होंने भड़काने की कोशिश की लेकिन ये वहां के लोगों को भड़काने में कामयाब नहीं हुए । राम बिलास शर्मा जी ने बताया कि इन्होंने महेन्द्रगढ़ कांस्टीच्यूएंसी में जगह जगह जा जा कर लोगों को भड़काने की कोशिश की, लेकिन ये वहां पर कामयाब नहीं हुए । इसके अलावा मैं यह भी बताना चाहूंगा कि श्री ओम प्रकाश चौटाला की पार्टी के कार्यकर्ता जो इनके ऑफिस बीयरर हैं मैं उनका नाम यहां पर नहीं लूंगा अगर मैं उनका नाम यहां पर लूंगा तो ये कहेंगे कि वह सदन का सदस्य नहीं है इसलिये उसका नाम न लिया जाए । वह डालनवास का ऐक्स सरपंच है और एक दो आदमी सुरैती के हैं जो इनकी पार्टी के वर्कर हैं उनका अखबारों में भी बार बार नाम आता है वे शराब का धंधा करते हैं जिनके ऊपर 5—5 और 7—7 मुकदमें बने हुए हैं । एक आदमी सतनाली साइड का जो अपने आपको संघर्ष समिति का प्रधान भी करता है उस लड़के के नाम और उसके बाप के नाम एक भी एकड़ जमीन नहीं है यदि उसके नाम जमीन नहीं है तो वह ट्यूबवैल के कनैक्शन के लिये कैसे कह सकता है जमीन नहीं है तो ट्यूबवैल का मतलब ही नहीं है । उसका तो केवल एक ही मकसद था और वह यह था कि सतनाली के अन्दर उस समय जो एस0एच0ओ0 तनात था उसने शराब के बारे में बहुत ज्यादा सख्ती कर रखी थी। जो सुरैती के आदमी थे उनका नाम तो मैं नहीं लूंगा उनको पुलिस ने बुरी तरह से पीटा और उन पर कई मुकदमें बनाए गए ।

उन्होंने सतनाली के अन्दर उस एस० एच० ओ० के खिलाफ एजीटेशन करने की कोशिश की लेकिन उसमें वह कामयाब नहीं हुए । बाद में कादमां के अन्दर एजीटेशन करने की स्कीम बनाई उसमें भी वे कामयाब नहीं हुए ।

श्री राम पाल माजरा : हमारी पार्टी का कोई कार्यकर्ता नहीं था ।

श्री सोमवीर सिंह : वह आपकी पार्टी का ओफिस बीयरर है । (शोर)

श्री उपाध्यक्ष : आप तीन आदमी इकट्ठे बोल रहे हैं इसलिये आपकी बात किसी की समझ में नहीं आ रही है । इस तरह से आप सदन का समय क्यों जाया कर रहे हैं ।

श्री सोमवीर सिंह : डिप्टी स्पीकर साहब, जहां तक चुनाव से संबंधित बात है मेरे से पहले चौटाला साहब ने विधान सभा के चुनावों के बारे में जिक्र किया था । हमने चुनावों के दौरान यह वायदा नहीं किया था कि हम किसानों के बिजली के बिल माफ करेंगे । हमने किसी भी पब्लिक मीटिंग में यह बात नहीं कही । खुद चौधरी देवी लाल जी ने वहां बाढ़ड़ा के अन्दर मौके पर जाकर और कांग्रेस पार्टी के कुछेक उम्मीदवार जोकि ऐक्स मन्त्री भी हैं ने वहां पर जा कर प्रचार किया कि हम आपके बिजली के बिल माफ करेंगे यह करेंगे वह करेंगे । (शोर)

श्री अशोक कुमार : आप यह कैसे कह रहे हैं कि आपने यह वायदा नहीं किया । वहां पर चौधरी बंसी लाल जी ने कहा कि हम वहां पर चौथी स्लैब प्रणाली लागू करेंगे । (शोर)

श्री सोमवीर सिंह : हमने बिजली के बिल माफ करने का कोई वायदा नहीं किया था । जैसे मैं कह रहा था कि खुद चौधरी देवी जी वहां पर गए । (शोर)

श्री अशोक कुमार : डिप्टी स्पीकर साहब, ये उनका नाम नहीं ले सकते क्योंकि वे सदन के सदस्य नहीं हैं । (शोर)

श्री सोमवीर सिंह : ठीक है आप उनका नाम कार्यवाही से निकाल दें लेकिन हिन्दुस्तान के ऐक्स उप प्रधान मन्त्री ने वहां पर जा कर लोगों को बिजली के बिल न देने के बारे में भड़काया । कांग्रेस पार्टी के ऐक्स मिनिस्टर ने वहां पर जा कर लोगों को भड़काया । (शोर)

कैप्टन अजय सिंह यादव : डिप्टी स्पीकर साहब, * * *

* * * (शोर)

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

श्री उपाध्यक्ष : कैप्टन अजय सिंह जो कुछ कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए।

श्री सोमवीर सिंह : डिप्टी स्पीकर साहब, कांग्रेस पार्टी के लोगों ने और श्रोम प्रकाश चौटाला की पार्टी के लोगों ने वहां पर लोगों को भड़काया और लोगों को कहा कि आप बिजली के बिल मत दें। जहां पर लोगों ने ऐजीटेशन किया और वहां पर जो लोग धरने पर बैठे हुए थे सवा महीने तक उन लोगों को सरकार ने कुछ नहीं कहा। उन लोगों ने रेल की पटरी को उखाड़ा, रेलों को रोका तो उस समय वहां पर रेलवे पुलिस गई और उसके साथ हरियाणा पुलिस गई तो उन पर उन लोगों ने कुलहाड़ियों से वार किया और दूसरे हथियारों से वार किया। फिर पुलिस ने पहले आंसू गैस छोड़ी उसके बाद रबड़ की गोलियां चलाई। पुलिस का कोई भी भाई है अगर उसको आप मारते हैं तो उस समय उसको चौधरी बंसी लाल या हिन्दुस्तान सरकार का कानून दिखाई नहीं देता सबसे पहले वह अपनी जान बचाएगा। इन लोगों ने अपने (17.06 बजे) मतलब के लिये वहां पर लोगों को भड़काया। (विघ्न एवं शोर)

श्री कर्ण सिंह दलाल : डिप्टी स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से विपक्ष के साथियों से अनुरोध करता हूं कि वे सदन में व्यवस्था कायम रखें। जब हमारा एक सदस्य कोई बात कहने के लिये खड़ा हो जाता है तो कई और सदस्य इनकी तरफ से बोलने लग जाते हैं। (शोर एवं विघ्न)

श्री सोमवीर सिंह : वहां पर चौटाला साहब की पार्टी के कार्यकर्ता थे। (शोर एवं विघ्न)

श्री धीरपाल सिंह : ऑन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। उपाध्यक्ष महोदय, हमारे विधायक साथी सोमवीर जी ने सीधा आरोप लगाया है कि वहां पर हमारी पार्टी के कार्यकर्ता थे। मैं कहना चाहता हूं कि हमारी पार्टी के कोई कार्यकर्ता वहां पर नहीं थे। मैं यह कहना चाहता हूं कि यदि सरकार को किसी भूल के कारण वहां पर गोलियां चलानी पड़ी तो उसका आरोप इनको हमारे ऊपर नहीं लगाना चाहिए। हम लोग तो शांति चाहते हैं और आगे भी हमारी यही कोशिश होगी कि राज्य में शांति बनी रहे। इन्होंने जो गलतियां की हैं उनका खामियाजा इनको भुगतना पड़ेगा। (शोर एवं विघ्न)

डा० वीरेन्द्र पाल अहलावत : स्पीकर साहब, * * * * *

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर साहब * * * * * * * * * * * * * * *

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री उपाध्यक्ष : ये जो मेरी परमिशन के बगैर बोल रहे हैं, वह रिकार्ड न किया जाये ।

श्री सोमवीर सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी का लोहारू के अन्दर जलसा था। जहां चौधरी बंसी लाल जी का जलसा चल रहा था वहां से करीब 2 किलोमीटर की दूरी पर कोढ़ा ढाणी में 8 लाख रुपये की हरियाणा रोडवेज की एक नई बस इनके लोगों ने जला दी। जिन लोगों ने बस जलाई उन पर मुकद्दमें चल रहे हैं और वे लोग जो इनकी पार्टी से ताल्लुक रखते हैं उनका उसमें हाथ रहा है । मेरे कहने का तात्पर्य यह है कि जो ऐजीटेशन चल रहा था उसका नेतृत्व वे लोग कर रहे थे जो कि चौटाला साहब की पार्टी के वर्कर्ज हैं उनका उनके साथ ताल्लुक है। पिछली दफा जो आदमी वहां से एम0 एल0 ए0 की सीट के लिये खड़ा हुआ था वह इनकी पार्टी से ताल्लुक रखता है उस ने वहां के लोगों को भड़काया उपाध्यक्ष महोदय ये लोग यह नहीं चाहते कि हरियाणा प्रदेश के अन्दर शान्ति से काम चले जो काम बिजली के इस समय स्टेट के अन्दर चल रहे हैं जब वे काम पूरे हो जाएंगे तो इनको डर है कि ये लोग क्या कह कर लोगों से वोट मांगने जाएंगे । आने वाले चुनाव में इन लोगों को जूते लगेंगे ये लोग आने वाले चुनाव की बात करते हैं । इनको पता लग जाएगा कि लोहारू के अन्दर लोग इन को घुसने नहीं देंगे। (विघ्न एवं शोर) उपाध्यक्ष महोदय इन शब्दों के साथ मैं अपनी बात को समाप्त करता हूं तथा मुझे बोलने के लिये आपने जो समय दिया उसके लिये मैं आपका बहुत बहुत धन्यवाद करता हूं।

(इस समय कई माननीय सदस्य बोलने के लिये खड़े हो गए)

श्री उपाध्यक्ष : आप सभी लोग अपनी अपनी सीटों पर बैठें । (विघ्न एवं शोर)

डा0 बीरेन्द्र पाल अहलावत : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है । (विघ्न) एक मिनट आप मेरी बात सुन तो लें । (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष : डा0 साहब, आप अपनी सीट पर बैठें। (विघ्न) प्वायंट आफ आर्डर की यहां पर कोई बात नहीं है इसलिये आप अभी अपनी सीट पर बैठिये (विघ्न) अब श्री नरेन्द्र जी बोलेंगे ।

श्री कंवर सिंह दलाल : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपसे एक बात कहना चाहूंगा । (विघ्न) आप मेरी बात सुन लीजिए । स्पीकर साहब, हमारे ट्रेजरी बैंचिज के जो विधायक हैं उनमें से अभी तक केवल एक विधायक श्री सोमवीर सिंह जी बोले हैं और हमारी पार्टी के दूसरे विधायक भी बोलना चाहते हैं। हमारे विधायक श्री जगदेश नायर जो भी बोलना चाह रहे हैं इसलिये मेरी आप से गुजारिश है कि नरेन्द्र शर्मा के बाद आप उनको बोलने का मौका दीजिए ।

श्री नरेन्द्र शर्मा (पुण्डरी) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपका धन्यवाद करूंगा कि आपने मुझे बोलने के लिये समय दिया। अभी पिछले दो दिनों से हमारे महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा चल रही है। हमारे सत्ता पक्ष और हमारे विपक्ष के माननीय सदस्यों ने बोलते हुए यहां पर सदन में अपनी विचारधारा को पेश किया है। उपाध्यक्ष महोदय, विरोधी पक्ष के नेताओं ने बोलते हुए कई बातें कहीं हैं। चाहे वे चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी हैं और चाहे चौधरी भजन लाल जी हैं उन्होंने बोलते हुए हरियाणा की समृद्धि की कोई बात नहीं कही और न ही उन्होंने हरियाणा की तरक्की की ही कोई बात बताई है। न ही उन्होंने बोलते हुए ऐसा कोई सुझाव दिया जिससे हरियाणा की तरक्की और विकास की कोई बात हो सकती हो और न ही उन्होंने कोई जनता के हित की बात ही कही। हमारे सम्मानित विपक्ष के नेता चौधरी ओम प्रकाश जी ने बोलते हुए सबसे पहला अटैक हमारे माननीय अध्यक्ष महोदय के ऊपर ही किया और उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत ही इस बात से की कि जब आप इस दुनिया से जाओगे तो आपको हम क्या कहेंगे। (विघ्न एवं शोर) उपाध्यक्ष महोदय, अपने पूरे भाषण में इन्होंने हरियाणा की जनता के हित की एक भी बात नहीं कही बल्कि हमारे अध्यक्ष महोदय के खिलाफ ही इन्होंने काफी कुछ कहा। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष : आप सब लोगों को अहसास होना चाहिए कि नए मैम्बर्ज बोल रहे हैं उनको आप सबको बोलने का मौका देना चाहिए। आपको बार बार इन्टरवीन नहीं करना चाहिए।

श्री धीरपाल सिंह : ठीक है सर, हम इन्टरवीन नहीं करेंगे।

श्री नरेन्द्र शर्मा : बिजली की कमी रही है यह हम मानते हैं। लेकिन चौधरी बंसी लाल जी ने आश्वासन दिया है कि हमारी सरकार हरियाणा में 24 घंटे बिजली देगी और जो फालतू बिजली होगी उसको हम दूसरी स्टेटस को बेचेंगे। उपाध्यक्ष महोदय, जब से हरियाणा प्रान्त बना है तब से लेकर हमारी सरकार बनने से पहले नहरों की टेल पर किसी सरकार द्वारा पानी नहीं पहुंचाया गया। चौधरी बंसी लाल जी की सरकार के आने के बाद आज हरियाणा में टेल तक पानी पहुंचा है।

श्री जसविन्द्र सिंह सिंधु : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मेरी और इनकी कांस्टीच्युएंसी साथ साथ है। वहां पर जो नरवाना ब्रांच है उस पर बड़े-बड़े आगमैंटेशन ट्यूबवैल्ज लगाकर दूसरी जगहों पर पानी भेजा जाता है। ये सच्चाई की बात करते हैं तो ये यहां पर बताएं कि क्या वहां का पानी दूसरी जगहों पर देना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, वहां के पानी का लैवल काफी नीचे चला गया है। इस बारे में ये बता दें।

श्री नरेन्द्र शर्मा : उपाध्यक्ष महोदय, इस बारे में तो मन्त्री जी ही बताएंगे। ये तो यह बताएं कि टेलों पर पानी पहुंचा है या नहीं पहुंचा है। मैंने तो यह बात कही थी। (विघ्न) इसके अलावा मैं यहां पर यह बताना चाहता हूं कि आज हरियाणा में जमीदारों के लिये बड़ी खुशी की बात है क्योंकि हरियाणा में गन्ने का रेट सभी स्टेट्स से ज्यादा दिया जा रहा है। हमारे जमींदार दूसरी स्टेटस में जाकर यह कह सकते हैं कि हमें सभी स्टेट्स से ज्यादा गन्ने का रेट मिलता है। उपाध्यक्ष महोदय, हमारे विपक्ष के साथी यह कहना भूल गए कि हरियाणा में गन्ने की पैमेंट एक हफ्ते में दे दी गई है। पिछली सरकार के वक्त में गन्ने की पैमेन्ट डेढ़ डेढ़ साल तक भी नहीं दी जाती थी।

श्री जय सिंह राणा : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वयंट आफ आर्डर है। गन्ने की बात जो विधायक साथी कह रहे हैं इस सरकार ने किसानों पर कोई अहसान नहीं किया है। बल्कि इन्होंने दो रुपये रेट बढ़ा कर किसानों के साथ मजाक किया है। आज प्राईवेट मिलें अच्छे गन्ने का रेट 87 रुपये दे रही हैं जबकि इनकी सरकार 82 रुपये देती है। इनके रेट में और प्राईवेट मिलों के रेट में पांच रुपये का फर्क है जोकि शर्म की बात है।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयान : उपाध्यक्ष महोदय, मैं इनकी जानकारी के लिये बताना चाहता हूं कि हमारी सरकार ने जो गन्ने का रेट दिया है वह रेट आज से पहले किसी सरकार ने नहीं दिया है।

श्री नरेन्द्र शर्मा : उपाध्यक्ष महोदय, हमारी हरियाणा की जो गन्ने की मिलें हैं वह भारत में सबसे ज्यादा गन्ने का रेट दे रही हैं। हम यह बात मानते हैं कि शुरू में कुछ प्रोब्लम आई थी लेकिन वह प्रोब्लम इसलिये आई थी क्योंकि जमीदारों का काफी पैसा जो पिछली सरकार के वक्त का था, देना था, वह हमने दिया। लेकिन आज हम जमींदार को मिल पर ही चैक काटकर दे देते हैं जोकि आज से पहले किसी भी सरकार ने नहीं दिया है। उपाध्यक्ष महोदय, शराबबन्दी के बारे में भी यहां पर बात आयी। (विघ्न) हमारे ये भाई कहते हैं कि हरियाणा के अन्दर शराबबन्दी फेल है अगर वाकई यहां पर शराबबन्दी फेल है तो ये एक बूंद शराब पीकर दिखाएं या शराब बेचकर दिखाएं इनको पता चल जाएगा हरियाणा के अन्दर आज शराबबन्दी बिल्कुल कामयाब है। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष : नरेन्द्र जी, अब आप बैठें। अब कादयान साहब बोलेंगे। (विघ्न)

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयान : उपाध्यक्ष महोदय, आपका धन्यवाद कि आपने मुझे राज्यपाल महोदय, के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया। सदन के सभी सम्मानित सदस्यों ने शराबबन्दी के बारे में कहा। नरेन्द्र जी ने भी अभी मुझसे पहले

(श्री विजेन्द्र सिंह कादयान)

बोलते हुए शराबबन्दी के बारे में कहा। उपाध्यक्ष महोदय, जिन घरों में शराबबन्दी होने से पहले लोग शराब पीते थे आज शराबबन्दी के बाद उन घरों की महिलाएं बंसीलाल जी को पूजती हैं और कहती हैं कि "बंसी लाल तुम जियो हजारों साल"। इसलिये आप भी उनकी इस बात पर गौर फरमाएं। आपको शराबबन्दी के बारे में गलत बयानी करते हुए शर्म आनी चाहिए क्योंकि इतनी अच्छी स्कीम को भी आप लोग खत्म करना चाहते हैं। यही बात कल आपके नेता ने भी मानी लेकिन आज फिर आप इसको बढ़ावा देने की बात कर रहे हैं। (विघ्न) इसके अलावा उपाध्यक्ष महोदय, इस सरकार के बनने से पहले भजनलाल की सरकार ने और चौटाला की सरकार ने एक भी यूनिट बिजली पैदा करने का प्रबन्ध नहीं किया। लेकिन अब चौधरी बंसी लाल जी की सरकार ने 410 मेगावाट का एक गैस बैस्ड पावर प्लांट फरीदाबाद में लगवाने का काम किया है जो कि अपने आप में एक उदाहरण है। इससे पहले आज तक कभी भी इस तरह का सैंटर का प्रोजैक्ट हरियाणा में नहीं लगा है। यह एक रिकार्ड की बात है। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, मेरी शराबबन्दी की बात अधूरी ही रह गयी थी। शराबबन्दी के बारे में आपके सामने एक उदाहरण देता हूं जिससे साफ जाहिर है कि इनकी पार्टी के कार्यकर्ता और इनकी पार्टी के स्पोर्टर इस काम को कर रहे हैं। चुनाव में मेरे मुकाबले में जिस उम्मीदवार ने इनकी पार्टी से चुनाव लड़ा था उसके सगे भाई ने दारू बेची।

श्री अशोक कुमार : सर मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। उपाध्यक्ष महोदय, माननीय साथी ने कहा कि हमारी पार्टी के लोग शराब बेचते हैं। मैं आपके द्वारा इनको बताना चाहूंगा कि हमारे कुरुक्षेत्र के अन्दर एक एस0पी0 श्री रणधीर शर्मा ने जब वहां पर * * * * * भूतपूर्व डिप्टी स्पीकर के साले से शराब पकड़ी और उनके खिलाफ केस दर्ज किया तो उस एस0पी0 का तो वहां से यमुनानगर तबादला कर दिया और उनको मन्त्री का दर्जा दे दिया। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, जब यमुनानगर के अन्दर भी उस ईमानदार एस0पी0 ने एक मन्त्री के लड़के से शराब पकड़ी तो उसको फिर इस सरकार ने खुड्डेलाईन लगा दिया। जबकि अब ये शराबबन्दी की बात करते हैं।

श्री कर्ण सिंह दलाल : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। जो आदमी अपने आप को इस सदन में डिफैंड नहीं कर सकता उसका नाम कार्यवाही में नहीं आना चाहिए। इसलिये जो नाम इन्होंने लिया है वह कार्यवाही से निकाल दिया जाना चाहिए।

श्री उपाध्यक्ष : ठीक है यह नाम कार्यवाही से निकाल दिया जाए। (विघ्न)

---

* चेयर के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाल दिया गया।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयान : जहां तक शिक्षा की बात है इस साल 375 स्कूलों का दर्जा बढ़ाया गया है जिससे हरियाणा प्रदेश के बच्चे अच्छी शिक्षा लेंगे और अफसर बनेंगे । 1989 में जब चौधरी देवी लाल जी डिप्टी प्राईम मिनिस्टर थे तो वे इसराणा में एक कालेज के निर्माण के लिए पत्थर रख आए थे उस पत्थर पर कोई कार्य चालू नहीं किया गया है। अब जब चौधरी बंसी लाल जी मेरे हल्के में जन सभा करने गए तो उन्होंने जाकर उसके निर्माण के आदेश दिए और आज उस कालेज का निर्माण चालू है। इस प्रकार मैं आपको हमारी सरकार की उपलब्धियां बता रहा हूं। 1989 में जब चौधरी देवी लाल जी ने कालेज के निर्माण के लिए पत्थर रखा था और पैसे इकट्ठे किए गए थे वह रुपये तीन आदमियों के नाम जमा करा दिए गए थे अब जब उन आदमियों से पैसे देने के लिए कहा गया तो उन्होंने कहा कि पैसे तब देंगे जब आप यह ऐश्योर करें कि आप यह कहेंगे कि हमने अपने नाम पैसे जमा नहीं कराए। (घंटी)

श्री कृष्ण लाल : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है जैसा अभी बिजेन्द्र सिंह जी ने बताया । इस बारे में मैं बताना चाहता हूं कि 1989 में जब चौधरी देवी लाल जी उप प्रधान मन्त्री थे तो इसराणा आए थे और कालेज के निर्माण के लिए 10 लाख रुपए देकर गए थे वह पैसा बैंक में जमा है कमेटी बना रखी है और पैसा बाकायदा जमा है इसलिए जो इल्जाम इन्होंने लगाया है वह गलत और बेबुनियाद है।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयान : उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी देवी लाल जी 4 लाख रुपए मैचिंग ग्रान्ट स्कीम के तहत जमा करा गए थे और 3 लाख 51 हजार रुपए हल्के के लोगों ने दिए थे। यह पैसे डी0सी0 साहब को दिए गए। अभी जब चौधरी बंसी लाल जी इसराणा आए तो उन्होंने कहा कि अगर और पैसों की जरूरत पड़े तो उन लोगों से मांग लेना। जब पैसे मांगे गए तो वह भाई कहता है कि बंसी लाल जी यह कह दें कि मेरा नाम नहीं आएगा तो पैसे दूंगा।

श्री मांगे राम : बिजेन्द्र सिंह जी, आपका टाइम हो गया है आप बैठ जाएं।

श्री अध्यक्ष : टाइम हो गया है, यह मैंने देखना है आप मुझे गाइड नहीं कर सकते। मुझे दिखाई दे रहा है मुझे टाइम देखना आता है।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयान : उपाध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने नहरों की सफाई कराई है और टेलों पर पानी अब आसानी से पहुंचता है। इन शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री जगदीश नायर (हसनपुर, अनुसूचित जाति) : उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए आपका धन्यवाद। विपक्ष के सदस्य इस सदन को दो दिन से यह कहकर गुमराह कर रहे हैं कि क्या काम हुआ है। उपाध्यक्ष महोदय, इतने समय तक ये कहीं थे कि 31 साल के समय में केवल 863 मैगावाट बिजली की पैदावार कर पाये। जबकि चौधरी बंसी लाल जी की सरकार ने 18 महीनों के अन्दर ही 1180 मैगावाट

[श्री जगदीश नादर]

बिजली की पैदावार करने का काम शुरु कर दिया है। भगवान ने चाहा तो ये देख लेंगे कि जो हमारी सरकार ने 24 घन्टे बिजली देने का वायदा किया था वह भी पूरा हो जायेगा तब ये पब्लिक में जाकर क्या बोलेंगे और किस नाम पर वोट मांगेंगे। अब मैं बिजली के बारे में कहना चाहूंगा कि चाहे कांग्रेस की पार्टी वाले हैं या दूसरी पार्टी वाले हैं ये दोनों ही इस सदन को गुमराह कर रहे हैं और प्रेस में अपने ब्यान देना चाहते हैं कि हमने किसानों के लिए यह किया हमने किसानों के लिए वह किया। उपाध्यक्ष महोदय, अगर ये किसानों के सच्चे हमदर्द होते तो अब से पहले बिजली की पैदावार पूरी कर देते। उपाध्यक्ष महोदय, इनको याद होना चाहिए कि चौधरी बंसी लाल जी जब पहली बार हरियाणा के मुख्यमंत्री बने थे तो गांव-गांव में बिजली और सड़कों का जाल बिछाया था। मैं माननीय मुख्यमंत्री जी को अपने हल्के के लोगों की तरफ से धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने फरीदाबाद में 410 मैगावाट का गैस संयंत्र और पानीपत में 110-110 मैगावाट की चार यूनिटों का काम शुरु करवाया है। उपाध्यक्ष महोदय, यह कहते हैं कि हम सैंटर में होते तो यह करते। इनको याद होना चाहिए कि जब ताऊ देवी लाल जी सैंटर में देश के उप-प्रधान मंत्री थे तो हरियाणा प्रदेश के लिए एक चव्वनी का फायदा भी उन्होंने नहीं किया। ये सिर्फ अखबारों में छपवाने के लिए ये बातें कहते हैं कि हम किसानों के हमदर्द हैं। उपाध्यक्ष महोदय, इनको तो चौधरी बंसी लाल जी की खोजों से ज्ञान प्राप्त करना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक सिंचाई की बात है। इस बारे में चौधरी बंसी लाल जी को नया तजुर्बा है। माननीय बंसी लाल जी ने जो उपलब्धियां प्राप्त की हैं उसके बारे में इन लोगों को क्या पता है यह मेरे साथी गाड़ी में बैठकर चलें मैं अपने हल्के में इनको रजबाहे दिखाऊंगा। ये पब्लिक को गुमराह करने के लिए हाऊस में शोर मचाते हैं। इनका केवल एक ही काम है कि हाउस में शोर मचाना और नारेबाजी करना जिससे पब्लिक यह समझे कि ये किसानों के बहुत ज्यादा हमदर्द हैं और गरीबों के हमदर्द हैं। आज चौधरी बंसी लाल जी की सरकार से किसान खुश हैं क्योंकि इन्होंने नहरों का निर्माण करवाया है, रजबाहों की खुदाई करवाई है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं अपने हल्के हसनपुर के बारे में बताना चाहूंगा कि जब चौधरी भजनलाल जी की सरकार थी और चौधरी ओम प्रकाश चौटाला की सरकार थी उन दोनों सरकारों ने मेरे हल्के के साथ भेदभाव बरता है। पिछले बीस सालों में हमारे हल्के के लिए किसी सरकार ने कोई काम नहीं किया। चौधरी बंसी लाल जी की 18 महीने की सरकार ने जो काम किया है वह हर किसान जानता है। इन्होंने इन 18 महीनों में हमारे इलाके के लिए जितना काम किया है उतना दुनिया में किसी ने नहीं किया होगा। चौधरी बंसी लाल जी किसानों के सच्चे हमदर्द हैं। उपाध्यक्ष महोदय, ये भाई शराबबन्दी के बारे में कहते हैं कि हरियाणा में शराब जोर-शोर से चल रही है। (विघ्न) मैं आपके माध्यम से इनको बताना चाहता हूं कि चौधरी भजन लाल जी की दराज से शराब निकली थी। ये हम पर आरोप लगाते हैं? ये खुद शराब पीते हैं और शराब बेचते हैं। (शोर) विपक्ष में बैठे विधायकों को मैं बताना चाहता हूं कि अभी भी इनके कारखाने चल रहे हैं। ये भाई यह भी

कहते हैं कि हरियाणा सरकार शराबबन्दी के मामले में असफल रही है। लेकिन दूसरी तरफ ये भाई पब्लिक में जाकर के कहते हैं कि हमारा राज आ जाने दो, हम फिर से दारू खोल देंगे। इनकी तो ऐसी खराब सोच है। ये तो हमारी प्राचीन संस्कृति को भी बदलने के लिए तुले हुए हैं। अगर इनके हाथ में शासन आ जाता है तो शायद हरियाणा प्रदेश खत्म हो जाएगा। उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि इन्होंने कहा कि हम शराबबन्दी में सहयोग देना चाहते हैं। लेकिन मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि ये जरा बताएं कि एक भी सामने बैठे विधायक ने किसी दारू बेचने वाली गाड़ी को अपने हाथों से पकड़वाया हो। (शोर) पिछली बार माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने कहा था कि अगर विपक्ष का कोई साथी शराबबन्दी में हमारी मदद करेगा तो हम उसको पुलिस की मदद भी देंगे। लेकिन ये मदद तो क्या करेंगे, खुद भजन लाल जी की दराज से शराब मिली थी। उपाध्यक्ष महोदय, ये बाढ़ मुक्त हरियाणा प्रदेश की बात करते हैं। इनके समय में तो आपने देखा होगा कि बरसात का पानी कई महीने तक खेतों में खड़ा रहा। रोहतक में भी बरसात का पानी खड़ा रहा। हरियाणा आज भी वही है। बरसात आज भी वही है और जगह आज भी वही है लेकिन यहां पर बाढ़ का नाम कहीं नहीं है। (शोर)

श्री राम भजन माजरा : उपाध्यक्ष महोदय, यान ए प्वाइंट आफ आर्डर। हरियाणा में बाढ़ें आती थीं और उसके बावजूद भी फसल की बिजाई समय पर हो जाती थी लेकिन अब की बार तो हरियाणा में सिर्फ 30 से 35 प्रतिशत तक ही जमीनों में फसल की बिजाई हो सकी है क्योंकि खेतों में तो पानी खड़ा है। इस प्रकार से यह सरकार असफल रही है।

श्री जगदीश नायर : उपाध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि इनके समय में तो बाढ़ पर नियंत्रण ही नहीं हो पाता था तथा इस बार हमारे समय में वर्षा भी खूब हुई है लेकिन बाढ़ आने ही नहीं दी गई है। दूसरी ओर इन लोगों ने अपने समय में बाढ़ के नाम पर पता नहीं कितने पैसे का घोटाला किया होगा, ये लोग ही बता सकते हैं ? मैं इन भाईयों को यह कहना चाहता हूं कि इन के द्वारा बहुत ढिंढोरा पीटा गया तथा ताऊ जी ने भी राजस्थान में अपना ब्यान दिया था कि यदि मेरा राज आ गया तो मैं हरियाणा में 500 रुपए बुढ़ापा पैंशन कर दूंगा। (घंटी) लेकिन हमारी सरकार को देखो, यह सिर्फ ब्यानबाजी में ही विश्वास नहीं रखती है, बल्कि क्रियात्मक रूप से कुछ कर के भी दिखाती है। हमारी सरकार ने हर महीने की 7 तारीख को सभी प्रकार की पैंशन देना निश्चित किया हुआ है, जो कि लगातार अमल में है। उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए आपका धन्यवाद।

श्री धर्मबीर यादव : उपाध्यक्ष महोदय, थोड़ी देर पहले भागी राम जी ने सदन में कहा कि ऐलनाबाद में पी0 डब्ल्यू0 डी0 रैस्ट हाउस के लिए 9 फरवरी, 1988 को 14 लाख 7 हजार रुपए दिए गए थे। जिसमें कृष्ण लाल पुत्र नानक चन्द, ढाणी जाटान

[श्री धर्मवीर यादव]

निवासी माननीय सदस्य की पार्टी के वर्कर हैं तथा इनके अच्छे दोस्त हैं वे इस रैस्ट हाउस के लिए कोर्ट से स्टे ले आए और यह स्टे दिसम्बर 1994 में वेकेट हुआ है। इसकी प्रशासनिक एप्रूवल 34 लाख 19 हजार की दी गई है। इस रैस्ट हाउस पर 26 हजार के करीब पैसा खर्च हो गया है बाकी का कार्य कुछ समय बाद शुरु होगा। (शोर)

श्री दिलू राम (गुल्हा, अनुसूचित जाति) : उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में परसों जो पढ़कर सुनाया है उसमें मैं दो बातें कहने की इजाजत चाहूंगा। हाउस में जो बातें हो जाती हैं वे हमारी समझ के बाहर हैं क्योंकि जब से यह सरकार बनी, इससे लोगों ने बड़ी उम्मीदें लगा रखी हैं। बंसी लाल के बारे में लोगों को इतना विश्वास था कि इनकी करनी और कथनी में कोई फर्क नहीं है और इसी बिनाह पर लोग इनको सत्ता में लाए। लोगों को उम्मीद थी कि ये बंसी लाल वही पहले वाले हैं। इन्होंने लोगों से जो वायदे किए हैं, ये जो भाई चुनकर आए हैं और सत्ता में बैठे हैं क्या ये जानते हैं या ये अपने दिल पर हाथ रख कर कह सकते हैं कि इन्होंने कौन-कौन सी वायदा पूरा किया है। शराबबन्दी की बात को लीजिए, हम मानते हैं कि शराब एक बुरी चीज है। अपने हरियाणा से तो यह कम से कम दूर रहनी चाहिए। लेकिन जिस प्रकार से इस सरकार ने उसके लिए कदम उठाए हैं उसमें पूरे कामयाब नहीं हुए हैं। मैं कहता हूं कि ये जितने एम0एल0ए0 और मंत्री यहां बैठे हैं पहले तो इनकी कसम खिलाई जाए कि ये स्वयं और अपने परिवार के अन्दर शराब नहीं लाएंगे। जब तक ये लोग खुद नहीं छोड़ेंगे तब तक ये किसी और को कैसे मना कर सकते हैं। (शोर) मैं अपने परिवार की कसम खाता हूं कि मेरे परिवार में कोई बीड़ी तक नहीं पीता, शराब तो बहुत दूर की बात है। जब तक हम अपने गिरेबान में नहीं झांकेंगे तब तक बात बनने वाली नहीं है। प्रिवैंसिज कमेटी की मीटिंग कई बार होती है और उसमें डी0 सी0 भी होते हैं। उस मीटिंग में मैं यह बात रखता हूं कि जब तक आपके साथ पब्लिक ओपीनियन नहीं होगा तब तक आप इस बात पर कायम नहीं हो सकते। अब मैं शराब के बारे में बात कहना चाहूंगा। हरियाणा के अन्दर ट्रक के ट्रक शराब के आते हैं चाहे वे चोरी से आते हैं और चाहे वे सरकार की मिलीभगत से आते हैं इस बात का मुझे पता नहीं है लेकिन हम इस शराब को बंद करने के लिए सरकार के पक्ष में हैं कि सरकार इसको बन्द करने के लिए सख्त से सख्त कदम उठाए। जो भी व्यक्ति शराब के मामले में संलिप्त पाए जाएं उनके खिलाफ सख्त से सख्त एक्शन लें वे चाहे एम0एल0ए0 हैं, चाहे वे किसी एम0एल0ए0 के भाई हैं और चाहे किसी एम0एल0ए0 के रिश्तेदार हैं। अगर यह सरकार कोई अच्छा काम करती है तो ठीक है हम उसका यश करेंगे और यदि यह सरकार कोई गलत काम करती है तो उसकी लौहीन सुनने का मादा इनमें होना चाहिए। डिप्टी स्पीकर साहब, इस सरकार ने कहा था कि नहरों की टेलों पर पानी पहुंचाएंगे। मेरे हल्के में शायद 12 टेले हैं। आज उन टेलों की यह हालत है कि जहां तक उनमें पहले पानी जाता था इस समय वह पानी

वहां से 10 किलोमीटर पीछे रहने लग गया है। यह रिकार्ड की बात है। मैं यह बिल्कुल झूठ नहीं बोल रहा हूं। यहां तक कि वहां पर जो रजबाहे थे उन रजबाहों को कुछ लोगों ने जोत लिया है क्योंकि उनमें पानी नहीं आता है और आबियाना उनको देना पड़ता है। डिप्टी स्पीकर साहब, मेरे ऊपर एक बार हजार रुपए का मामला आया हुआ है क्योंकि मैंने एक एग्रीमैंट लिख कर दे दिया था कि राइस मूट लगा है मैंने उनको कहा कि भाई पानी तो आया नहीं वह कहने लगे कि आपने एग्रीमैंट दे रखा है मैंने कहा वह तो दे रखा है इसलिए मुझे पैसा देना पड़ेगा। मेरे कहने का मतलब है कि हवाई फायर करने से या लच्छेदार बात करने से पब्लिक खुश नहीं होगी पब्लिक तो काम चाहती है और जब यह सरकार पब्लिक का कोई काम करती है तो यह उन पर कोई अहसान नहीं करती पब्लिक का काम करने की सरकार की जिम्मेदारी बनती है। यह नहीं है कि यदि सरकार पब्लिक के काम करती है तो यह उन पर कोई अहसान करती है। पब्लिक ने आप लोगों को चुन कर यहां भेजा है। डिप्टी स्पीकर साहब, जब भी कोई अपोजिशन का विधायक बोलता है तो उधर से मंत्री बीच में खड़े हो कर बोलने शुरु हो जाते हैं। मैंने यह सदन में पहली बार देखा है। ये दो तीन मंत्री बैठे हैं जो एकदम बोलने के लिए खड़े हो जाते हैं। मैं 1982 में पहली बार चुन कर आया था तो उस समय सदन के अन्दर यदि विपक्ष का कोई मैम्बर बोलता था तो सत्ता पक्ष का कोई एम0एल0ए0 ही खड़ा हो कर बीच में टोकता था लेकिन अब तो मंत्री बीच में खड़े हो कर बोलने लग जाते हैं। यह बड़ी हैरानी की बात है। डिप्टी स्पीकर साहब, सही मायनों में इनकी जो बुराईयां हैं जो कमियां हैं अगर हम उनकी बुराई नहीं करेंगे तो जनता हमें क्या कहेगी? वैसे ये हवाई घोड़े पर सवार हैं इनको कुछ दिखाई नहीं देता है क्योंकि पावर का नशा ऐसा ही होता है।

श्री कर्ण सिंह दलाल: डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है। चौधरी धीरपाल जी सदन में बैठे हैं। दिलू राम जी पिछली दफा इस सदन के सदस्य नहीं थे इसलिए इनको उस समय की सरकार के रवैये का पता नहीं है। हम पिछले सदन में विधायक थे और विपक्ष में बैठा करते थे। उस समय आपकी पार्टी के नेता चौधरी भजन लाल जी मुख्य मंत्री हुआ करते थे। वे हमें सदन से उठा उठा कर बाहर फैंकवाया करते थे। इतना ही नहीं वे हमारे खिलाफ झूठे मुकदमे भी दर्ज कराया करते थे। हमें यहां पर बोलने की इजाजत नहीं दी जाती थी। आप किस मुंह से यह बात कह रहे हैं। आज आपके नेता प्रजातन्त्र की बात करते हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, आपने बहुत उदारता दिखाई है आपने सदन के एक-एक सदस्य को बोलने का पूरा मौका दिया है। सारी सरकार इनकी बात सुनने के लिए बैठी हुई है। हमारी सरकार का एक-एक मंत्री इनकी बात सुनने के लिए यहां पर बैठा हुआ है।

श्री दिलू राम: आपने कौन सी कसर छोड़ी है आपने भी उनको सदन से बाहर निकाल दिया था। आपने बदला ले लिया। (शोर)

श्री उपाध्यक्ष: दिलू राम जी, आप दो मिनट में अपनी बात समाप्त करें।

श्री बिल्लू राम : डिप्टी स्पीकर साहब, जहां तक बिजली की बात है इन्होंने कहा था हम किसानों को पूरी बिजली देंगे। किसान सरकार की रीढ़ की हड्डी है किसानों पर सारा कुछ चलता है। मैं भी किसान हूं। आज हरियाणा प्रदेश के किसानों की बहुत दुर्दशा हो रही है। आज किसानों के साथ जो ज्यादती हो रही है वह सही बात है मैं इसके लिए कसम उठाने के लिए तैयार हूं।

श्री कर्ण सिंह दलाल : आप यह तो बताएं कि किसानों के साथ क्या ज्यादती हुई है? (शोर)

श्री बिल्लू राम : डिप्टी स्पीकर साहब, 8 घंटे बिजली आती है तीसरे दिन एक दिन छोड़ कर इस हिसाब से चार घंटे हो गए। इसके अलावा अगर कोई आदमी रूरल एरिया में अपनी इंडस्ट्री लगाएगा तो उसको चार घंटे बिजली मिलेगी और अगर कोई आदमी शहर में इंडस्ट्री लगाएगा तो उसको 20 घंटे बिजली मिलेगी। एक तरफ तो कहा जाता है कि शहरों की प्लान रोकी जाए और गांवों की तरक्की की जाए तो ऐसा करने से गांवों की तरक्की कैसे हो सकती है। एक आदमी को 20 घंटे बिजली मिले और एक आदमी को 4 घंटे बिजली मिले यह कहां का इन्साफ है। जिस आदमी को 4 घण्टे बिजली मिलेगी तो वह अपनी इण्डस्ट्री का या दूसरा काम कैसे कर पायेगा? वह तो लाईट न मिलने के कारण मारा जायेगा। शहर में लाईट 24 घण्टे मिलती है जबकि गांव में रहने वाले लोगों को 4-5 घंटे लाईट मिलती है। वे बेचारे सारी रात बिजली न मिलने की वजह से, मच्छरों के कारण व गर्मी के कारण कलपते रहते हैं। जब हम अधिकारियों को कहते हैं कि बिजली गांवों में दें तो कहते हैं कि हमें अधिकार नहीं है। मैं पूछना चाहता हूं कि क्या शहरों में इंसान रहते हैं और देहात में मोलड़ बसते हैं। (शोर एवं विघ्न) अब मैं सड़कों की हालत के बारे में कहना चाहूंगा। मेरे हल्के गुहला के अन्दर सड़कों की बहुत बुरी हालत है। (विघ्न)

वैयक्तिक स्पष्टीकरण

कृषि मंत्री द्वारा—

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय आन ए पर्सनल एक्सप्लेनेशन मैंने यह बिल्कुल नहीं कहा कि सरकार करोड़ों रुपए विकास के नाम पर विधायकों के हल्के में खर्च करेगी। मैंने यह कहा था कि पिछली सरकार ने विधायकों को 50-50 लाख रुपये के नाम से जो पैसे तरक्की के काम के लिये देने की स्कीम चालू की हुई थी, उसका गलत तरीके से इस्तेमाल हो रहा था। मैं यह कहना चाहता हूं कि सरकार दूसरे तरीके से करोड़ों रुपए के विकास के कार्य कर रही है। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए।)

श्री जय सिंह राठी : मैं यह कह रहा हूं कि विकास के नाम पर जो ये कह रहे हैं कि हम करोड़ों रुपए खर्च कर रहे हैं, उस का यूज कैसे जे0ई0 से लेकर ऊपर के अधिकारियों तक हो रहा है वह सबको पता है। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार के सभी अधिकारी और कर्मचारी जिम्मेवार हैं सारा काम हमने इन्हीं से लेना होता है। ये सभी सही काम कर रहे हैं। आप के समय में जो पैसा मिलता था वह तो विकास के नाम पर लगता ही नहीं था बल्कि इनके कार्यकर्त्ता ही उस पैसे को खा जाते थे। ये सारे पैसे को अपने कार्यकर्त्ताओं में बांट देते थे। (शोर एवं विघ्न)

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री दिलू राम : स्पीकर साहब, इस डैमोक्रेसी के अन्दर सबको अपनी बात कहने का अधिकार है। सतनाली के अन्दर वहां के जमींदार और किसान इकट्ठे होकर अपनी बात कहना चाहते थे लेकिन इस सरकार ने वहां पर गोलियां चलवा कर खून की होली खेली। (शोर एवं विघ्न) ये कहते हैं कि आपने गलत काम किये। मैं इनको बताना चाहूंगा कि हमारे से कुछ गलतियां हुई हैं तभी तो हम उधर की बजाये इधर बैठे हैं नहीं तो हम वहीं पर होते। यदि आप भी इसी प्रकार की गलतियां करते रहे तो आप भी इसी जगह पर आकर बैठोगे जहां पर हम बैठे हुए हैं।

श्री अध्यक्ष : श्री दिलू राम जी, अब आप बैठिए, आपका समय हो गया है। अब श्री सिरी कृष्ण हुड्डा बोलेंगे।

श्री सिरी कृष्ण हुड्डा (किलोई) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, उसके लिए मैं आपका आभारी हूं। स्पीकर सर, चुनाव से पहले मुख्य मन्त्री जी ने हरियाणा प्रदेश के लोगों से बहुत वायदे किए थे कि 24 घण्टे प्रदेश के लोगों को बिजली मिलेगी, 48 घण्टे में खराब ट्रांसफारमर को बदला जाएगा, एक महीने के अन्दर ट्यूबवैल के लिए कनैक्शन दिया जाएगा लेकिन आज यह हालत है कि लोगों को न तो बिजली मिलती है, न ट्रांसफारमर बदले जा रहे हैं और न ही इन 18-19 महीनों में किसी को ट्यूबवैल का कोई कनैक्शन ही दिया गया है। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश एक एग्रीकल्चर प्रदेश है और यहां के लोग कृषि पर निर्भर करते हैं। स्पीकर सर, पिछले साल बहुत ज्यादा बरसात हुई थी और किसानों की भूमि पर पानी खड़ा रहने के कारण उनकी जमीनों में बिजाई नहीं हो पाई, फलड का पानी उनके खेतों से न निकलने के कारण और अधिक बरसात के कारण ऐसे किसान भी हैं जो कि अपनी जमीन का एक एक किल्ला भी बुआई नहीं कर पाए हैं तो उन किसानों के बच्चे साल भर क्या खाएंगे। पिछली सरकार ने ऐसे किसानों को जिनकी बुआई नहीं हो पाई थी तीन हजार रुपये की दर से मुआवजा दिया था इसलिए सरकार से मेरी गुजारिश है कि उन किसानों को जिनकी जमीन में बुआई नहीं हो पाई है मुआवजा दिया जाए (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, सरकार ने फलड के बारे में काफी पैसा खर्च किया था। बरसात के समय में सरकार ने लाखों रुपए खर्च किए। मेरे हल्के की एक रिठान ड्रेन है उस ड्रेन पर सरकार ने एक अधिकारी को भी भेजा और 60-70 लाख रुपए उस पर खर्च भी हुए हैं लेकिन उससे कोई भी फायदा हल्के के लोगों को नहीं हुआ है। 60–70 लाख रुपये इस ड्रेन से पानी निकालने के लिए खर्च किए

[श्री सिरी कृष्ण हुड्डा]

गए थे लेकिन इस ड्रेन से पानी तो क्या निकलना था और गांवों का पानी भी इस में आने लगा है। अध्यक्ष महोदय, जिस प्रकार पुराना सिस्टम था कि पम्पिंग सैटों के द्वारा पानी को पम्प करके निकाला जाता था उसी सिस्टम से पानी को निकलवाने का प्रबन्ध किया जाए तभी किलोई हल्के के लोगों को कुछ राहत मिल सकती है। इस ड्रेन को 10-12 गांव अफैक्ट करते हैं। स्पीकर सर, इसी प्रकार से एक कटवाला लिंक ड्रेन है उस के ऊपर मुख्य मंत्री जी ने चीफ इन्जीनियर को भेजा था। उसकी खुदाई के लिए जमीन का मुआवजा भी बंट चुका है मुआवजा बंटे हुए 18 साल हो गए हैं मुख्य मंत्री जी ने आर्डर भी कर दिए हैं लेकिन अभी तक उस ड्रेन की खुदाई का काम शुरु नहीं हो पाया है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : हुड्डा साहब, उस जमीन का मुआवजा कौन से साल में बंटा था ?

श्री सिरी कृष्ण हुड्डा : वर्ष 1978-79 में नौ किल्ले जमीन का मुआवजा दिया गया था यह एक लिंक ड्रेन है और अभी इस पर 20-21 किल्ले जमीन की और खुदाई होनी है। मेरी प्रार्थना है कि इस 9 किल्ले जमीन की खुदाई जल्दी से जल्दी करवाई जाए और जो स्कीम है उसको अगले साल तक पूरा किया जाए ताकि उस हल्के के किसानों का भला हो सके। स्पीकर सर, शराबबन्दी के बारे में मैं कहना चाहूंगा कि हम लोग शराब बन्द करने के पक्ष में हैं, हम भी चाहते हैं कि प्रदेश के अन्दर शराब बन्द होनी चाहिए लेकिन सच्चाई यह है कि अभी तक शराब बन्द नहीं हुई है। पहले एक गांव में एक जगह पर ही शराब की दुकान होती थी लेकिन आज गांवों में 10-10 जगहों पर घरों में शराब बिकती है और 10-10 दुकानें शराब की खुली हुई हैं। सरकार को इस पर सख्ती से पाबन्दी लगानी चाहिए ऐसा न हो कि आने वाली पीढ़ी इसकी गुलाम हो जाए। आज प्रदेश के नौजवान शराब की तस्करी के धन्धे में लगे हुए हैं उनके पास काफी पैसा हो गया है जो कि अपराधों को जन्म देगा और उनके पास नाजायज हथियार भी काफी मात्रा में हैं इसका नतीजा यह होगा कि किसी भी शरीफ आदमी का राज्य में रहना मुश्किल हो जाएगा। एक माफिया गिरोह प्रदेश के अन्दर पनप चुका है, इसलिए सरकार को इस पर सख्ती से पाबन्दी लगानी चाहिए ताकि प्रदेश में कानून और व्यवस्था की स्थिति ठीक बनी रह सके। आजकल बहादुरगढ़ में बेवी कांण्ड की काफी चर्चा है। 12-14 केस बहादुरगढ़ में हो चुके हैं लेकिन अभी तक यह सरकार किसी भी आदमी को पकड़ नहीं पाई है। सरकार को इस बारे में सख्ती से काम लेना चाहिए। अगर कानून-व्यवस्था की स्थिति ऐसी ही चलती रही तो हमारा प्रदेश भी पंजाब और जम्मू-कश्मीर जैसा हो जाएगा और यहां पर शरीफ आदमियों का रहना मुश्किल हो जाएगा। अध्यक्ष महोदय, जब किसान सब-यार्ड में अपनी गेहूं या धान बेचने जाता है तो जो ऐजेन्सी उसको खरीदती है, वह ऐजेन्सी किसान का सारा भाड़ा अपने ऊपर वहन करती है। किसान से भाड़े के नाम पर कुछ नहीं लिया जाता है। लेकिन गन्ना मिलों में आधा भाड़ा किसान से लिया जाता है और आधा भाड़ा गन्ना मिल वहन करती है। इस तरह से किसानों के साथ ज्यादती की जा रही

है। जिस तरह से ऐजेन्सीज गेहूं और धान का भाड़ा वहन करती है उसी तरह से मिलों को भी गन्ने का भाड़ा वहन करना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, शहरों के विकास के लिए नगरपालिका में बहुत भेदभाव हो रहा है। रोहतक के अन्दर हुड्डा नई सड़कें बनाने का काम कर रहा है। अध्यक्ष महोदय, हाऊसिंग बोर्ड कालोनी, कमला नगर, शास्त्री नगर और रमपुरा हैं ये सब म्युनिसिपल कमेटी के अन्दर आते हैं। लेकिन वहां पर कोई सुविधा नहीं दी जाती है। इनके वार्ड बने हुए हैं, वार्ड के मैम्बर बने हुए हैं लेकिन जो हम लोग देहातों से इन जगहों पर आए हैं उनके साथ भेदभाव किया जा रहा है। इन कालोनियों में सड़कों के लिए और दूसरे कामों के लिए पैसा नहीं दिया जा रहा है। मैं मुख्यमंत्री जी से कहूंगा कि भेदभाव को खत्म करके सारे शहर के विकास को एक जैसा करें।

इसके बाद परिवहन के बारे में सरकार की जिम्मेवारी बनती है। सरकार को चाहिए कि जितनी भी सवारियां हैं उनके लिए बसों का प्रावधान होना चाहिए। अगर सरकार बसों का प्रावधान नहीं कर सकती है तो जो प्राईवेट स्कूटर या टैम्पो चलते हैं उनके प्रति नर्म रवैया रखना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, जब सवारियों को बसों में सीट नहीं मिलती तो वे टैम्पो वगैरह में बैठकर जाते हैं लेकिन सरकार टैम्पो वालों को बीच में ही रोक कर चालान कर देती है और उसमें जो सवारियां होती हैं उनको अपनी मंजिल तक पैदल जाना पड़ता है जिससे उन्हें प्रोब्लम होती है। मैं मुख्यमंत्री जी से कहूंगा कि या तो ये सभी सवारियों के लिए बसों का प्रावधान करें नहीं तो प्राईवेट स्कूटर और टैम्पो वालों के प्रति अपना रवैया नर्म रखें।

अध्यक्ष महोदय, इस सरकार को आए हुए 20 महीने हो गए हैं लेकिन वृद्धों की पेंशन के लिए जो फार्म छपने थे वे आज तक नहीं छपे हैं। क्या पिछले दो सालों में इस प्रदेश में 60 साल के वृद्ध नहीं हुए? लेकिन अध्यक्ष 18.00 बजे महोदय, आज तक किसी की भी नई पेंशन नहीं बनाई गई। बहुत पहले फार्म भरवाए गए थे लेकिन वे ऐसे ही पड़े हैं और किसी की भी नई पेंशन नहीं बन रही है। यह वृद्ध लोगों के साथ बहुत ज्यादती है। इसलिए मैं मुख्य मंत्री जी से निवेदन करूंगा कि वे इस तरफ ध्यान दें। अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री भी 6-7 महीने पहले मेरे हल्के किलोई में गए थे। वहां पर इन्होंने वहां की पी0एच0सी0 का दर्जा बढ़ाकर सी0एच0सी0 किया था। उस समय मैं तो उम्मीद कर रहा था कि मुख्यमंत्री जी अपनी बात पूरी करेंगे। पहले जो ये कहते थे उस पर पूरा उतरते थे। इन्होंने वहां पर सी0एच0सी0 तो बना दी लेकिन न वहां पर कोई कम्पाउडर है और न वहां पर कोई डाक्टर रहता है जिसकी वजह से उस इलाके के लोग दवाई के बगैर बीमारी की वजह से काफी परेशान रहते हैं। इस सी0एच0सी0 की बिल्डिंग भी टूटी पड़ी है। आठ महीने हो जाने के बाद भी चौधरी साहब का आश्वासन पूरा नहीं हो रहा है क्योंकि वहां कोई काम नहीं हो रहा है। इसी तरह से पी0डब्ल्यू0डी0 मंत्री जी यहां पर बैठे हैं। मेरे हल्के में काफी सड़कें टूटी पड़ी

[श्री सिरी कृष्ण हुड्डा]

हैं कहीं पर भी आने जाने का रास्ता नहीं है। लोग अब सड़कों को छोड़कर दूसरे रास्तों से जाने लगे हैं क्योंकि सड़कों का बहुत बुरा हाल है इसलिए मैं उनसे कहूंगा कि वे हमारे यहां की सड़कों की रिपेयर करवाएं। अध्यक्ष महोदय, अंत में आपने मुझे जो बोलने का समय दिया, इसके लिए पुनः आपका धन्यवाद ।

श्री अध्यक्ष : अब श्री रमेश कश्यप बोलेंगे।

श्री कृष्ण लाल : अध्यक्ष महोदय, आप मुझे भी बोलने के लिए समय दीजिए।

श्री अध्यक्ष : अभी आप बैठें। अब रमेश जी बोलेंगे।

श्री कृष्ण लाल : अध्यक्ष महोदय, अगर आप मुझे बोलने के लिए समय नहीं देंगे तो मैं इसके विरोध में सदन से वाक आउट कर जाऊंगा। यहां पर बोलना मेरा अधिकार है।

श्री अध्यक्ष : आपके अधिकार का यहां कोई हनन नहीं कर रहा है। अभी आप बैठें। अभी आपको कोई टाईम नहीं मिलेगा चाहे आप जाएं या बैठे रहें।

श्री कृष्ण लाल : अध्यक्ष महोदय, मुझे पिछले 18 महीनों में आपने कभी बोलने का समय ही नहीं दिया है। (विघ्न)

श्री धीरपाल सिंह : सर, हमें आप पर पूरा भरोसा है।

श्री कृष्ण लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं विधान सभा का मैम्बर हूं और दूसरी बार चुनकर आया हूं इसलिए आप मुझे बोलने का समय दीजिए। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : अभी आप सभी बैठें। (विघ्न) श्री कृष्ण लाल जी, पिछले दस साल का रिकार्ड उठाकर आप देख लीजिए। कभी भी विपक्ष के सदस्यों को चाहे आपकी सरकार रही हो या भजन लाल जी की सरकार रही हो, इतना समय बोलने के लिए नहीं मिला है। यह जरूरी नहीं होता कि सबको बोलने का समय मिल जाए। मैंने आपकी पार्टी के उपनेता जो कि आपकी पार्टी के प्रधान भी हैं, से बात की हुई है। हम सबको दस मिनट का बोलने के लिए समय देंगे।

श्री धीरपाल सिंह : ठीक है जी, हमें आप पर पूरा भरोसा है हम आपको नाराज नहीं करना चाहते।

श्री अध्यक्ष : अगर फिर भी ये जाना चाहें तो जाएं इससे मेरी सेहत पर कुछ असर नहीं पड़ता। रमेश जी अब आप बोलें। कृष्ण लाल जी को भी बोलने का समय मिलेगा।

श्री रमेश कश्यप (घरौंडा) : अध्यक्ष महोदय, आपने जो मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बहस में हिस्सा लेने के लिए समय दिया, उसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। सर, हम तो पहली बार चुनकर आए हैं लेकिन जो पहली या दूसरी

बार चुनकर आए हैं उनका व्यवहार देखकर के मन में चिंता होती है, मन में दुख होता है कि हम आए किस काम के लिए हैं और कर क्या रहे हैं तो मैं सिर्फ इतनी बात कहूंगा कि आप लोग और हम लोग जितने लोग यहां बैठे हैं यह चौथा सैशन है और एक चीज महसूस की है कि आरोप-प्रत्यारोप के अलावा यहां पर कुछ नजर नहीं आ रहा । लेकिन जिस हरियाणा की जनता की सुख और शांति के लिए उनकी उन्नति की बात करने के लिए हम यहां इकट्ठे हुए हैं उसमें पौजीटिव प्वाइंट्स की तरफ हम नहीं बोलते । विपक्ष के साथियों में भी कमियां होंगी और हमारे में भी कमियां होंगी और उन कमियों को उजागर करने का उनका अधिकार है लेकिन क्या हमारे अंदर कोई खूबियां भी हैं, कोई काम हम हरियाणा की जनता के लिए, जिसने हमें चुनकर भेजा है, कर भी रहे हैं । यह भी हमें सोचना है । मैं शराबबंदी के बारे में कहना चाहूंगा कि इसमें कमियां अवश्य होंगी, पूरी नहीं कर पाए होंगे लेकिन हमने इस हरियाणा प्रदेश के नौजवानों के चरित्र निर्माण की दिशा में कदम जरूर बढ़ाया है । पिछली सरकारों के समय में हर साल शराब की खपत बढ़ती थी । नौजवान दूसरों को देखकर शराब की आदत डाल लेते थे। वह तो कम से कम बंद हुई होगी । शराब जो लोग पहले पीते होंगे वे भले ही पी रहे होंगे लेकिन नई जनरेशन तो इससे बच जाएगी । यह बात हमें सोचनी होगी । जिन परिवारों के सदस्य शराब पीते होंगे उनकी महिलाओं और बच्चों को शराबबंदी से जो खुशी मिली है उसका किसी ने वर्णन नहीं किया । मैं यह कहना चाहूंगा कि हमें हर दृष्टिकोण से सोचना चाहिए । अभी कांग्रेस की तरफ से व हलोदरा की तरफ से भी कर्मचारियों का बड़ा समर्थन किया गया और कहा गया कि उनके साथ बड़ी नाजायज बात हो रही है । लेकिन जय सिंह राणा ने बोलते समय कहा और धीर पाल जी ने भी एक बात का इंडीकेशन दिया कि एच0 एस0 ई0 बी0 के बिलों के अंदर बोगस बिलिंग हो रही है क्या कर्मचारी आंदोलन कर रहे हैं इसमें क्या उनकी कोई कमी नहीं है ? हम उनके किसी हक का समर्थन करते हैं लेकिन उनको भी अपनी कमी को मानना चाहिए । अभी जय सिंह राणा जी ने बोलते हुए एक बात कही कि 50-50 लाख रुपया हर विधायक को देने के बाद अफसरों को खाने के लिए छोड़ दिया गया । मिल-बांट कर खाने की बात की तो क्या यह सच्चाई है अगर सच्चाई है तो यह आज ही शुरु नहीं हुई होगी । (विघ्न)

श्री जसविन्द्र सिंह संधु : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट आफ आर्डर है । अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जिक्र किया कि पिछली सरकार के वक्त सभी विधायकों को 50-50 लाख रुपया अपने-अपने हल्कों में अपनी-अपनी मर्जी से खर्च करने के लिए दिए जाते थे तो मैं कहना चाहूंगा कि अध्यक्ष महोदय, तब आप भी हमारे साथ थे । विपक्षी सदस्य सत्ता पक्ष की हर उस बात का विरोध करते हैं जो उन्हें अच्छी नहीं लगती । पहले भी ऐसा होता रहा है कि जो अपोजिशन के विधायक थे और आज सत्ता पक्ष में बैठे हैं उन सभी लोगों ने उस पचास लाख रुपये का अपने हल्कों में

[श्री जसविन्द्र सिंह सन्धु]

उपयोग किया। यदि अब सत्ता पक्ष के लोग उस पचास लाख रुपये के बारे में विरोध करें तो यह अच्छी बात नहीं है। मैं तो यह कहूंगा कि उस पचास लाख रुपये वाली स्कीम को फिर से लागू किया जाना चाहिये, जो प्रत्येक विधायक को मिलते थे।

श्री रनेश कश्यप : अध्यक्ष महोदय, मैं ज्यादा समय न लेकर एक बात और कहना चाहूंगा। चौधरी रिसाल सिंह ने एक बात सदन में उठाई थी कि सरकार के हिसाब से शिडयूल्ड कास्ट के लोगों की जनसंख्या हरियाणा में 20 प्रतिशत है और बैकवर्ड क्लास की जनसंख्या 27 प्रतिशत है तथा एस0 सी0 और बी0 सी0 के लोगों की टोटल जनसंख्या हरियाणा में 47 प्रतिशत है। लेकिन एक बात उनकी ठीक थी कि जो रिजर्वेशन कैटेगरी की पोस्टें आज तक भरी नहीं गई हैं उनको भरा जाना चाहिये। मैं तो अपने ही साथियों से प्रार्थना करूंगा कि हमने एस0 सी0 और बी0 सी0 कैटेगरी की जो बात कही है उस पर जरूर ध्यान दें। क्योंकि 47 प्रतिशत जनसंख्या की उपेक्षा हम नहीं कर सकते। इस 47 प्रतिशत जनसंख्या के अन्दर किसान नहीं है। वे या तो मजदूर हैं या फिर कर्मचारी हैं इसलिए जनसंख्या के हिसाब से देखकर हमें उन चीजों को जरूर करना चाहिये। दूसरा मेरा प्वायंट स्लम एरिया के बारे में है। बहुत समय से सैंटर गवर्नमैंट से स्लम एरिया के लिए म्यूनिसिपल कमेटी में पैसा आता है लेकिन वह स्लम एरिया का पैसा स्लम एरिया के लिए कभी भी नहीं लगता। मेरी प्रार्थना है कि वह पैसा स्लम एरिया पर जरूर लगाया जाये ताकि उनके जीवन के स्तर में भी कुछ सुधार आये। मुझे पूरी अपेक्षा है कि हम लोग इस बात का ध्यान रखेंगे और उसको पूरा करेंगे। समाज में समरसता की बात की जाती है कि समाज में एकता और समानता हो। यह बात सभी चाहते हैं। कोई भी नहीं चाहता कि आपस में फूट हो * * * * * * * * * (शोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्ष : बैठिये, बैठिये, इनको कंप्लीट करने दीजिए।

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह हाउस की परम्परा रही है कि जो आदमी हाउस में आकर डिफैंड नहीं कर सकता, उसका नाम हमेशा एक्सपंज होता रहा है।

श्री अध्यक्ष : श्री देवी लाल जी का नाम कार्यवाही से एक्सपंज कर दिया जाये।

श्री रनेश कश्यप : अध्यक्ष महोदय, घरौंडा के 25 किलोमीटर के एरिया में कोई आई0 टी0 आई0 नहीं है या तो पानीपत में है या करनाल में। मेरा अनुरोध है कि

---

* चेयर के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाल दिया गया।

बरौंडा में एक आई0 टी0 आई0 जैसी संस्था जरूर खोली जाये ताकि गरीब लोगों के बच्चे उस संस्थान में रोजगार के कार्यक्रम तथा टैक्नीक सीखकर खुद अपना रोजगार चला सकें । एक छोटी-सी समस्या परिवहन मंत्री महोदय के ध्यान में लाने के लिए है जिसके लिए मैं इनको मिल भी चुका हूं । दिल्ली से इधर के लिए बसें आती हैं तो वे करनाल ही रुकती हैं बरौंडा नहीं रुकती हैं । जिससे बरौंडा से करनाल व पानीपत के कालिजों में जाने वाले लड़के-लड़कियों के लिए बहुत असुविधा हो जाती है । मेरी यह मांग है कि या तो महिलाओं के लिए करनाल से बरौंडा कोई स्पैशल बस लगवाई जाए या सभी बस कंडक्टरों को आदेश दिए जाएं कि वे बरौंडा में कम से कम एक जगह तो बसों को रोकें जिसके लिए कोई निश्चित स्थान होना चाहिए । यह नहीं होना चाहिए कि एक किलोमीटर आगे या पीछे उन बसों को रोका जाए । धन्यवाद ।

श्री चन्द्र भाटिया (फरीदाबाद) : अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं । अभी विपक्ष के साथी हमारी सरकार के बारे में बता रहे थे कि जब से यह सरकार बनी है, हरियाणा में विकास कार्य बंद हो गए हैं । मैं आपके माध्यम से माननीय साथियों को बताना चाहूंगा कि ये लोग भी सत्ता में रहे हैं और आज वही लोग कह रहे हैं कि हरियाणा में विकास कार्य नहीं हो रहे हैं । इनका यह कहना ठीक नहीं है । पिछली सरकारों के समय में जगह-जगह सड़कें टूटी हुई होती थीं तथा कोई विकास का काम नहीं होता था । लेकिन जब से चौधरी बंसी लाल जी मुख्यमंत्री बने तो इन्होंने हरियाणा में सड़कें पक्की करवाईं, बिजली के खम्भे जगह-जगह लगवा दिए । इस बारे में हरियाणा की जनता अच्छी तरह से जानती है । उसके बाद यहां पर जो सरकारें बनीं, उन्होंने कोई काम नहीं किया । लेकिन चौधरी बंसी लाल जी ने जो काम उस वक्त अधूरा छोड़ा था, पिछली सरकारों ने वह भी पूरा नहीं किया, जिसको हमारी सरकार पूरा करेगी । इस सरकार को बने हुए केवल 18 महीने ही हुए हैं, और ये भाई कह रहे हैं कि हरियाणा में कोई विकास कार्य नहीं हुआ है । मैं अपने हल्के फरीदाबाद के बारे में भी कुछ कहना चाहता हूं । वहां पर नगर निगम बना हुआ है लेकिन उस नगर निगम के ज्यादातर पार्षद कांग्रेस से हैं और वे विकास की तरफ कोई ध्यान ही नहीं दे रहे हैं । वहां पर सड़कों और नालियों की बहुत बुरी हालत है । इसकी जिम्मेवारी नगर निगम के पार्षदों पर आती है जो कि कांग्रेस पार्टी के हैं । जब हम वहां पर विकास की बात करते हैं तो वे विकास नहीं होने देते हैं । आज से तीन साल पहले नगर निगम का वहां पर चुनाव हुआ था जिसमें कांग्रेस को बहुमत मिला था और अभी तक वह निगम उन्हीं के हाथ में है । हरियाणा के अंदर भी जब कांग्रेस की हुकूमत थी तो उस समय भी इन्होंने विकास के नाम पर कोई कार्य नहीं किया । आज ये भाई भ्रष्टाचार की बात करते हैं । लेकिन ये खुद ही बताएं कि इनके समय में भ्रष्टाचार

[श्री चन्द्र भाटिया]

की प्रदेश में क्या हालत थी ? मैं आपके माध्यम से माननीय साथियों को बताना चाहता हूं कि जो विकास कार्य हमारी सरकार ने किए हैं, उन की इनको तारीफ करनी चाहिए । शराबबंदी के बारे में मैं कहना चाहूंगा कि हमारी सरकार ने शराब बंद की है । इसमें कुछ कमी जरूर हो सकती है लेकिन यह शराबबंदी का कदम केवल चौधरी बंसी लाल जी ही उठा सकते थे । आज तक प्रदेश में पूर्ण शराबबंदी लागू करने की किसी में हिम्मत नहीं थी । लेकिन हमारे यह साथी तो सिर्फ आरोप ही लगा सकते हैं । अध्यक्ष महोदय, मैं तो श्री रामबिलास शर्मा, माननीय शिक्षा मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने हमारे यहां स्कूल अपग्रेड करवाए हैं जो कि पिछली सरकारों के समय में अपग्रेड नहीं हो सके थे । मेरे अपने विधानसभा क्षेत्र के अन्दर प्रो0 रामबिलास शर्मा ने 3 स्कूल अपग्रेड कराए हैं । फरीदाबाद की जनता आज भी यह कहती है कि आज से पहले सरकारें सारे झूठे वायदे करती थी वह कोई वायदे पूरे नहीं करती थीं । स्पीकर सर, अभी सदन में बैठे हुए सदस्य यह कह रहे थे कि जब सरकार कोई काम करती है तो किसी पर अहसान नहीं करती । मैं यह कहना चाहूंगा कि यदि सरकार कोई काम करती है तो यह उसका फर्ज है । इसलिए जब सरकार कोई काम करे तो उसकी सराहना जरूर करनी चाहिए । फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र के अन्दर विकास की बात मैं कर रहा था उस क्षेत्र के अन्दर वहां के चुने हुए पार्षदों की कमी के कारण कोई विकास कार्य नहीं हो रहा है । मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना भी करना चाहूंगा कि फरीदाबाद के अन्दर जो पिछली बार इस विधानसभा के अन्दर मैंने बाटा के पुल की बात की थी, वे उस पुल को शुरु करवा दें । उसके लिए मैं कहना चाहूंगा कि उस काम को जल्दी पूरा किया जाए ताकि फरीदाबाद के लोगों को कोई दिक्कत न आए । फरीदाबाद के अन्दर पीने के पानी की समस्या बहुत ज्यादा है उसके लिए जो रैन्युअल योजना पिछले काफी समय से चल रही है पिछली सरकारों ने लम्बे चौड़े वायदे किए थे कि इस रैन्युअल योजना को पास करवाएंगे जिससे पानी की समस्या का समाधान होगा लेकिन कभी उन्होंने इस योजना के लिए कोई स्वीकृति नहीं दी । 4-5 महीने पहले मुख्यमंत्री जी फरीदाबाद में आए थे । हम लोगों ने और हमारे साथियों ने मिलकर उनसे प्रार्थना की थी कि फरीदाबाद में यह रैन्युअल योजना चालू की जाए तो उन्होंने वहां पर स्वीकृति दे दी कि इस योजना को चालू करें और फरीदाबाद के लोगों की पीने के पानी की समस्या का समाधान किया जाए । उसकी स्वीकृति उस समय मुख्यमंत्री जी ने दे दी थी इसलिए मैं चाहूंगा कि उस कार्य को जल्दी शुरु किया जाए ताकि आने वाली गर्मियों में लोगों को पानी की कोई दिक्कत न आए तथा पानी की समस्या का समाधान हो सके । स्पीकर सर, मेरे साथी अभी भ्रष्टाचार की बात कर रहे थे । फरीदाबाद के अन्दर पिछली सरकारों में ट्रक यूनियन का काम चलता था । ट्रक यूनियन के लोग जो ट्रक यूनियन के प्रधान होते थे वे मंत्रियों को पैसे की थैलियां पहुंचाते थे और ट्रक यूनियन चलाया करते थे । आम आदमी भी

उनसे परेशान था । जब बंसी लाल मुख्य मंत्री बने और उन्होंने नेक काम किए और उस ट्रक यूनियन को तोड़ दिया जितने भी ट्रक चलाने वाले हैं वे बंसी लाल को दुआएं देते हैं और कहते हैं कि एक ऐसी सरकार बनी है जिसके लिए हम बंसी लाल को धन्यवाद देते हैं । मैं ज्यादा न कहकर इतना ही कहना चाहूंगा कि फरीदाबाद के अन्दर सड़कों और नालियों की हालत बहुत खराब है । उसके लिए कांग्रेस के चुने हुए पार्षद ही जिम्मेदार हैं जो इन विकास के कार्यों को होने नहीं देते । स्पीकर साहब, मैं प्रार्थना करना चाहूंगा कि मुख्य मंत्री जी फरीदाबाद की तरफ ध्यान दें । जब वहां विधान सभा के चुनाव हुए थे उन चुनावों में फरीदाबाद की जनता ने अपने जिले की एक भी सीट कांग्रेस पार्टी या किसी दूसरी पार्टी को नहीं जाने दी सारी सीटें चौधरी बंसी लाल जी की झोली में डाल दी थी । अब जो लोकसभा के चुनाव 16 तारीख को होंगे उसमें भी हम विरोधी पक्ष के भाईयों को बता देंगे कि फरीदाबाद की जनता के वोट किसके डिब्बे में डलते हैं । स्पीकर साहब, अब मैं आपके माध्यम से परिवहन मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि मेरे क्षेत्र में कई बसों की जरूरत है । मेरे हल्के के गांव कबूलपुर और बांगरपुर की बसें बंद कर दी गई हैं जिसके कारण वहां के लोगों को बड़ी परेशानी हो रही है । आप उन बसों को दोबारा चलाएं । इसके अलावा मैं प्रोफैसर राम विलास शर्मा जी का धन्यवाद करना चाहूंगा कि उन्होंने मेरे हल्के के तीन स्कूल अपग्रेड कर दिए । मैं उनसे यह भी प्रार्थना करना चाहूंगा कि मेरे हल्के में दो स्कूल और अपग्रेड करने वाले हैं एक सकरौना गांव का है और एक गोछी गांव का है । मेरी उनसे प्रार्थना है कि उन स्कूलों को भी अपग्रेड किया जाए । इन शब्दों के साथ अध्यक्ष महोदय मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं ।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : अगर सदन की सहमति हो तो बैठक का समय आधा घंटा बढ़ा दिया जाए ।

आवाजें : ठीक है जी ।

श्री अध्यक्ष : बैठक का समय आधे घंटे के लिए बढ़ाया जाता है ।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अनिल विज (अम्बाला छावनी) : अध्यक्ष महोदय, विधान सभा के अधिवेशन के अवसर पर महामहिम राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाषण दिया मैं उसके बारे में अपने विचार प्रकट करने के लिए खड़ा हुआ हूं । राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर पिछले 10 या 11 घंटे से भिन्न-भिन्न नेताओं ने अपने विचार प्रकट किए हैं । अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय का अभिभाषण सरकार की नीतियों का प्रतिबिम्ब

[श्री अनिल विज]

होता है । राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में सरकार ने अपने कार्यकाल में क्या क्या कारगुजारियां की उसका लेखा-जोखा होता है उनका विवरण दिया जाता है और उसके साथ ही आगामी समय में सरकार अपने प्रदेश के जन कल्याण के लिए क्या क्या योजनाएं लागू करना चाहती है उसके बारे में बताया जाता है । अध्यक्ष महोदय, लगभग पिछले 10-11 घंटे से राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा चल रही है । लेकिन मैं समझता हूं कि जितनी गम्भीरता से, जितनी संजीदगी से, जितनी गहराई से उन विषयों पर चर्चा होनी चाहिए, जिनकी चर्चा राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में की है, वह चर्चा हम नहीं कर पा रहे हैं । मैं कहना चाहूंगा कि ऐसा लगता है कि आज देश में राजनीति का जो माहौल है उसका असर हमारे सदन पर भी पड़ा है । हमारे सदन के कुछ नेताओं ने इस अभिभाषण पर चर्चा करते वक्त अपने व्यक्तिगत राजनीतिक मुद्दों को उठाने की कोशिश की । इस पर गहराई से जाने की बजाय, संजीदगी से चर्चा करने की बजाय कई-कई घंटे यहां चुनावी वातावरण, का फायदा उठाने की कोशिश की गई है । मैं समझता हूं कि हमारे क्षेत्र की जनता हमें यहां पर इसलिए भेजती है कि जन कल्याण के कार्यों के बारे में हम गम्भीरता से अपनी बात करें । जो सरकार द्वारा जन कल्याण की योजनाएं चलाई जा रही हैं यदि वे सही हैं तो उनकी सराहना करें और यदि कहीं पर कुछ खामियां हैं तो उनके बारे में उनको चेंज करने के सुझाव पेश करें । अध्यक्ष महोदय, Democracy is a polity by majority बहुमत जिसको अधिकार देता है उसी को शासन करने का अधिकार है। हरियाणा की जनता ने, हरियाणा के जन-मानस ने बहुमत के आधार पर इस सरकार को 5 वर्ष के लिए शासन करने का अधिकार दिया है । सरकार ने अपना पद भार संभालते ही, जो चुनावी वायदे किए थे, उनको अमल में लाने की शुरु से ही कोशिश की है । लेकिन हमारे कुछ विपक्ष के भाईयों को इस सरकार द्वारा किये जा रहे विकास के कार्यों से तकलीफ हो रही है । क्योंकि शायद उनको लगता है कि जो काम हम इतने समय में सरकार में रहते हुए नहीं कर पाये वह काम यह सरकार इतने कम समय में यानि 18 महीने में क्यों करने जा रही है ? अध्यक्ष महोदय, अधिक से अधिक वक्ताओं ने बिजली की समस्या पर अपनी बात करने की कोशिश की है अधिकतर वक्ताओं ने कहा है कि there is a shortage of power. Our State is well placed State in the country. अध्यक्ष महोदय, हमारा प्रान्त दिल्ली से सटा हुआ प्रान्त है । यहां पर सड़कों का जाल बिछा हुआ है । हमारे यहां पर रेल की पटरियां हैं । हमारे यहां पर 3700-3800 रोडवेज की बसों का एक बड़ा बेड़ा है जिसके जरिये हम एक स्थान से दूसरे स्थान पर आसानी से आ-जा सकते हैं । हमारे यहां पर इन्टरनैशनल हवाई अड्डा है । हमारे यहां पर सारा इन्फ्रास्ट्रक्चर मौजूद है । यदि यहां पर कमी है तो बिजली की है। बिजली की कमी की वजह से ही जहां हमारा स्थान सारे देश में सब प्रान्तों से अच्छा होना चाहिए था, इस बिजली की कमी की वजह से नहीं हो पाया । कल विपक्ष

के नेता चौधरी ओम प्रकाश चौटाला अपनी बात कह रहे थे कि हमारे शासन में किसानों को 24 घंटे बिजली दी जाती थी । लेकिन अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहूंगा कि अगर आप आंकड़े देखेंगे तो आपको पता चल जायेगा कि अब पहले की अपेक्षा क्या स्थिति है ? वर्ष 1986-87 में हमारे पास 18 लाख 64 हजार कन्ज्यूमर्ज थे और इन्स्टॉलेशन की कैपेसिटी 1540 मैगावाट थी । वर्ष 1996-97 में हमारे पास 32 लाख 85 हजार कन्ज्यूमर्ज हैं और इन्स्टालेशन कैपेसिटी केवल 1760 मैगावाट है । मैं बताना चाहता हूं कि इन 10 वर्षों में 14 लाख 21 हजार कन्ज्यूमर्ज बढ़ गए और हमारी जनरेशन कैपेसिटी केवल 220 मैगावाट बढ़ी है ।

श्री जसविन्द्र सिंह सन्धु : अध्यक्ष महोदय, * * * * * * * * *

श्री अध्यक्ष : जसविन्द्र सिंह जी मेरी परमीशन के बगैर जो कुछ कह रहे हैं, उसे रिकार्ड न किया जाये ।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी बात को दोहराना चाहता हूं कि इन 10 सालों में 14 लाख 21 हजार कन्ज्यूमर्ज बढ़े और हमारे प्रदेश की बिजली की जनरेशन केवल 220 मैगावाट बढ़ी । अध्यक्ष महोदय इसमें बड़ी आसानी से समझा जा सकता है कि किसी प्रदेश की तरक्की के लिए बिजली को बढ़ाया जाना कितना जरूरी है । उस प्रदेश की अत्यधिक तरक्की हो सके उसके लिये बिजली का उत्पादन भी बढ़ाया जाना उतना ही जरूरी है । जिस शरीर में खून दौड़ता है उसकी नर्से काम करती है और उसका हीमोग्लोबीन अच्छा रहता है तो वह ठीक काम करता है उसी प्रकार से हमारी सरकार सबसे ज्यादा ध्यान बिजली की स्थिति को सुधारने की तरफ दे रही है और दिया है बिजली की स्थिति ठीक करने के लिए, बिजली की जनरेशन बढ़ाने के लिए, बिजली की ट्रांसमीशन के लिए और बिजली की व्यवस्था को ठीक करने के लिए और सब-स्टेशन्ज बढ़ाने के लिए इस सरकार ने महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम उठाए हैं । जिसके लिए महामहिम राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में भी जिक्र किया है । वर्ल्ड बैंक से 2400 करोड़ रुपये का ऋण भी मन्जूर हो चुका है । अध्यक्ष महोदय, वर्ल्ड बैंक एक ऐसी संस्था है जो अपना एक-एक कदम सोच-विचार कर और समझदारी से उठाती है । अगर वर्ल्ड-बैंक ने इतना ऋण मंजूर किया है तो यह इस बात का सर्टिफिकेट है कि हमारी सरकार बिजली के बारे में जो काम कर रही है वह बहुत सोच समझ कर कर रही है और सुधार ला रही है । अध्यक्ष महोदय, इसके बाद अधिकतर वक्ताओं ने शराब-बन्दी के बारे में अपनी बात कही है । अध्यक्ष महोदय, यह भी इस सरकार द्वारा उठाया गया एक ऐतिहासिक कदम है । इस बारे में बहुत चर्चा भी की जा रही है और कटाक्ष भी किये जा रहे हैं । अध्यक्ष महोदय, मैं भी इस बात को मानता हूं

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

[श्री अनिल विज]

कि शराब बन्दी को जितनी सफलता मिलनी चाहिए थी, उतनी सफलता नहीं मिल पाई है लेकिन केवल इसी एक आधार पर इस नीति को क्रीटीसाईज करना ठीक बात नहीं है । हमारी सरकार इस बात के लिए बधाई की पात्र है । हमारी सरकार ने महात्मा गांधी के सपने को साकार किया है । हमारे संविधान में जो डायरैक्टिव प्रिंसिपल्ज हैं उनमें भी शराब बन्द करने की बात कही गई है उसको हमने अपने प्रदेश में लागू किया है । लेकिन हमारे विपक्ष के साथी बार-बार इस बात की चर्चा करते हैं कि शराब बन्दी पूरी तरह से लागू नहीं हो पाई है । मेरे विरोधी पक्ष के भाई बार-बार यह कहते हैं कि शराब बन्दी में पूरी सफलता नहीं मिल पाई है । मेरे भाई दिलू राम जो इस समय सदन में नहीं बैठे हुए हैं उन्होंने बिल्कुल ठीक बात कही थी कि हम यहां पर बैठे हुए सभी लोग अपने-अपने गिरेबान में झांक कर देखें कि हम में से कितने लोगों ने शराब पीना छोड़ दी है उसके बाद ही कोई कारगर बात हो पाएगी । सबसे पहले हम अपने आप पर नजर डालें और अपने आप से पूछें कि शराब पीनी बन्द की है या नहीं । सही अर्थों में शराब बन्दी उसी दिन लागू होगी जब हम यहां पर बैठे हुए 90 के 90 लोग अपने शराब पीने पर पूरी तरह से पाबन्दी लगा देंगे तो शराब अपने आप बन्द हो जाएगी । अध्यक्ष महोदय, मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि जिस दिन हम 90 के 90 लोग शराब बन्द कर देंगे तो प्रदेश में शराब पर 100 परसैंट पाबन्दी लागू हो जाएगी । अध्यक्ष महोदय, केवल सरकार को दोष देना सरकार पर आरोप लगाना और सरकार का केवल इसलिए विरोध करना क्योंकि हम विरोध में बैठे हैं और विरोध हमें हर हाल में करना है, यह ठीक बात नहीं है । अध्यक्ष महोदय, विपक्ष का तो यह हाल है कि कोई भी बात कही जाए, उन्होंने उसमें अपना ही अर्थ निकालना है । इस बारे में मैं एक बात कहना चाहता हूं कि एक बार एक सोशल वर्कर गांव में जा कर लोगों को समझा रहा था कि शराब पीना गलत है और शराब पीने से यह-यह नुकसान होता होता है । जब अपनी बात वह लोगों को नहीं समझा पाया तो उसने शराब मंगाई और वह शराब कीड़ों पर डाली और उनको समझाया कि शराब डालने से कीड़े भी मर जाते हैं । लेकिन वे लोग जो कि शराब पीने वाले थे उन्होंने उसका अर्थ यह निकाल लिया कि शराब हमारे पेट के कीड़े मार देती है इसलिए हम शराब पीना जारी रखे हुए हैं । अध्यक्ष महोदय, हालांकि शराब बन्दी में कुछ कमियां हैं लेकिन यह पग उठा कर हमारी सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है और हमें पूरी उम्मीद है कि सरकार को इसमें पूरी सफलता मिलेगी लेकिन उसके लिए इस माननीय सदन के सभी साथियों के सहयोग की आवश्यकता है । जब तक आप सभी लोग इस कार्य में सहयोग नहीं करेंगे, तब तक इस काम में पूरी सफलता प्राप्त नहीं की जा सकती है । अध्यक्ष महोदय, अब मैं शिक्षा के विषय पर बात करते हुए माननीय शिक्षा मन्त्री जी को तथा इस सरकार को धन्यवाद देना चाहूंगा । इस सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में 375 स्कूलों का दर्जा बढ़ाया है । 112 प्राईमरी स्कूलों को

मिडल स्कूल, 120 मिडल स्कूल और 143 हाई स्कूलों का दर्जा बढ़ाया गया है। अध्यक्ष महोदय, इसके लिए मैं सरकार की जितनी भी सराहना करूं, वह थोड़ी है। अध्यक्ष महोदय, किसी भी क्षेत्र को समृद्ध बनाने के लिए उच्च-चरित्र की आवश्यकता होती है। शिक्षा के क्षेत्र में यदि हम साक्षरता का लक्ष्य प्राप्त कर लेते हैं तो लोगों की अधिकतर समस्याएं अपने आप हल हो जाएंगी। इस मामले में समाज-शास्त्रियों और शिक्षा-शास्त्रियों का भी यही मत है। अध्यक्ष महोदय, आप भी शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। मैं यह कहना चाहता हूं कि केवल शिक्षा का दर्जा बढ़ा देने, स्कूलों की गिनती बढ़ा देने से शिक्षा के क्षेत्र में सुधार नहीं हो सकता है। हमें सबको बैठकर शिक्षा के बारे में, शिक्षा देने के लिए सिलेबस और इसके ढांचे के बारे में सोचना चाहिए। आज हमारे सामने अधिक चुनौतियां हैं और उनके लिए हमें अपने विद्यार्थियों को तैयार करना है। आज हमारे प्रोरोगेटिव बदले हैं, आज हमारी प्रायोरिटीज बदली हैं। अध्यक्ष महोदय, आज हम सबको मिल-बैठकर शिक्षा में सुधार करने के लिए विचार करना चाहिए। आजादी से पहले जो शिक्षा हमारे देश में आरम्भ की गई थी उनकी जरूरतें और थीं, वे केवल सहयोगी पैदा करना चाहते थे। उनको और अधिक जिम्मेवारियां देने की जरूरत नहीं थी। उनको ऐसे आदमियों की जरूरत थी जो अंग्रेजों के काम में मदद कर सकें। लेकिन आज हमारी जरूरतें बदली हैं, आज हमें लीडर्ज पैदा करने हैं। आज हमें ऐसे नौजवान पैदा करने हैं जो सारे राष्ट्र की जिम्मेवारियों को संभाल सकें और समझ सकें। इसलिए आज की शिक्षा के ढांचे में मूलभूत परिवर्तन करने की आवश्यकता है। अध्यक्ष महोदय, आज भी प्रश्न काल में चर्चा हुई कि हमारे प्रान्त में शिक्षा के क्षेत्र में भेद-भाव हो रहा है वह भेदभाव सरकार को समाप्त करना चाहिए। मेरा विचार यह है कि हमारे प्रान्त में शिक्षा का एक ही सिलेबस होना चाहिए। चाहे वह हरियाणा एजुकेशन बोर्ड से हो, चाहे सी0बी0एस0ई0 से ऐफिलिएटिड हो। यानि कि ऐफिलिएशन एक ही बोर्ड की होनी चाहिए ताकि हम सब विद्यार्थियों को एक जैसी ही शिक्षा प्रदान कर सकें। अगर ऐसा होगा तो हमारे विद्यार्थी आने वाली चुनौतियों से निपट सकेंगे। अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय, ने अपने अभिभाषण में परिवहन और समाज कल्याण के बारे में बात कही है। हमारी सरकार ने ओल्ड एज पैंशन की सीमा 65 साल से 60 साल कर दी है और 70 हजार लोगों को इसका बैनिफिट दिया जा रहा है। अपनी बेटी अपना धन स्कीम के तहत 38 हजार लोगों को इसका लाभ दिया गया है। विडो पैंशन के तहत 2 लाख 33 हजार विडोज को इसका फायदा दिया जा रहा है। हैंडिकैप्ड पैंशन के तहत 42 हजार लोगों को फायदा दिया जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय, के अभिभाषण में नगर पालिका प्रशासन के बारे में बात कही गई है। इसमें बताया गया है कि 10वें वित्तायोग की सिफारिशों के अनुसार एक करोड़ रुपए नगरपालिकाओं में, 4.69 करोड़ रुपए का मलिन बस्तियों के सुधार के लिए खर्चा किया गया है। इसके बारे में मैं कहना चाहता हूं कि मलिन बस्तियों की स्थिति पर और अधिक ध्यान

[श्री अनिल विज]

देने की जरूरत है । जो बस्तियां मेरे शहर में हैं वे काफी देर से वहां पर बसी हुई हैं । उनकी काफी देर से मांग है कि उनसे कीमत लेकर उनको जगह का मालिकाना हक दे दिया जाए ताकि वे लोग उन जमीनों के मालिक बन सकें । अध्यक्ष महोदय, अगर ऐसा होगा तो उनकी काफी मदद होगी । अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से अपने क्षेत्र की अन्य समस्याओं के बारे में बात करना चाहूंगा । हमारे क्षेत्र में पिछले वर्ष मुख्यमंत्री जी ने आश्वासन दिया था कि वहां पर एक गवर्नमैंट कालेज खोला जाएगा और मैं इसके लिए उनका धन्यवाद करता हूं कि वहां पर वह कालेज कार्य कर रहा है । लेकिन मैं मुख्यमंत्री जी को यह कहना चाहूंगा कि उस कालेज में और सुधार करने की जरूरत है तथा वहां पर और अधिक एक्सपैंशन करने की जरूरत है । मैं चाहूंगा कि अगले सत्र से वहां पर साईंस की क्लासिज भी लगाई जाएं । अध्यक्ष महोदय, अम्बाला कैंट एक इम्पलाईज डोमिनैंट क्षेत्र है वहां पर शाम को शिक्षा प्राप्त करने वालों की बहुत बड़ी संख्या है । मैं यह भी चाहूंगा कि वहां पर पोस्ट ग्रेजुएटस के लिए इवनिंग क्लासिज खोली जाएं । इसमें सरकार को कोई खर्च नहीं करना पड़ेगा और बहुत से लोगों को उससे लाभ होगा । अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात कर्मचारियों के बारे में और कहकर अपना स्थान ग्रहण करना चाहूंगा । सरकार ने अपने वायदे के तहत कर्मचारियों को पांचवे वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप पूरी तरह उनको वेतनमान देने की घोषणा की है । लेकिन अभी भी उसमें कुछ ऐनोमलीज रह गयी हैं । मैं मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि वे इस बारे में कोई न कोई एक समिति जरूर गठित करें ताकि उनकी जो ऐनोमलीज अभी रह गयी हैं उनको दूर किया जा सके । कर्मचारी हर जगह से आज यह कहते हैं कि उनकी बात नहीं सुनी जाती तो मैं मुख्यमंत्री जी से निवेदन करूंगा कि उनको बातचीत का एक अवसर जरूर देना चाहिए और जो उनकी उचित मांगे हैं, उनको मान लिया जाना चाहिए । अध्यक्ष महोदय, आपने जो मुझे अपनी बात कहने का अवसर प्रदान किया, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूं ।

श्री अशोक कुमार (थानेसर) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे गवर्नर ऐड्रस पर बोलने के लिए समय दिया, इसके लिए आपका धन्यवाद । सर, कल से यहां पर गवर्नर ऐड्रस पर चर्चा चल रही है । इस अभिभाषण के अंदर काफी बातें कही गयी हैं । इसमें कहा गया है कि सरकार बिजली का सुधारीकरण कर रही है । अध्यक्ष महोदय, बिजली के क्षेत्र में और अधिक कार्य करने की बात इस अभिभाषण में कही गयी है । अभी मेरे से पहले बोलते हुए श्री अनिल विज ने भी बताया कि हमने अपने राज में 24 घंटे बिजली दी । उन्होंने यह भी कहा कि बिजली की मांग बढ़ गयी और प्रोडक्शन न बढ़ने की वजह से वे बिजली पूरी नहीं दे सके । स्पीकर साहब, इस बात का पता तो मुख्यमंत्री जी को लोगों से वायदा करने से पहले होना चाहिए था । ये लोगों के बीच में जाकर कहा करते थे कि मेरी सरकार बनने पर

लोगों को 24 घंटे बिजली देंगे और 24 घंटे के अंदर-अंदर ट्रांसफार्मर बदल दिए जाएंगे । मेरे से पहले बोलने वाले कई साथियों ने भी बताया कि बिजली आज कहीं पर भी नहीं मिल रही है । हमारा कुरुक्षेत्र जिला जो कि जीरी का उत्पादन करता है चावल उत्पादन का जिला है, वहां पर पिछले दिनों काफी बिजली की कमी रही जिसके कारण वहां के छोटे किसानों ने इंजन और जैनरेटर लगाए और फिर उसके बाद उन्होंने अपने ट्यूबवैल्ज से पानी निकाला । स्पीकर साहब, अभिभाषण में सिंचाई के बारे में भी कहा गया कि सरकार ने सिंचाई की पूरी योजनाएं बनायी हैं ताकि प्रदेश के अंदर किसानों का भला हो सके । अध्यक्ष महोदय, चुनाव से पहले मुख्यमंत्री जी कहा करते थे कि मैं एस0 वाई0 एल0 कैनाल बनवाऊंगा, गंगा का पानी हरिद्वार से यहां लाकर दूंगा और हमारे क्षेत्र में ये दादूपुर नलवी नहर बनाने की बात किया करते थे । अध्यक्ष महोदय, दादूपुर नलवी नहर हमारे लिए बहुत जरूरी है क्योंकि कुरुक्षेत्र जिले का पानी 70-80 फुट तक नीचे चला गया है और वहां के किसानों को अपने ट्यूबवैल्ज में इतनी ही नीचे मोटरें लगानी पड़ती हैं । बरसात के दिनों में ट्यूबवैल्ज में गैस बन जाती है जिसके कारण वहां पर कई किसानों की मौत हो जाती है । इसलिए मेरा मुख्यमंत्री जी से अनुरोध है कि दादूपुर नलवी नहर को शीघ्र बनाया जाए । अध्यक्ष महोदय, जब तक यह नहर नहीं बनती तब तक मुख्यमंत्री जी कुरुक्षेत्र जिले से इनका अत्याधिक लगाव के कारण यह काम कर सकते हैं । अध्यक्ष महोदय, कुरुक्षेत्र जिले से इनका अत्यधिक स्नेह रहा है । जब ये पहले मुख्यमंत्री हुआ करते थे तब ये नरवाना ब्रांच के ऊपर बड़े-बड़े ट्यूबवैल्ज लगाकर यहां का पानी अपने यहां खींच कर ले गए थे इसलिए कृपा करके अब मुख्यमंत्री जी तब तक उन ट्यूबवैल्ज को बंद करवा दें जब तक कि हमारी दादूपुर नलवी नहर नहीं बन जाती । अगर ये ऐसा नहीं करते तो हमारे कुरुक्षेत्र जिले की पूरी धरती बंजर बन जाएगी । अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा शिक्षा के बारे में भी अभिभाषण में कहा गया है कि सरकार ने 375 स्कूलज को अपग्रेड किया है यानी शिक्षा को बढ़ावा दिया । मुख्यमंत्री जी ने लोगों के बीच में भी और ऑन दी फ्लोर ऑफ दी हाउस भी कहा था कि हमने पंजाबी को दूसरी भाषा का दर्जा दे दिया है । अध्यक्ष महोदय, पंजाबी को दूसरी भाषा का दर्जा सिर्फ कागजों में ही दिया गया है क्योंकि असलियत में यह बात नहीं है । इन्होंने कहा था कि अगर पंजाबी पढ़ने वाला एक भी बच्चा होगा तो हम उस स्कूल में पंजाबी का टीचर लगा देंगे परन्तु अनेक स्कूलों में बीस या तीस बच्चे पंजाबी पढ़ने वाले हैं लेकिन सरकार ने वहां पर पंजाबी का टीचर नहीं लगाया है इसलिए मैं शिक्षा मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि वे ऐसे स्कूल में पंजाबी टीचर अवश्य लगाएं । अध्यक्ष महोदय, कानून व्यवस्था के बारे भी कहा गया । सरकार के लिए पहला काम कानून व्यवस्था ठीक रखना होता है । प्रदेश के लोग अमन और चैन से रहें यह सरकार की ड्यूटी होती है । पिछली सरकार के बारे में काफी कुछ कहा गया तो अब क्या किया गया है यह भी बताएं ? लॉ एण्ड आर्डर की सिचुऐशन प्रदेश में खराब है पिछले दिनों करनाल के पास तरावड़ी का एक उद्योगपति जिसका नाम

[श्री अशोक कुमार]

दौलत राम है वह करनाल से बैंक से पैसा निकाल कर ला रहा था। जी0 टी0 रोड पर उसके सिर पर चोट मार कर उससे 5 लाख रुपये खोंस लिए लेकिन अपराधियों का अब तक कोई पता नहीं लगा है। कुरुक्षेत्र का प्रवीण कुमार है उसका मुनीम करनाल से बैंक से पैसे लेकर निकला उससे 2 लाख 70 हजार रुपया खोंस कर ले गए लेकिन अपराधियों का इस केस में भी कोई पता नहीं चला। मेरा गृह मंत्री जी से अनुरोध है कि जी0 टी0 रोड के ऊपर कोई ऐसी मोबाइल व्यवस्था की जाए जिससे अपराधिक किस्म के लोगों को पकड़ा जा सके। आज कर्मचारियों के बारे में कहा जाता है कि हमने पांचवें वेतन आयोग की सिफारिशें मानकर कर्मचारियों के लिए बहुत अच्छा काम किया है लेकिन सारे कर्मचारी परेशान हैं क्योंकि वेतनों में काफी विसंगतियां हैं जैसा अभी विज साहब ने कहा कि उनकी बात को सुनकर उनकी जायज मांगों को माना जाए यह मेरा भी निवेदन है। अब मैं बिजली के बारे में बात करना चाहूंगा मेरे हल्के में पिपली के अंदर 132 के0 वी0 का सब-स्टेशन मंजूर हुआ था और पिछले विधान सभा सत्र में कहा भी था कि उसको बनाने जा रहे हैं परन्तु उस पर अब तक एक ईंट भी नहीं लगी। मेरा मुख्यमंत्री जी से अनुरोध है कि वे जल्दी से जल्दी इस काम को चालू करें। इसके साथ ही मेरा जनस्वास्थ्य मंत्री जी से अनुरोध है और कल उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा भी था कि जिन गांवों में 70 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन पानी की उपलब्धता है वहां पर घरेलू कनैक्शन दिए जाते हैं मेरे हल्के में कई गांवों में इतना पानी उपलब्ध है क्या वहां मंत्री जी घरेलू कनैक्शन देने का कष्ट करेंगे जवाब के समय बताने की कृपा करें। इसी प्रकार नगरपालिकाओं में सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति का मामला है जहां नगरपालिकाएं बनी हुई हैं वहां काफी समय से सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति नहीं हुई है जिसकी वजह से गंदगी फैली हुई है इसलिए शीघ्रातिशीघ्र सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति की जानी चाहिए। आज यह कहा जाता है कि हमने अपने किए हुए वायदे पूरे कर दिए हैं और बी0 जे0 पी0 के भाई कहते हैं कि 16 फरवरी आने दो दिखा देंगे। आज तो लोग यह कहते हैं कि बी0 जे0 पी0 तेरा फूल सूख गया बिन बिजली बिन पानी, जिसने फूल सुखाया तेरा उसका जिला भिवानी। अध्यक्ष महोदय, इन्हीं शब्दों के साथ आपका बहुत धन्यवाद करते हुए मैं अपना स्थान लेता हूं।

श्री जसविन्द्र सिंह संधु (पेहवा) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा हो रही है। गवर्नर साहब ने अपने अभिभाषण को पढ़ते हुए चुनाव आचार संहिता की धज्जियां उड़ाई उनका सरासर उल्लंघन किया उसकी वजह से हमें अभिभाषण का बहिष्कार करना पड़ा। अध्यक्ष महोदय, आपने सभी सदस्यों को बोलने के लिए दस-दस मिनट का समय निर्धारित कर दिया है इस दस मिनट की समय में मैं यदि सरकार की करतूतों का पर्दाफाश करूंगा तो मेरे अपने निर्वाचन क्षेत्र की बातें

रह जाएंगी और अब इन्हें 16 तारीख को जनता की अदालत में तो जाना ही है उस दिन इनकी करतूतों का जनता पर्दाफाश कर देगी। मैं सबसे पहले कानून और व्यवस्था के बारे में गोदारा साहब से निवेदन करना चाहूंगा।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष: यदि हाउस की सहमति हो तो बैठक का समय आधे घंटे के लिए बढ़ा दिया जाए।

आवाजें: जी हां।

श्री अध्यक्ष: हाउस का समय आधे घंटे के लिए बढ़ाया जाता है।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री जसविन्द्र सिंह संधू: अध्यक्ष महोदय, सन् 1991 में चौधरी भजन लाल जी की सरकार आई थी और तब से अब तक 8 लोगों के मर्डर हुए हैं जिनमें से एक भी मामला ट्रेस नहीं हुआ। पिछली मई या जून के महीने में भी दो आर0 एम0 पी0 डाक्टरों का मर्डर हुआ जिनमें से एक पेहवा और एक असमानपुर गांव का था। इसमें जो संलिप्त थे वह भी ट्रेस नहीं हुए हैं। रिश्वतखोरी के बारे में भी मैं आपके ध्यान में एक बात लाना चाहता हूं कि पेहवा के थाने में जो डी0 एस0 पी0 लगा रखा है वह गांव के भौजिज लोगों को थाने में बुलाकर उनको बेइज्जत करता है। पेहवा में आजकल रिश्वतखोरी चरम सीमा पर है। (विघ्न) वह बहुत बुरी तरह से लोगों से पेश आता है और मां-बहन की गालियां देता है जो कि उसको कानूनी अधिकार भी नहीं है। सरकार को उस डी0 एस0 पी0 पर नकेल डालनी चाहिये वरना पेहवा की बहादुर जनता इस बात को बर्दाश्त नहीं करेगी। एक बात मैं कृषि मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि पिछले एक-डेढ़ महीने में खराब मौसम की वजह से या खराब बीज या दवाई की वजह से या बारिश की वजह से गेहूं की बिजाई दो-दो बार करने के बाद भी गेहूं उग नहीं सकी और किसानों को दोबारा वहाई करके उसमें सूरजमुखी की बिजाई करनी पड़ेगी। मेरा कृषि मंत्री जी से अनुरोध है कि किसानों को मुआवजा देना चाहिये या फिर सूरजमुखी का बीज किसानों को बिल्कुल फ्री दिया जाये। तीसरी बात मैं माननीय मुख्यमंत्री जी के नोटिस में लाना चाहता हूं। इस प्रदेश की सत्ता संभालने के बाद माननीय मुख्यमंत्री जी पेहवा गये थे। उस समय मुख्यमंत्री जी ने पेहवा की जनता के सामने यह वायदा किया था कि जो यहां पर पट्टेदार हैं उनको उजड़ने नहीं देंगे। इसके बारे में मेरा आपसे अनुरोध है कि यदि सरकार की नीयत साफ है तो.....(विघ्न)

श्री बंसी लाल: अध्यक्ष महोदय, इस बारे में मैं अदालत के हुक्म से ऊपर नहीं जा सकता। मैंने ऐसा कभी नहीं कहा कि उनको उजड़ने नहीं देंगे। (विघ्न)

श्री जसविन्द्र सिंह संधु : यह बात पेपर में भी आई है। (विघ्न)

श्री बंसी लाल : पेपर वाले भी आप जैसे होंगे।

श्री जसविन्द्र सिंह संधु : मेरा आपसे अनुरोध है कि जिन लोगों ने जंगल को साफ करके आबाद किया है और जमीन को लेवल किया है उन लोगों को बसाने की जिम्मेवारी मुख्यमंत्री महोदय को लेनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने भी यह बात सरकार पर ही छोड़ दी है कि सरकार चाहे तो उन पट्टदारों को, जिनका पट्टा 20 साल के बाद खत्म हो गया है, आगे लम्बे समय तक पट्टे पर वे खेत दे सकती है। क्योंकि ऐसा मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश के लोगों के साथ वायदा किया था। जैसा कि दूसरे सदस्यों ने तथा विज साहब ने भी दोहराया कि 24 घण्टे बिजली देने की बात कही गयी। (विघ्न)

श्री बंसी लाल : मैंने नोट छापने और गांवों में बांटने का वायदा तो नहीं किया था।

श्री जसविन्द्र सिंह संधु : आपने 24 घण्टे बिजली देने का वायदा किया, गंगा के पानी को लाने की बात कही। अध्यक्ष महोदय, माननीय रामबिलास शर्मा जी भी इनके बहकावे में आ गये कि साल में दो बार गंगा जी में नहाने जाते हैं। अगर गंगा जी यहीं पर आ गई तो नारनौल में ही डुबकी लगा लिया करेंगे।

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। जत्थेदार जसविन्द्र सिंह हमारे पुराने साथी हैं। पिछली बार हमारे साथ ही चुनकर आये थे। जैसा इन्होंने पट्टेदारी पर जमीन देने वाली बात कही, वह बात मुख्यमंत्री जी के पास तो बाद में आई है पहले तो सरकार सुखदेव जी और हमारी पार्टी के कुछ वर्कर भी उनके इस काम से बड़े भारी बेचैन थे क्योंकि वहां पर कई सालों से यह जमीन लोगों को पट्टे पर काश्त करने के लिए दी जा रही थी लेकिन वह जमीन सरप्लस होती थी जोकि हिस्सों में बांट दी जाती थी और लैंडलैस लोगों को दी जाती थी। उस जमीन का विवाद वे सुप्रीम कोर्ट में ले गए और उस जमीन के विवाद का फैसला सुप्रीम कोर्ट से अभी तक नहीं हुआ है। हम इस बारे में माननीय मुख्यमंत्री महोदय के पास भी शिकायत लेकर गए। मुख्यमंत्री महोदय ने भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला होने के बाद उसके अनुसार ही कार्रवाई करेंगे। इनकी क्या कहें कि गुरु तो भागे और इनको चेला बनाने के लिए कोई और तैयार नहीं है। (हंसी) मैं जसविन्द्र सिंह जी को कहना चाहूंगा कि आप तो पंच-प्यारों में से थे। (विघ्न) आपको तो ऐसी बात नहीं बोलनी चाहिए।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात साफ कर देना चाहता हूं कि हमने पट्टेदारों से बात की है, तथा आगे भी हम ही उन से बात करेंगे, वे हम से बात करेंगे। इस मामले में फैसला भी होगा मगर हमें इनकी जमानत नहीं चाहिए। हम तो सीधे ही बात करते हैं। ये बीच में कौन होते हैं?

श्री जसविन्द्र सिंह संधु : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने मेरे हल्के से जो पहलवान खड़ा किया था, उसकी जमानत तो जब्त हो गई थी। पेहवा हल्के की जनता मुझे अपना नुमाईंदा समझती है, वहां से उन्होंने मुझे चुनकर के इस सदन में भेजा है। अगर मैं अपने हल्के की बातें यहां पर नहीं करूंगा तो फिर अपने हल्के के लोगों को क्या जवाब दूंगा जिन्होंने मुझे यह जिम्मेवारी आयद की है। उससे भी बढ़कर आने वाली 16 फरवरी के चुनावों में हम आपको बता देंगे कि आप किस भाव में बिकते हैं। आप एक सीनियर नेता हैं, आपको तो कम से कम ऐसी बातों का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं फिर कहता हूं कि हम इनको बीच में जामिन नहीं बनाएंगे। हमारी पट्टेदारों से सीधी बात चल रही है। ये तो बिगाड़ने वाले हैं, बनाने वाले नहीं हैं। ये खीर में नमक डालने वाले हैं।

श्री जसविन्द्र सिंह संधु : अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी ने 1996 के चुनावों में तो * * * बोलने का रिकार्ड ही तोड़ दिया।

श्री अध्यक्ष : यह झूठ शब्द रिकार्ड न किया जाए।

श्री जसविन्द्र सिंह संधु : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने पब्लिक में जाकर यह वायदा किया कि पैट्रोल-पम्पस दे दूंगा, गैस की एजैंसियां दे दूंगा। ये कह दें कि क्या इन्होंने यह बात नहीं कही है ? यह भी कहा कि 24 घंटे बिजली दूंगा, प्रदेश में पूर्ण शराबबंदी लागू कर दूंगा। लेकिन कुछ भी नहीं किया गया है। (शोर)

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं साफ करना चाहता हूं कि पैट्रोल-पम्पस और गैस की एजैंसियां देने के लिए हमने प्रधानमंत्री और संबंधित मंत्री को केन्द्र में चिट्ठी लिखी है कि हरियाणा प्रदेश में बेरोजगार युवकों की सोसाइटीज को ये दिए जाएं। क्योंकि ये चीजें तो भारत सरकार के ही अधिकार क्षेत्र में हैं। हम उन को बराबर याद भी करवा रहे हैं। (विघ्न एवं शोर)

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, ये अपने आपको पढ़ा-लिखा समझते हैं। अपने आपको बहुत ही इंटैलीजैंट समझते हैं। (शोर)

श्री अध्यक्ष : जसविन्द्र सिंह जी, आप अपनी बात एक मिनट में पूरी करें। इसके साथ ही साथ मैं यह भी क्लीयर कर देना चाहता हूं तथा खासकर मेरे बाईं ओर जो भाई बैठे हैं उनसे मैं निवेदन करना चाहता हूं कि आप ऐसे बोल रहे हैं जैसे कि पब्लिक में भाषण दे रहे हों। ये सदन है। यहां पर सीमा में ही बोलना चाहिए। साथियो, बुजुर्गो इत्यादि शब्द तो बाहर जाकर के ही बोलने चाहिएं। यहां हाऊस में ऐसे शब्द बोलना शोभा नहीं देता है।

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, ऑन ए प्वाएंट ऑफ आर्डर । इस मोहल्ले में से जब कोई बोलता है तो ऐसा लगता है कि जैसे रामलीला में कोई आदमी पर्दे के पीछे से बोलता हो । (विघ्न)

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I may make it clear that unparliamentary words should be avoided, otherwise they would not be recorded.

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, जब कोई विपक्ष का भाई बोलता है तो एक सदस्य इनके पीछे से जो इनके शुद्ध छोड़कर गए हैं लगातार वही बातें दोहराते हैं । कल से हम यहां सुन रहे हैं कि मुख्यमंत्री ने वायदे किए और मुख्यमंत्री ने ये वायदे पिछले एक महीने में कम से कम 100 जनसभाओं में दोहराए हैं । आज भी हम सारे वायदों को दोहरा रहे हैं । 24 घण्टे बिजली देने का वायदा हमने किया लेकिन उसके लिए हम दिन रात लगे हुए हैं यह बात इनको हजम नहीं हो रही है । 18 साल में किसी ने एक मैगावाट बिजली अतिरिक्त पैदा नहीं की, केवल 18 महीने में 1500 मैगावाट बिजली पैदा करने का काम कैसे शुरू हो गया है यह बात इनको हजम नहीं हो रही है । हर बात में मुख्यमंत्री की बात कह रहे हैं कि आप पेहवा गए थे और आज पेहवा जा रहे हैं । ले देकर के 16 फरवरी की बात करते हैं । मैंने कल चौटाला जी को भी बताया था कि ले देकर के कांशीराम जी और चौटाला जी अब क्या हलोदरा हो गए हैं । उनका कोई निशान नहीं है, कोई संविधान नहीं है । एक से ज्यादा चुनाव एक निशान पर लड़ते नहीं । बैठे-बैठे इनकी पार्टी को कोई पीछे से बदल देता है । अब कांशीराम के साथ मिलकर हरियाणा में 10 सीटों पर लोकसभा का चुनाव लड़ रहे हैं । जिस आदमी को ये प्रधानमंत्री बनाना चाहते थे, वह कहता है कि मेरा तो सम्मान नहीं है, मेरा आत्मविश्वास नहीं है मैं लोकसभा का चुनाव नहीं लड़ता क्योंकि उसको पता लग गया कि इन्होंने किरपा राम पुनिया, जी० डी० तपासे और चांद राम को भारत का राष्ट्रपति बनाने के लिए कहा था लेकिन ये बना नहीं पाए । करनाल में इनको कोई उम्मीदवार नहीं मिला तो ये दारा सिंह के पास पहुंचे । भाई जसविन्द्र सिंह से मेरा कहना है कि 16 फरवरी की बात मत करो । 16 फरवरी को अभी 20 दिन पड़े हैं । अभी हम भिवानी से इनके बारे में पता करके आए हैं । इन्होंने वहां क्या-क्या किया और इनका क्या हाल हुआ । पिछली बार भी इनका कोई खाता नहीं खुल सका । कल इनकी क्या हालत हुई ? भिवानी की सड़कों पर क्या हुआ ? वह भी ये बताएंगे । कल ये वहां जनसभाएं नहीं कर सके । हांसी रोड पर ट्रैफिक जाम कराया ताकि कोई रोना मच सके । आपसे मैं अनुरोध करूंगा कि आलोचना करना, गल्तियां बताना विपक्ष का फर्ज है लेकिन जब इनके पास कोई तर्क हो ये तभी आलोचना करें । पिछली बार भजन लाल जी ने माफी मांगकर जान छुड़ाई । पिछले सैशन में चौधरी भजन लाल ने कहा था कि भिवानी में शराब पीकर 12 आदमी मरे जब हमने कहा कि उनके नाम बताओ तो बोले वह कागज तो मेरे दिल्ली वाले कुरते की जेब में

रह गया 3 दिन बाद जब फिर पूछा गया तो बोले सिलीपरी ऑफ टंग हो गया और माफी मांगकर जान छुड़ाई। ये फिर 12 का अंक पकड़े हुए हैं। कल चौटाला जी ने भी 12 आदमियों का जिक्र किया। इस बारे में बातचीत में सारी बात आएगी तो मेरा अनुरोध है जिसको गधी मरी पड़ी हो उसको रिवाड़ी का भाड़ा नहीं करना चाहिए। इसलिए आप बार-बार 16 फरवरी की बात न करें। 16 फरवरी नजदीक ही है।

श्री धीर पाल सिंह : स्पीकर साहब, हमें शिक्षा मंत्री जी से काफी आशाएं थी लेकिन उन्हें हमारी पार्टी और बी0एस0पी0 में समझौता होने से पता नहीं किस बात की पीड़ा हुई। हमारा आपस में समझौता होने से पता नहीं ये इतने बेचैन क्यों हैं ? करनाल में इनकी रैली जिस ढंग से फेल हुई, उसका आपको पता है। मैं कहना चाहता हूं कि यह सदन चुनावी मुद्दा लाने का प्लेट फार्म नहीं है। स्पीकर साहब हमारे शिक्षा मंत्री शर्मा जी बड़े योग्य मंत्री हैं इनको मैं कहना चाहूंगा कि यहां पर जनता बैठी हुई है इसलिए आप सदन को चुनावी दंगल न बनाएं, जनता आपको माफ नहीं करेगी। यह ठीक बात हो सकती है कि आपकी कुर्सी को बहुत ज्यादा चिन्ता है। यदि आप ट्रेजरी बैंचिज पर बैठे हुए हैं तो हम भी विपक्ष में बैठे हुए हैं। आवाज हमारे पास भी है और शब्द हमारे पास भी हैं। मेरी आपसे गुजारिश है कि आप चुनावी मुद्दा ले कर सदन को किसी गांव की पब्लिक मीटिंग न बनाएं, इसको सदन ही रहने दें।

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, जब भी इनकी पार्टी का कोई विधायक बोलता है तो वह 16 तारीख के चुनाव से अपनी बात कहना शुरू करता है। धीरपाल जी आपका जो हलोदरा का लीडर है वह कल ही सदन से भाग गया था पता नहीं वह होली मनाने गया है पता नहीं क्या करने गया है ? अध्यक्ष महोदय चौधरी धीरपाल जी हमारे पुराने साथी हैं। हम दोनों इस सदन में लगातार चौथी बार आए हैं। चौधरी धीरपाल जी आप आलोचना करें लेकिन आपके पास कोई तर्क हो तो आप हमारी आलोचना करें। आप आलोचना करने के लिए आलोचना न करें। अगर हम कोई गुनाह करते हैं तो वह आप हमें बताएं हम उसका स्वागत करेंगे परन्तु आपकी तरफ से आलोचना के लिए आलोचना की जा रही है और वह भी आप मुख्य मंत्री जी से शुरु करते हैं यह बड़ी गलत बात है। मुख्य मंत्री जी विधान सभा के हर चुनाव में गए थे हर चुनाव में पब्लिक मीटिंग में गए हैं और अब भी जा रहे हैं।

श्री जसविन्द्र सिंह संधु : स्पीकर साहब, बिजली बोर्ड के लगभग 1700 कर्मचारी जो बर्खास्त किए हुए हैं वे पिछले डेढ़ महीने से चण्डीगढ़ के सैक्टर 17 में थर्मल बिल्डिंग के सामने धरने पर बैठे हैं वे नौजवान साथी ठण्ड की वजह से बीमार हो गए हैं मेरा कहना है कि उनको दोबारा से नौकरी पर लिया जाना चाहिए। स्पीकर साहब, मैं राम बिलास शर्मा जी का बड़ा सम्मान करता हूं लेकिन ये चमचे मार-मार कर इस हद तक पहुंच जाएंगे यह हमें उम्मीद नहीं थी। (शोर)

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर साहब, माननीय सदस्य को कोई काम की बात कहनी चाहिए लेकिन ये श्री ओम प्रकाश चौटाला के चेले हैं इसलिए इस तरह की बात कह रहे हैं । (शोर)

श्री जसविन्द्र सिंह संधु : ओम प्रकाश चौटाला के चेले आप भी रहे हो । (शोर)

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, कल मैंने इनके गुरु श्री ओम प्रकाश चौटाला की तसल्ली तो कर दी थी । अध्यक्ष महोदय, भगवान की दया से हमको त्रिकाल की दृष्टि मालूम है चौधरी देवी लाल जी के हाथ में मुख्य मंत्री की टोपी थी और उन्होंने वह टोपी 2 दिसम्बर 1989 को इनके नेता श्री ओम प्रकाश चौटाला के सिर पर रखी थी । हमने डाक्टर मंगलसैन जी के नेतृत्व में 1986 के अन्दर एक संघर्ष किया था । चौधरी देवी लाल और हमने मिल कर वह संघर्ष किया था और वह संघर्ष हमने हरियाणा के हित में किया था । ठीक 2 दिसम्बर 1989 को जिस दिन श्री ओम प्रकाश चौटाला मुख्य मंत्री बने उस दिन भारतीय जनता पार्टी के 6 लोग उनके मंत्रीमण्डल में शामिल हुए । डा० मंगल सैन, बहन कमला वर्मा, श्रीमति सुषमा स्वराज, श्री सीता राम सिंगला और मैं उस मंत्रीमण्डल में शामिल हुए । हमने देयर एंड दैन कहा कि हमारे इस पार्टी के साथ बोल नहीं मिलते विचार नहीं मिलते हमने देयर एंड दैन उस मंत्रिमंडल को त्याग दिया । अध्यक्ष महोदय, उसके बाद अम्बाला छावनी का बाई इलैक्शन हुआ । महम और अम्बाला छावनी के बाई इलैक्शन साथ-साथ हुए । आज हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठा सदन के मैम्बर नहीं हैं वे उस समय सदन के स्पीकर हुआ करते थे । उस समय हमने इनकी पार्टी के नेता की लाख मिन्नतों के बावजूद हमने यह कहा कि नहीं हम अम्बाला छावनी का चुनाव अकेले लड़ेंगे और महम के इलैक्शन में हम आपका समर्थन नहीं करेंगे । क्योंकि इनके साथ हमारा मानस नहीं मिलता था हमारा जहन नहीं मिलता था । (शोर)

श्री अशोक कुमार : अम्बाला छावनी और महम का बाई इलैक्शन एक साथ नहीं हुआ था ।

श्री राम बिलास शर्मा : यदि अम्बाला छावनी और महम का बाई इलैक्शन साथ-साथ नहीं हुआ तो उसमें थोड़ा बहुत अन्तर होगा । अध्यक्ष महोदय, अम्बाला छावनी की सीट श्रीमति सुषमा स्वराज खाली करके राज्यसभा में गई थी और उस समय कुरुक्षेत्र के अशोक कुमार उम्मीदवार बन कर आए । हमारे साथियों ने हमारे साथ महम के इलैक्शन का सौदा करने का प्रयास किया और इन्होंने कहा कि आप हमारा समर्थन महम में करें हम आपका समर्थन अम्बाला छावनी में करेंगे लेकिन हमने इनसे कहा कि हमें आपका समर्थन अम्बाला छावनी में नहीं चाहिए । स्पीकर साहब, उस समय हमारे सदन के माननीय सदस्य श्री अनिल विज वहां से चुनाव जीत कर आए । उनको तो कोई भी गुरु चेला बनाने के लिए तैयार नहीं है । (शोर एवं विघ्न)

वाक आउट

खाद्य तथा आपूर्ति मंत्री (श्री गणेशी लाल) : अध्यक्ष महोदय, आपने महामहिम के अभिभाषण पर बोलने के लिए और उसका समर्थन करने के लिए समय दिया, उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं।

श्री कृष्ण लाल : अध्यक्ष महोदय, आप हमारे साथियों को बोलने के लिए समय दें। (शोर)

श्री अध्यक्ष : आप सभी बैठिए। अब श्री गणेशी लाल जी बोलेंगे।

श्री कृष्ण लाल : यदि आप हमें बोलने का समय नहीं दे रहे तो हम ऐज-ए-प्रोटैस्ट सदन से वाक-आउट करते हैं।

(इस समय हरियाणा लोकदल (राष्ट्रीय) पार्टी के सभी सदस्य सदन से वाक-आउट करके चले गए।)

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री गणेशी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं कि विपक्ष की कुर्सियां और बैंचिज खाली पड़ी हैं, वे हमारी बात सुने बगैर चले गए। यहां पर बात चल रही थी गुरु और चेला की। हमारे लिए तो हिन्दुस्तान की जनता हमारा अराध्य देव है और हरियाणा की जनता हमारी पूजा है। हमारे लिए माता-पिता, भाई-बहन, गुरु तथा भिक्षाण, आन-बान-शान तथा सम्मान कोई है तो हिन्दुस्तान है। सौभाग्य से आज हरियाणा की जनता, जिसमें कर्मचारी, व्यापारी, किसान दलित, उद्योगपति और जो भी कुछ है वह हमारे लिए आराध्यदेव हैं। जो भी हमारा नेता उभरता है हम उसके साथ मिलकर चलते हैं। उसके साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर चलते हैं। उसका जहां पसीना गिरता है उसके लिए हम वहां पर रक्त बहाने के लिए तत्पर रहते हैं। यह समझ में नहीं आता कि यहां पर विपक्ष के नेता गुरु और चेला की बात कर रहे थे। राम बिलास जी के लिए वे कुछ भी कहें लेकिन अध्यक्ष महोदय, ये सब लोग ओम प्रकाश चौटाला को अपना गुरु मानकर गए हैं। अगर वे इस देश में नहीं रहे तो फिर वे किसको गुरु मानेंगे, मुश्किल हो जायेगा। राज चलता रहता है, व्यक्ति तो आता जाता रहता है। मैं विपक्ष के सम्माननित सदस्यों से निवेदन इस आशय से करना चाहता हूं कि शायद वे बाहर बैठे हुए मेरी बात सुन रहे हों। उनको अपना गुरु अवश्य बदलना चाहिए और इस राष्ट्र से बड़ा और कोई गुरु नहीं हो सकता। स्पीकर साहब यह अभिभाषण हमारा मंत्र है। मंत्र के प्रति हम खरे नहीं उतरते हैं तो 5 वर्ष के बाद हम लोगों के पास वोट मांगने के लिए जाने के अधिकारी भी नहीं हैं। हमारी प्रतिज्ञा है संकल्प है और प्रतिबद्धता है कि इस देश के धरती पुत्र को देश के किसान अन्नदाता को इस देश के कर्मचारी व हरिजन कर्मचारी को व्यापारी, उद्योगपति तथा दलितों को

[श्री गणेशी लाल]

जो भी जख्म लगे, उस पर हम डटकर मरहम लगाएं और इसलिए हमने जितने भी वायदे हरियाणा सरकार बनने से पहले लोगों के बीच जाकर किए थे हमने एक-एक वायदा पूरा करने का संकल्प किया है। जहां तक बिजली की बात है, बहुत चर्चा चलती है। इसमें कौन सा हमारा दोष है, क्या अपराध हमने किया है --जनरेशन, ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन यानि जी0, ओ0 और डी0। ये तीनों तो बिजली के विधान की अलग-अलग एजेंसीज हैं। एक उत्पादन करता है, एक सम्प्रेषण करता है और एक वितरण करता है। अगर हमने तीन एजेंसीज बिजली के विधान के अन्तर्गत की भी हैं तो इसमें कहीं भी प्राईवेटेनाईजेशन को इन्ट्रोड्यूस नहीं किया है, कहीं भी निजीकरण नहीं है बल्कि उसका सुधारीकरण है। 3 एजेंसियां बनाने से उसमें स्वाभाविक रूप से कुशलता पैदा होगी। क्या हरियाणा की जनता या विपक्ष के जितने सम्मानित सदस्य हैं हमारी सरकार के प्रति, हमारे मुख्यमंत्री के प्रति, महामहिम के प्रति क्या वास्तव में ईमानदारी से हमारी नीयत में कोई खोट समझते हैं। क्या हमने 1200 करोड़ रुपए का 410 मैगावाट का गैस पर आधारित प्लांट 1997 में फरीदाबाद में नहीं लगाया। क्या जर्मनी की एक कम्पनी से पानीपत के 4 थर्मल प्लांट की कैपेसिटी 110 से बढ़ाकर 118 मैगावाट करके उसके 30 परसेंट प्लांट लोड फैक्टर को 80 परसेंट करके 250 मैगावाट अतिरिक्त बिजली पैदा नहीं की जायेगी। क्या इसको ये नहीं मानते? हमने वह किया है जो ये पिछले 7-8 साल से नहीं कर पाये थे। अब वे यह कहते हैं कि शराब के कारण विकास नहीं कर पाये। हम इन भाइयों से पूछना चाहते हैं कि 7-8 साल पहले पानीपत का थर्मल प्लांट इन्होंने प्रारम्भ करना था और उस समय उस पर 300-400 करोड़ रुपया लगना था जिसको कि पानी की कमी के कारण ये प्रारम्भ नहीं कर पाये। आज हम उस छठे थर्मल प्लांट को प्रारम्भ कर रहे हैं। इसके साथ साथ 25-25 मैगावाट के ऐसे 12 प्लांट के लिए जगह स्वीकृत कर चुके हैं और काम शुरु हो रहा है और जो अतिरिक्त 1180 परसेंट बिजली हम हरियाणा में पैदा कर रहे हैं क्या इसमें भी इन्हें हमारी नीयत पर शक है। This Government is so transparent and corruption free, जब कुरैशी साहब विदेश में गए थे वे डाकूमैंट चौटाला साहब के पास पड़े हुए हैं। In anyway, they are creating sensation and furore on the floor of the House, unfortunately and telling lies and lies altogether. इनकी कौन सी बात सही है? पहले कहा कि शराब थैलियों में बिकती है, फिर कहा कि 18 करोड़ रुपये की दवाईयां सरकार ने कहीं नहीं छिड़की लेकिन फिर बाद में इस बात को बिदड़ा कर रहे हैं और सच्चाई को मान रहे हैं। विषय को डैविवेट करके दूसरे विषय पर छलांग लगाने की बात करते हैं। They are not reading what we have written down on the Board. अध्यक्ष महोदय, हमने जो दीवार पर लिखा है उसे ये लोग पढ़ने में असमर्थ हैं। इन्होंने 16 तारीख की बड़ी चर्चा की, एक मशाल नहीं जली और सब बुझ गया और कोई छतरी के सहारे उड़ गए। अध्यक्ष महोदय, जब झज्जर का चुनाव आया तो छतरी के सहारे

उड़ गये और ऐनक ले कर चले । आप उन्हें समझाइये कि हाथी पर ऐनक लगा कर चलें तो क्या अच्छा लगता है (विघ्न) क्या कभी हाथी ऐनक पर चल सकता है। अगर ईमानदारी से देखा जाए तो इनका हाल वह होगा कि जैसे ऐड आती है कि ढूंढते रह जाओगे। ऐनक से कहीं वोट मिलता है। अध्यक्ष महोदय, कभी लालटेन ले कर फिर रहे हैं और कभी ऐनक ले कर फिर रहे हैं। आप खुद समझदार हैं कि हिन्दुस्तान की जनता को ये कैसे बता पायेंगे ? 542 सीट्स पर चुनाव होना है लेकिन इनके 10 लोग रात को निकाह करते हैं और सवेरे तलाक करते हैं। अध्यक्ष महोदय रात और दिन का हिसाब कहीं फिट नहीं हो रहा है। अगर ये एक भी सीट जीत जाएं तो देश का दुर्भाग्य है। अगर एक आध सीट जीत कर देश की पार्लियामेंट में पहुंच भी जाएं तो क्या संसद में झुनझुने बजाएंगे ? कहते हैं कि हम हिन्दुस्तान की राजनीति में अहम भूमिका निभाएंगे और जरूरत पड़ी तो बिक जाएंगे इसके अतिरिक्त कुछ नहीं है। हिन्दुस्तान की राजनीति में सबसे बड़ी पंचायत में पहुंचना और वहां पर बात करना आसान नहीं है। सात लोगों के आधार पर देश का प्रधान मन्त्री बनाने की बात करते हैं रणक्षेत्र छोड़ कर युद्ध क्षेत्र छोड़ कर, धर्म क्षेत्र छोड़ कर चुनाव क्षेत्र में हमसे युद्ध करने चले हैं और देश का प्रधान मंत्री बनाने चले हैं। अध्यक्ष महोदय, कौन सा ऐसा वायदा है जो हमने पूरा नहीं किया, सभी वायदे हमने पूरे किए हैं। हमारी सरकार आए अभी समय ही कितना हुआ है। एक साल नौ महीने के करीब समय हमें सरकार में आये हुए हुआ है और तीन साल तीन महीने का समय हमारे पास और पड़ा हुआ है, छटपटाहट मत करिये, इन लोगों को चाहिए कि मुंगेरी लाल के हसीन सपने देखने बन्द करें। अध्यक्ष महोदय, जो कांटे ये लोग बिछा कर गए थे, उनको चुनने में थोड़ा समय लग रहा है। फूल खिलाने के जो वायदे हमने किये हैं हम लोग वे फूल खिलाएंगे लेकिन जो कांटे उन्होंने बिछाए हैं पहले उनको तो चुनना है। बड़े सम्मानजनक ढंग से मैं विपक्ष के नेता से कहना चाहता हूं माना कि हम तुम्हारे दीद के काबिल नहीं पर हमारा शौक देखिए और नजर देखिए। अध्यक्ष महोदय, हिन्दुस्तान की राजनीति के अन्दर जिनका कोई नेता नहीं है वे क्या बात करेंगे ? रत्नाकर पाण्डेय कांग्रेस के सांसद होते थे, बोलते हैं कि हमारी पार्टी के अन्दर तो कोई मर्द नहीं, सभी नामर्द हैं एक ही मर्द है और वह है सोनिया गांधी। वे लोग आज समझते हैं कि वे देश को नेतृत्व प्रदान करेंगे । जो लोग लालू प्रसाद यादव के चरणों में बैठ कर टिकट मांगने की बात करते हैं वे टक्कर लेने चले हैं। चाहे वे चन्द्र शेखर जी हों या और लोग हों आज वे लोग झटक-झटक कर लंका को छोड़ ऐसे सभी विभीषण भारतीय जनता पार्टी की गोद में आ रहे हैं, बुद्ध प्रिय मौर्य कांग्रेस की लंका को छोड़ आए। अध्यक्ष महोदय, ये लोग मुलायम सिंह की बहुत चर्चा करते हैं जिनके कन्धों पर शायद ये लोग चलना चाहते हैं लेकिन उनका बंगाल का सब कुछ बर्बाद हो गया। मौलाना अबुल कलाम आजाद का दामाद, उनके वहां के अध्यक्ष नवाब सैयद जानी, शहनशाह जहांगीर सभी कहां चले गए। सब के सब लोग कहां जा रहे हैं। वे वास्तव में वहीं पहुंच रहे हैं जहां उनको पहुंचना चाहिए था। वास्तव में हिन्दुस्तान जिनका आराध्य देव नहीं है और जिसको हिन्दुस्तान की जनता तथा हरियाणा

[श्री गणेशी लाल]

की जनता प्यारी नहीं है 16 फरवरी को सब उड़ जाएंगे। अध्यक्ष महोदय, 16 फरवरी की इनको गलत फहमी है। मैं अभी-अभी करीब दो सौ गांवों में हो कर आया हूं, चाहे हलोदरा के आदमी हों और चाहे कांग्रेस के आदमी हों सभी छोड़-छोड़ कर भाग रहे हैं और भारतीय जनता पार्टी तथा हरियाणा विकास पार्टी से मिलने जा रहे हैं। यह सब क्यों हो रहा है अध्यक्ष महोदय, यह इसलिए हो रहा है क्योंकि हमने जो मन्त्र दिया था, हमारी जो बाईबल है, हमारा जो ग्रन्थ है, हमारी जो गीता और कुरान है उसको हमने मैनिफैस्टो कहा है और हमारे महामहिम का जो अभिभाषण है वह हमारा मन्त्र है वही हमारा ग्रन्थ है, उसके प्रति हम प्रतिबद्ध हैं, यही हमारा संविधान है और इसके प्रति जितना हम से हो सकता है हम करने का प्रयास कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, इस बात पर बार-बार चर्चा चलती रहती है (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब ने जो स्टैटिस्टिक्स हमने दिए थे, उन पर कभी ध्यान नहीं दिया लेकिन बड़ा खोल कर बता रहे थे कि इतने केसिज पकड़े गए और इतनी गाड़ियां पकड़ी गईं। अध्यक्ष महोदय, हमारे सम्मानित सदस्य जिनका मैं बड़े सम्मान के साथ जिक्र करना चाहूंगा जो सी0एल0पी0 में अपने आप को लीडर कहते थे। उनके बारे बीरेन्द्र सिंह जी ने शायद चुटकी लेकर कहा था कि उनको इस बार हरियाणा के सदन के अन्दर नहीं आने देंगे उनको हरियाणा से बाहर भेजेंगे, उन्होंने भी कहा कि शराब दुगनी हो गई। शराब दुगनी हो गई ? क्या दुगने लोग शराब पीने लगे हैं क्या शराब की क्वांटिटि बढ़ गई है। 1975 से 14 लाख बोतल से शुरू हुई और 1995-96 तक 14 करोड़ शराब की बोतल की खपत थी। अगर मैं इसमें से बीयर को निकाल दूं तो 11 करोड़ 70 लाख बोतल शराब हरियाणा में खप रही थी और अगर बीयर को जोड़त हूं तो 18 करोड़ 70 लाख बोतल हरियाणा में 1995-96 में कन्जयूम की जाती थी। उन्होंने बड़ा जिक्र करते हुए कहा कि हमने 20 लाख बोतल शराब पकड़ ली, उन्होंने कहा कि दुनिया भर की शराब यहां बिक रही है, मैं उनसे वास्तव में यह पूछना चाहता था कि उनके हिसाब से हमने वास्तव में कितने परसेंट शराब पकड़ी होगी ? हरियाणा के प्रशासन ने और हमारे प्रोहिबिशन डिपार्टमैंट ने कितनी शराब पकड़ी होगी जब मैंने उनसे इस बारे पूछा तो वे बता नहीं पाए। मेरा कहना है कि अगर हमने 10 प्रतिशत शराब भी पकड़ी हो और बरस्ट से बरस्ट अगर पोसिबल हो और अगर मैं विपक्ष के तरफ के आंकड़े दे कर कहूं और अगर हमने 10 प्रतिशत शराब भी पकड़ी हो और 90 प्रतिशत बोतलें एस्केप करके चली गई हों तो कितनी शराब पकड़ी गई। हालांकि हम 60 प्रतिशत से 80 प्रतिशत तक शराब पकड़ते हैं। लेकिन विपक्ष के मैक्सिमम एलिगेशन के बावजूद अगर हमने 10 प्रतिशत बोतल पकड़ी हों तो अध्यक्ष महोदय, मैं आपके सामने निवेदन करना चाहूंगा कि 13 लाख बोतलें पकड़ी हैं। 130 लाख बोतलों में से अगर 117 लाख बोतलें इस्केप भी हो गई हों, और 1170 लाख बोतलों में से 117 लाख बोतलें भी हरियाणा के लोगों ने पी हों तो फिर भी 10 प्रतिशत ही कंज्मपशन हुआ है। इस हिसाब से 90 प्रतिशत फिर भी हम सफल हुए हैं। अगर 20 प्रतिशत लगाएं तो हम और भी सफल हो जाते हैं लेकिन

यह जो समाज है इसमें बहुत सी त्रुटियां हैं। एक बार जैसे यहां पर कहा गया कि किसी गाड़ी को रोक लिया गया। विपक्ष के नेता ने बड़े ही व्यंगात्मक तरीके से यह बात कही थी। मैं गाड़ी में जा रहा था तो मुझे मालूम पड़ा कि गाड़ी इम्पाऊंड हो गई है। अध्यक्ष महोदय, हम जब पहली बार विधान सभा में आए थे तब मैंने इस बारे में कहा था कि अगर हवाई जहाज हरियाणा के ऊपर से उड़ता है और उसमें कोई शराब पीता है तो हमारी उसको धरती पर उतार कर कैच करने की कोई मंशा नहीं है। लेकिन मैं एक बात सम्मानित सदस्यों से पूछना चाहता हूं कि अगर किसी गाड़ी में छः लोग हों और वे सब आदिया-अदिया या या पउआ-पउआ लेकर चलें और एक्सीडैंट करके वे छः के छः मारे जाएं तो क्या वह विपक्ष के सम्मानित सदस्यों को अच्छा लगेगा ? अध्यक्ष महोदय, मैं आपको दो एक्सीडैंटस के बारे में बता सकता हूं जोकि सिरसा की धरती पर हुए हैं। इन एक्सीडैंटस में दो कारों के 6-6 लोग मारे गए क्या वह विपक्ष के सदस्यों को अच्छा लगेगा ? अगर हमने उनको सरकार की कास्ट पर रैवेन्यू की कास्ट पर चैक करने की कोशिश की तो अध्यक्ष महोदय, हमने कौन सा अपराध किया है ? यह हमने सोशल वैल-विंग के लिए इकौनोमिक वैल विंग के लिए, गरीबी की मौत और समृद्धि के जन्म के लिए किया है। आज पब्ज हैं क्लब्ज हैं हाऊस्जि हैं और आज स्लम्ज एरिया हैं। आज हरियाणा की हमारी माता, बहन और बेटी जो पानी भरने टूटी पर पहुंचती हैं।

श्री अध्यक्ष : गणेशी लाल जी, आप कितना समय और लेंगे ?

श्री गणेशी लाल : अध्यक्ष महोदय, मुझे 10 मिनट का समय और चाहिए।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : अगर सदन की सहमति हो तो बैठक का समय 10 मिनट के लिए बढ़ा दिया जाए।

आवाजें : ठीक है जी।

श्री अध्यक्ष : बैठक का समय 10 मिनट के लिए बढ़ाया जाता है।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री गणेशी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं निवेदन कर रहा था कि जो शराब बंदी की बात है, जिसके बारे में विपक्ष के सभी लोग तिलमिलाते हैं कि आपने शराब बंद नहीं की है। शराब आज भी हरियाणा में चलती है। फलाने का मंत्री शराब बिकवाता है, वह लाता है, यह लाता है लेकिन अध्यक्ष महोदय, यह विषय नहीं है कि कौन शराब लाता है या किस की गाड़ी में शराब मिली। बल्कि विषय यह है कि शराब को हरियाणा से बंद किया जाए और विपक्ष के सभी सम्मानित सदस्यों ने सहयोग देने का संकल्प किया था। लेकिन बड़े

[श्री गणेशी लाल]

दुख के साथ मैं यह कहना चाहता हूं कि उन्होंने किसी प्रकार से अपने संकल्प को पूरा करने की चेष्टा नहीं की है। कोई प्रयास नहीं किया है। उन्होंने किसी प्रकार से हमें सहयोग नहीं दिया है। बल्कि उनकी यह कोशिश रही है कि सरकार को कैसे फ्रिल किया जाए। उन्होंने शराब के विषय को हर बार फलोट करके विधान सभा का और इस सदन का समय खराब किया है। जहां हम हरियाणा के दो करोड़ लोगों को अपनी पालिसी के बारे में बताना चाहते हैं वहीं ये सदन का समय खराब करना चाहते हैं। शराब का जहां तक सम्बन्ध है हमारे मुख्यमंत्री जी बताते हैं कि हम 85 प्रतिशत कामयाब हैं लेकिन मेरे हिसाब से अगर हमने 10 प्रतिशत भी शराब पकड़ी है, जितनी बोतलें हमने पकड़ी हैं, अगर 90 प्रतिशत भी हमारे से ऐस्केप हो गई हों, तब भी हम उसमें 90 प्रतिशत सफल हैं। लेकिन यह सामाजिक क्रांति है सामाजिक बुराई है कि समाज के सहयोग के बिना इसके ऊपर पूरी तरह से काबू नहीं पाया जा सकता है। अध्यक्ष महोदय, पंजाब से मुम्बई तक के बीच में बोलते हुए और भी कई अनेक स्थानों पर बोलते हुए कोई ऐसा आदमी मिलता है जो इसके पक्ष में दलील देता हो। चाहे आप इस देश का ऋगवेद ले लीजिए, चाहे योग नीति-शास्त्र ले लीजिए, कुरान, बाईबल या गुरु ग्रन्थ साहिब ले लीजिए। दुनिया का कोई भी डाक्टर ले लीजिए, जितने भी मैडीकल एक्सपर्ट हैं उनकी राय ले लीजिए या दुनिया के किसी भी राष्ट्राध्यक्ष की राय ले लीजिए किसी ने भी शराब के पक्ष में आज तक कोई वोट नहीं दिया है। अध्यक्ष महोदय, मुझे एक बूढ़ा भाषण करते वक्त मिला। उसने कहा कि प्रोफैसर आप क्यों जिद करते हो हमारा पैसा है हम चाहे कुछ भी करें। तुमको क्या पता कि शराब पीने से क्या होता है। इसको पीने से सातवें आसमान में पहुंच जाते हैं। स्वर्ग दिखता है और बहुत ही आनन्द आता है। यह है वह है। शराब अन्दर जाकर ऐसा करती है वैसा करती है तो मैंने उसे कहा कि फिर शराब बुढ़िया को भी क्यों नहीं पिला देते। उसे भी अपने साथ पिलाया करो। क्या तुमने अकेले आनन्द लेने का ठेका ले रखा है? मैं मुख्यमंत्री से तुम्हें शराब पीने की इजाजत दिला दूंगा ताकि तुम दोनों मरो तो इकट्ठे मरो और तुम्हारा अन्तिम संस्कार भी इकट्ठा किया जा सके। एक मरे और दूसरा न मरे तो अच्छा नहीं लगता। अध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का अभिप्राय यह है कि यह जो दुनिया भर की बातें शराब के बारे में की जाती हैं और जिसके लिए तरह तरह के प्रश्न किए जाते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से विपक्ष के सभी सम्मानित सदस्यों को जो यहां पर नहीं हैं, हाथ जोड़कर कहना चाहूंगा कि शराब बंदी के इस यज्ञ के अन्दर अपनी आहूति डालें। अध्यक्ष महोदय, ये सारी बातें ही नहीं हैं। हम पांचों तरफ से घिरे हुए हैं और वे सब के सब शराब बेचते हैं लेकिन हम डटे हैं। उसके पश्चात भी कितनी बड़ी चुनौती और कितना बड़ा संकल्प हमने इस शराब को समाप्त करने का लिया है। अध्यक्ष महोदय, आज जितने भी क्लब्ज थे जितने भी पब्ज हाउसिज थे जिनके अन्दर रात को बहुत ही रिच ऐरिस्ट्रोक्रेट फैमलिज के कहलाने वाले लोग जाते हैं जिनको सूडो-रिच या रिच फेमिलिज कहते हैं वे लोग वहां जाते हैं। विमैन सैक्शन आफ सोसायटी के पति जो

रात को शराब पीकर घर नहीं लौटते थे, उनकी भी देवी आज प्रसन्न है। अध्यक्ष महोदय, आज अगर कोई चोरी छिपे शराब पीता भी है या थैली में ले जाता भी है तो वह भी अपनी प्रियतमा के चरण पकड़कर ही पीता है कि किसी से बोलना मत, किसी को बताना मत कि मैंने शराब पी। इसलिए यह जो आज चेंज है कि शराब पीने वाला आज अपनी पत्नी को अपने बच्चों के सामने पीटता नहीं है, यह बहुत बड़ा है। अध्यक्ष महोदय, कालेजिज में यूनिवर्सिटीज के वातावरण में आज जमीन आसमान का अन्तर आया है। अध्यक्ष महोदय, चाहे पंचायत के चुनाव होते हों, म्यूनिसिपल कमेटीज के चुनाव होते हों, एम0एल0एज0 के चुनाव होते हों या एम0पीज0 के चुनाव होते हों, सब में करोड़ों रुपये या अरबों रुपए बर्बाद होते थे और कितने खन्डे खड़क कर कोई न कोई कत्ल होता था। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको इस बारे में आंकड़े देना चाहूंगा कि पिछले डेढ़ वर्ष के अन्दर जितने मर्डर्ज हुए थे, हर्टज हुए थे या ऐक्सीडैंट्स हुए थे तथा सी0आर0पी0सी0 की सैक्शन 107 या 155 के तहत जिनने भी केसिज रजिस्टर हुए थे, उनमें अब काफी डिफरैंस आया है। अध्यक्ष महोदय, आप देखेंगे कि 1-7-97 से लेकर 31-12-97 तक इस बारे में जो केसिज रजिस्टर हुए हैं उनमें बहुत ही अन्तर है। सबके अन्दर कमी है। ऐक्सीडैंट्स में कमी आई है, कत्ल के केसिज में कमी आई है जिनकी चोट लगी हो, उनमें कमी आई है झगड़े बाजी में कमी आई है। सैक्शन 107 और 155 के केसिज में कमी आई है अर्थात् हर प्रकार से शराबबन्दी करने के बाद हरियाणा के अन्दर एक समृद्धि का दौर चला है। लोगों को भी जरूर ऐसा लगता होगा इसलिये वे आज प्रसन्न भी हैं। अध्यक्ष महोदय, शराबबन्दी के कारण हमने 700-800 करोड़ रुपए का डैफिसिट किया लेकिन 3200 करोड़ रुपये को जो हरियाणा के लोग पहले शराब पीते थे अगर उसमें से खिसक कर एक हजार करोड़ रुपए तक को भी लोग शराब पी जायेंगे तब भी 2200 करोड़ रुपये तो लोगों की जेबों में ही जाएंगे। अगर 2200 करोड़ रुपये लोगों की जेबों में आएंगे तो इससे स्वाभाविक रूप से अनेक प्रकार के साधन बनते हैं, उससे विकास की गति बनती है एवं इससे लोगों की जेबों में पैसा जाता है। अध्यक्ष महोदय, जिन गरीब लोगों ने शराब छोड़ दी है आज उनकी डेली सेविंग्ज बढ़ी है, डिपोजिट्स बढ़े हैं। बैंकों में उनका पैसा बढ़ा है। हरियाणा में पिछली बार से इस बार स्माल सेविंग्ज की संख्या भी बढ़ी है ऐसे डोनर्ज की संख्या भी बढ़ी है। अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के नेता जो एक बात बार-बार कर रहे थे जैसे कि वे ही अकेले किसानों के ठेकेदार हों। अध्यक्ष महोदय, अजगर की फिलोसौफी बताने वाले, राजनैतिक दर्शन देने वाले हमको क्या बतलाना चाहते हैं। अध्यक्ष महोदय, मिजोरम में बायबल के हिसाब से शासन करने वाली पार्टी के बीरेन्द्र सिंह हमको क्या बतलाने वाले थे हमको क्या सीख देने वाले थे कि साम्प्रदायिकता क्या होती है? अध्यक्ष महोदय, 1972 में संसद में जब कम्यूनल कौन होता है, के ऊपर विचार विमर्श चर रहा था तो हिन्दुस्तान के प्रधानमंत्री को उस समय खड़े होकर भारतीय जनसंघ के सांसद श्री जगन्नाथ जोशी को कहना पड़ा था कि "भारतीय जनसंघ कम्यूनल नहीं है। He was not able to define what communal was.

[श्री गणेशी लाल]

साम्प्रदायिकता क्या होती है इसको वे डिफेंड नहीं कर सके ? अध्यक्ष महोदय, आज तो ढोल का पोल निकल गया। आज कांग्रेस के सब श्रेष्ठ नेता हमारे पास इसलिए आ रहे हैं क्योंकि हम सम्प्रदायिक नहीं हैं। अध्यक्ष महोदय, अगर वन्दे मातरम कहना साम्प्रदायिकता है तो हम साम्प्रदायिक हैं। अगर भारत माता की पूजा करना, उसका श्रृंगार करना या उसको आराध्य मानकर पूजा करना साम्प्रदायिक है तो हम साम्प्रदायिक हैं। अगर इस देश के अन्दर इस जनता की सेवा करना और हर मनुष्य में भगवान देखना साम्प्रदायिकता है तो हम हैं। अगर मुसलमान को कोई वोट माने तो वे तो चौड़े दिल के हैं और हम अगर मुसलमान को भगवान का नूर मानकर पूजा करें तो हम साम्प्रदायिक हैं। दादरी के अन्दर कजाकिस्तान के जब दो हवाई जहाज भिड़ गए और उसमें 361 लोग मारे गए यदि हम उनको दफनाने का काम मुल्ला मौलवी से कुरान की आयतें पढ़वाकर करें, तो भी हम साम्प्रदायिक हैं लेकिन उनकी जेब से पैसा चुराने वाले जो आज तक सत्ताधारी रहे हैं, वे चौड़े दिल के हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं इस बारे में कितनी ही चर्चा कर सकता हूं। अगर वे शुक्रवार की जुम्मे की नमाज की बात करें या संसद के अन्दर इधर की या उधर की बात करें, तब तो ठीक है। अध्यक्ष महोदय, जो उन्होंने ढकोसलेबाजी या पाप का महल खड़ा किया था, आज वह ढह रहा है। आज चाहे हलोदरा के नेता हों या कांग्रेस के नेता हों, जो उन्होंने झूठ के ऊपर अपना महल खड़ा किया था, वह ढह गया है, आज जो यह लोग किसानों की बातें कर रहे हैं तो अध्यक्ष महोदय, किसान के हित की बात करना एक बात है और किसान का हित करना दूसरी बात है। किसान के हित के लिये हथनीकुण्ड बैराज का काम किसने किया इन्होंने तो वह काम आज तक किया ही नहीं है। इतने वर्षों से ताजेवाला हैड बर्कस का काम क्यों नहीं हुआ। इसको बीस हजार क्यूसिक वाटर में बदलने का काम हमने ही किया है। 219 करोड़ रुपए लगाकर हमने ही इसका काम शुरु किया है। लिफ्ट योजना हमने ही शुरु की है। स्प्रिंकलर सिस्टम हजारों से हम ही लाए हैं। अध्यक्ष महोदय, हमने ही हरियाणा के अन्दर से बाढ़ का पानी निकाला है जबकि वे लोग इस पानी को पहले कभी नहीं निकाल सके। अध्यक्ष महोदय, हमने दो लाख पौधों को काटकर नालों को साफ किया है और लाखों किसानों की कई एकड़ भूमि सिंचाई के योग्य बनाई है और लगभग करोड़ों रुपए का हरियाणा के किसान अन्नदाताओं को लाभ पहुंचाया है। अध्यक्ष महोदय, बिजली देने का काम और पानी देने का काम इस सरकार के अतिरिक्त किसने किया है। यदि पहले बंसी लाल जी ने किया था तो अब भी बंसी लाल जी ने ही किया है इसलिए तो हमारी इनसे मित्रता है और हरियाणा की जनता के प्रति और उसको आराध्य देव मानकर हम उसकी पूजा करना चाहते हैं। महामहिम राज्यपाल महोदय का अभिभाषण मैंने पढ़ा है मुझे लगता है कि हमारे विपक्ष के साथियों को हिन्दी और अंग्रेजी नहीं आती है यदि आती होती तो वे इसका समर्थन करते। इन्हीं शब्दों के साथ आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

Mr. Speaker : Now the House is adjourned till 9.30 A. M. tomorrow.

*19.36 Hrs. (The Sabha then *adjourned till 9.30 A.M. on Thursday, the 22nd January, 1998).

30004—H.V.S.—H.G.P., Chd.